हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष : 12, अंक : 35, पृष्ठ : 12 | नई दिल्ली 01 मार्च से 15 मार्च 2022 | RNI NO. DELHIN/ 2009 28409 | मूल्य :- ₹5/

ब्लेजर ड्रेस में पाएं स्टाइलिश लुक

10

विश्व कप ट्रॉफी के साथ अपनी लंबी यात्रा का अंत ...

11

ARYAMAN SR SEC PUBLIC SCHOOL

(CBSE RECOGNISED AND AFFILIATED)

NURSERY TO CLASS 12TH (SCIENCE, COMMERCE AND ARTS)

HIGHLIGHTS:-

- SMART CLASSROOMS WITH SMART CONTENTS
- STUDENT CENTRIC CURRICULUM
- IDEAL STUDENTS-TEACHERS RATIO
- SPACIOUS GREEN PLAYGROUND
- PSYCHOLOGICAL AND CULTURAL DEVELOPMENTS
- WELL EQUIPPED AND SEPARATE SCIENCE AND ACTIVITIES LABS
- BUILDING UNDER CCTV SURVEILLANCE
- BUSES FOR AND FROM THE SURROUNDING AREA
- REGULAR SANITIZATION
- ALL STAFF FULLY VACCINATED
- ADMISSION FORM AND BROCHURE AVAILABLE AT SCHOOL RECEPTION
- CONTACT FOR ADMISSION ON ALL WORKING DAYS BETWEEN 8.00 AM TO 2.30 PM

ADMISSION OPEN FOR SESSION 2022-23

NOTE:- REQUIRE PGT-TGT, PRT TEACHERS AND OTHER SCHOOL STAFF

ADD WEST KRISHNA VIHAR, MAIN KHAIRA ROAD, NAJAFGARH, SW DELHI 110043

CONTACT NO:- 9643440008, 9810076452

ख़ास ख़बर

यूक्रेन से तनाव के बीच मिसाइल ड्रिल करने जा रहा है रूस, बढ़ी टेंशन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/देश-विदेश/शिव कुमार यादव। यूक्रेन के साथ जारी तनाव के बीच सैनिक अभ्यास के बाद अब रूस मिसाइल ड्रिल करने जा रहा है। यही नहीं खुद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी इस ड्रिल को देखने पहुंचेंगे। जिससे एक बार फिर टेंशन बढ़ गई हैं। समाचार एजेंसियों ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन रूसी रणनीतिक ताकतों से जुड़े सैन्य अभ्यास की देखरेख करेंगे, जिसमें बैलिस्टिक और करूज मिसाइल लॉन्च भी शामिल होंगे। समाचार एजेंसियों ने रूसी रक्षा मंत्रालय द्वारा दिए गए एक बयान के हवाले से कहा, 19 फरवरी, 2022 को रूस के सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर-इन-चीफ, व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व में, रणनीतिक निरोध बलों का एक नियोजित अभ्यास आयोजित किया जाएगा, जिसके दौरान बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों को लॉन्च किया जाएगा। रूस की एयरोस्पेस फोर्सेज और स्ट्रेटेजिक रॉकेट फोर्सेज उस सैन्य अभ्यास में हिस्सा लेंगे, जिसे सेना ने रणनीतिक निरोध अभ्यास के रूप में बताया है। रूस की ग्राउंड फोर्सेज का साउदर्न डिस्ट्रिक्ट मिसाइल प्रक्षेपण में नौसेना के उत्तरी और काला सागर बेड़े में शामिल होगा। राज्य द्वारा संचालित जै समाचार एजेंसी ने रक्षा मंत्रालय का हवाला देते हुए कहा कि युद्धाभ्यास पहले से योजनाबद्ध था। ये सैन्य अभ्यास ऐसे समय में होने जा रहा है जब रूस और पश्चिम के बीच तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा। यूक्रेन की सीमा के पास रूसी सैनिकों के जमावड़े ने आशंका जताई है कि मास्को पश्चिम में अपने पड़ोसी पर हमला कर सकता है। हालांकि रूस ऐसी किसी भी योजना से इनकार करता आ रहा है।

पाकिस्तान में नवाज शरीफ की बढ़ रही पॉपुलैरिटी, रेटिंग में इमरान खान को पीछे छोड़ा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/पाकिस्तान/शिव कुमार यादव। पाकिस्तान में भले ही इमरान खान की सरकार हो लेकिन कुछ प्रांतों में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का जलवा कायम है। एक सर्वे के अनुसार, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सुप्रीमो नवाज शरीफ प्रधानमंत्री इमरान खान की तुलना में देश के कई प्रांतों में लोकप्रियता रेटिंग में आगे चल रहे हैं। पंजाब में 58 फीसदी, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में 46 फीसदी और सिंध प्रांत में 51 फीसदी की लोकप्रियता के साथ नवाज शरीफ इमरान खान के साथ आगे चल रहे हैं। द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार, प्रधानमंत्री इमरान खान ने खैबर पख्तूनख्वा में 46 प्रतिशत और सिंध व पंजाब में 33 प्रतिशत के साथ लोकप्रियता में गिरावट देखी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये 22 दिसंबर से 31 जनवरी 2022 तक किए गए रिसर्च कंपनी गैलप पाकिस्तान के ओपिनियन सर्वे के निष्कर्ष थे, जिसमें पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ, पीएम इमरान खान, पीएमएलएन अध्यक्ष शहबाज शरीफ और पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी की लोकप्रियता के बारे में देश भर से 5,000 लोगों के विचार मांगे गए थे। वर्तमान सर्वे में, केपी में नवाज शरीफ को 46 फीसदी, पीएम इमरान खान के लिए 44 फीसदी, शहबाज शरीफ 43 फीसदी, बिलावल भुट्टो और आसिफ जरदारी को केपी में 24 फीसदी लोगों का समर्थन मिला।

कर्नाटक हिजाब विवाद में -6वें दिन भी सुनवाई रही जारी, 1985 से कॉलेज में चल रही यूनिफॉर्म, एचसी में बोली राज्य सरकार

इस्लाम का हिस्सा नही हिजाब, इस्लाम की अनिवार्य धार्मिक प्रथा नहीं- कर्नाटक सरकार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

कर्नाटक/शिव कुमार यादव। कर्नाटक हिजाब विवाद पर हाईकोर्ट का क्या फैसला आता है, इस पर 6वें दिन की सुनवाई जारी है। लेकिन अभी तक यह सस्पेंस बरकरार है कि इस मामले में फैसला कब तक होगा। हालांकि अपनी दलील के दौरान एटॉर्नी जनरल प्रभुलिंग नवदगी ने कोर्ट में कहा कि हम यह मानते हैं कि हिजाब इस्लाम की अनिवार्य धार्मिक प्रथा नहीं है। राज्य सरकार ने आदेश दिया है कि छात्रों को कॉलेजों द्वारा निर्धारित यूनिफॉर्म पहननी चाहिए जिसका कानून 1985 से चल रहा है। राज्य सरकार धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहती। इसके पहले कलबुर्गी में कांग्रेस नेता मुकर्रम खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। कांग्रेस नेता के खिलाफ प्च्ब् की धारा 153 (।), 298 और 295 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वायरल वीडियो में मुकर्रम खान यह कहते हुए दिखाई दे रहे थे कि हिजाब का विरोध करने वालों को टुकड़ों में काट दिया जाएगा। हमारी जाति (धर्म) को चोट मत पहुंचाओ, सभी जातियां समान हैं। आप कुछ भी पहन सकते हैं, आपको कौन रोकेगा? इससे पहले गुरुवार को मामले पर सुनवाई हुई, लेकिन किसी तरह का फैसला नहीं आ सका। गुरुवार को सुनवाई के दौरान 5 छात्राओं के वकील एएम डार ने कोर्ट के सामने ये दलील रखी की कि सरकार के आदेश से उन लोगों पर असर पड़ेगा जो हिजाब पहनते हैं। यह असंवैधानिक है। इसके बाद कोर्ट ने डार से मौजूदा याचिका वापस लेकर नई याचिका लगाने कहा। शुक्रवार को कोर्ट बाकी बची 7 याचिकाओं के आधार पर सुनवाई कर रहा है। हिजाब को लेकर लगाई गई एक अन्य याचिका में डॉ. कुलकर्णी ने कोर्ट के सामने कहा कि कृपया शुक्रवार और रमजान के दौरान हिजाब पहनने की अनुमति दें। 5वें दिन की सुनवाई के बीच नई याचिकाएं आने पर चीफ जस्टिस ने याचिकर्ताओं से कहा कि हम चार याचिकाएं सुन चुके हैं, 4 बाकी हैं। हमें नहीं पता कि आप इसके लिए और कितना टाइम लेंगे। हम इसके लिए और ज्यादा समय नहीं दे सकते। बेंच ने एडवोकेट रहमतुल्लाह कोतवाल की याचिका, जनहित याचिका अधिनियम 2018 के तहत न होने के कारण खारिज कर दी। इसके पहले वकील ने बिना पहचान बताए ही दलील शुरू की तो जस्टिस दीक्षित ने उनसे पूछा कि आप इतने महत्वपूर्ण और गंभीर मामले में कोर्ट का समय बर्बाद कर रहे हैं, पेजिनेशन ठीक नहीं है, पहले अपनी पहचान बताओ, तुम हो कौन? कर्नाटक के हुबली-धारवाड़ में स्कूल-कॉलेज के आसपास धारा 144 को 28 फरवरी तक बढ़ा दिया गया है। तत्काल प्रभाव से लागू किए जाने के साथ 200 मीटर के दायरे में किसी भी तरह का प्रदर्शन बैन रहेगा है। उधर दूसरी तरफ कर्नाटक बेलागवी में प्राइवेट कॉलेज के सामने कुछ लड़कों ने हिजाब पहने हुए मुस्लिम छात्राओं को क्लास में बैठने की अनुमति देने की मांग की। उन्होंने अल्लाह हू अकबर के नारे लगाए। उनमें से कुछ पुलिस ने अरेस्ट कर लिया।

यूपी सरकार लौटायेगी सीएए के नुकसान की वसूली राशि

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

यूपी/शिव कुमार यादव। सुप्रीम कोर्ट द्वारा सीएए के तहत अब तक की गई वसूली को लौटाने (रिफंड) के आदेश यूपी सरकार को दिए हैं। जिसके तहत उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के विरोध में प्रदर्शन करने वालों के विरुद्ध शुरू की गई समस्त कार्रवाई और भरपाई के लिए जारी नोटिस वापस ले लिए हैं। हालांकि शीर्ष कोर्ट ने यूपी सरकार को नए कानून के तहत कार्रवाई करने की आजादी दे दी है। यूपी में 2019 में हुए सीएए विरोध प्रदर्शन में सरकारी व निजी सम्पतियों के नुकसान की वसूली के लिए भेजे गए सभी 274 नोटिस और कार्यवाहियों को वापस लिया गया है। उप्र सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया कि सीएए विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हुए नुकसान की भरपाई के इन नोटिसों को 13 और 14 फरवरी को वापस लिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने रिफंड के निर्देश एक याचिका की सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में यूपी सरकार द्वारा जारी वसूली के नोटिसों को खारिज करने की मांग की गई थी। यूपी में सीएए विरोधी प्रदर्शन के दौरान संपत्तियों को

नोटिस

- सरकार ने नुकसान की भरपाई के 274 नोटिस लिए वापस, नये कानून पर कार्यवाही करने की आजादी

नुकसान पहुंचाने के कारण राज्य सरकार ने प्रदर्शनकारियों से उसकी भरपाई का फैसला किया था। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड व जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि यूपी सरकार प्रदर्शनकारियों से वसूली गई करोड़ों रुपये की राशि लौटाए। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने यूपी सरकार को सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ नए कानून 'उत्तर प्रदेश सार्वजनिक और निजी संपत्ति के नुकसान की वसूली अधिनियम' के तहत कार्यवाही की आजादी दे दी। यह कानून 31 अगस्त 2020 को अधिसूचित किया गया था। पीठ ने अतिरिक्त महाविधक्ता गरिमा प्रसाद की यह दलील मानने से इनकार कर दिया कि वसूल राशि के रिफंड की बजाए प्रदर्शनकारियों व राज्य सरकार को इसके लिए ट्रिब्यूनल में जाने को कहा जाना चाहिए।

कुमार विश्वास के आरोप पर केजरीवाल का पलटवार

10 साल से सिक्योरिटी क्या कर रही थी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कवि और आप के पूर्व नेता कुमार विश्वास के आरोपों पर पहली बार चुप्पी तोड़ते हुए पलटवार किया और कुमार विश्वास पर कहा कि वह तो हास्य कवि है कुछ भी कह देते हैं लेकिन देश के पीएम मोदी सर व राहुल गांधी ने भी इसे गंभीरता से ले लिया। इसे देखकर लगता है कि पंजाब में सभी पार्टिया आम आदमी पार्टी से डर गई है और इस तरह की उल्टी हरकते कर रही हैं। उन्होने उल्टा सवाल किया कि आखिर 10 साल से सिक्योरिटी क्या कर रही थी।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'मोदी जी, प्रियंका गांधी, राहुल गांधी सभी कह रहे हैं कि पिछले 10 साल से केजरीवाल देश के 2 टुकड़े करने की योजना बना रहा है और एक टुकड़े का प्रधानमंत्री बनना चाहता है. ये हो सकता है क्या? यह तो मजाक है, इसका मतलब है कि मैं बहुत बड़ा आतंकवादी हो गया. 10 साल में 3 साल कांग्रेस सरकार थी, 7 साल से भाजपा सरकार है. इतने सालों में इन्होंने मुझे गिरफ्तार क्यों नहीं किया. इनकी सिक्योरिटी एजेंसी क्या कर रही थी और ये लोग सो रहे थे क्या.।

दिल्ली के सीएम ने चुटकी लेते हुए कहा कि 'शायद मैं दुनिया का सबसे स्वीट आतंकवादी हूं, जो सड़कें, स्कूल और अस्पताल बनवाता है. फ्री बिजली देता है। उन्होंने कहा, 'इसका एक सिक्वेंस है, पहले राहुल गांधी ने बोला फिर प्रधानमंत्री, प्रियंका गांधी, सुखबीर बादल. लोग आज कह रहे हैं कि ऐसा नहीं सोचा था कि प्रधानमंत्री भी राहुल गांधी की नकल करेंगे।' अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'आज पंजाब विधान सभा चुनाव के लिए प्रचार का अखिरी दिन है। यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। 70 साल से सभी पार्टियों ने पंजाब को लूटा है और बच्चों को बेरोजगार किया है।' उन्होंने आगे कहा, 'कहते हैं पंजाब पर 3 लाख करोड़ का कर्जा है। इन्होंने कहा कि जब इन लोगों ने स्कूल नहीं बनाया, अस्पताल नहीं बनाए, कॉलेज नहीं बनाए, काम नहीं किया, तो ये पैसा कहां गया? दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, 'पंजाब विधान सभा चुनाव में अबकी बार एक अच्छी पार्टी आई है। आम आदमी पार्टी से डरके सारे

पलटवार

- कहा- 'मैं दुनिया का सबसे स्वीट आतंकवादी', खालिस्तान के समर्थन पर कही ये बात

भ्रष्टाचारी इकट्ठा हो गए हैं। कांग्रेस, भाजपा, अकाली दल सब पिछले कुछ दिनों से मिलकर आम आदमी पार्टी को हराने में लग गए हैं। सब एक ही भाषा बोल रहे हैं और हमें गालियां दे रहे हैं।'

केजरीवाल ने कहा, 'पिछले कुछ दिनों सर मोदी जी, राहुल गांधी, कैप्टन अमरिंदर सिंह. चरणजीत सिंह चन्नी और सुखबीर सिंह बादल सब इकट्ठे हो गए हैं। ये भगवंत मान को सीएम बनने से रोकना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा लगता है कि सभी रात में बैठकर कॉन्फ्रेंस कॉल करते हैं कि एक ही भाषा बोलनी है। ये लोग एक-दूसरे के खिलाफ नहीं बोलते, सिर्फ हमें गालियां देते हैं।' सीएम केजरीवाल ने कहा, 'हम यही तो कह रहे हैं कि दिल्ली में अच्छे स्कूल और अस्पताल बनाए। हमारी सरकार बनी तो पंजाब में भी बनाएंगे। दिल्ली में 10 लाख लोगों को रोजगार दिया है। यहां ईमानदार सरकार लाएंगे। पूरा सिस्टम हमारे खिलाफ खड़ा है। क्या पंजाब के 3 करोड़ पंजाबी इकट्ठे नहीं हो सकते। हमें पूरे सिस्टम को हराना है। चाहे वो किसी भी पार्टी के हों. इस बार ईमानदार पंजाब के लिए वोट डालो।'

बीजेपी सांसद ने ओवैसी को लेकर दिया चौंकाने वाला बयान, बताया भगवान श्रीराम का वंशज

बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने ओवैसी को बताया क्षत्रिय, कहा वो ईरान वाले नहीं

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

यूपी/शिव कुमार यादव। जैसे-जैसे यूपी के चुनाव आगे बढ़ रहे है वैसे-वैसे राजनेताओं के बयानों का दौर भी तेज हो गया है। भारतीय कुश्ती संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैसरगंज के बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने आज गोंडा में ओवैसी को अपना पुराना मित्र बताकर सभी को चौंका दिया। उन्होंने कहा कि ओवैसी क्षत्रिय है और भगवान श्रीराम के वंशज हैं, वो ईरान वाले नही है। जानकारी के मुताबिक, बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह अपने बेटे और बीजेपी प्रत्याशी प्रतीक भूषण सिंह के समर्थन में जनसभा में पहुंचे थे। उन्होंने मंच से विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर प्रतीक जीत करके जाएंगे तो वो गरीब के लिए काम करेंगे और मोदी के बगल में खड़े होंगे और दूसरा कोई जीतकर जाएगा तो जिन्ना की विचारधारा के बीच खड़ा होगा। हिजाब मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 'कुछ लोग हिजाब लेकर आ गए, ये लोग कहते हैं कि ये हमारा धर्म है, मजहब है ठीक है लेकिन हमारे जैन संप्रदाय के लोग हैं जो वस्त्र नहीं पहनते हैं, नागा संप्रदाय के लोग हैं जो वस्त्र नहीं पहनते लेकिन वह समाज के लिए पहनते हैं, तन ढक कर रखते हैं वो भी थोड़ा कुछ ना कुछ जरूर पहनते हैं। सबकी अपनी मर्यादा होती है।' उन्होंने इशारे में बताते हुए कहा कि 'अगर वो हिजाब बांधने को अडिग हैं तो कल हमारे बच्चे ये कह दें कि हम जैन संप्रदाय से हैं हम नंगे जाएंगे, तो क्या करोगे. इसलिए देश का ध्यान भटकाने के लिए, मोदी जी के द्वारा शुरू किए गए काम को कैसे रोका जाए इसके लिए रोज नए नए मामले लेकर आ जाते हैं।' वही उन्होने वंशवाद के मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि 'मोतीलाल का लड़का जवाहरलाल, जवाहरलाल के बाद इंदिरा गांधी, इंदिरा गांधी के बाद संजय गांधी, संजय गांधी के बाद राजीव गांधी, राजीव गांधी के बाद सोनिया गांधी, सोनिया गांधी के बाद राहुल गांधी, राहुल गांधी का अभी खाता नही खुला है इसलिए आगे नहीं बढ़ पाया। यही हाल मुलायम परिवार का है। यही हाल लालू परिवार का है। ठाकरे परिवार का है यही हाल, पासवान परिवार का भी यही हाल है। भाजपा को छोड़ सभी पार्टियों का यही हाल है। ये देश सेवा नही परिवार सेवा कर रहे हैं। ओवैसी का झगड़ा अखिलेश यादव से है. क्योंकि अखिलेश मुसलमान का वोट चाहते तो हैं। खुलकर के मुसलमानों को यह क्रेडिट नहीं देना चाहते, मुसलमान नेताओं को बैठाना नहीं चाहते हैं और अखिलेश तैयार नहीं है। अखिलेश एक नंबर का धोखेबाज है, बाप को धोखा दे दिया, चाचा को धोखा दे दिया., धोखा देना उसका काम है। स्वामी प्रसाद मौर्या को भी धोखा दे दिया। स्वामी प्रसाद मौर्या भी लुट गए। उनको कुछ मिला नहीं 20-30 सीट के वादों को लेकर गए थे। ओवैसी की लड़ाई और अखिलेश की लड़ाई इसलिए है कि मुस्लिम की लीडरशिप किसके हाथों होनी चाहिए। बीजेपी सांसद ने ओवैसी को अपना मित्र बताते हुए कहा जहां तक भी जानकारी है वो पुराना छत्रिय है, वो भगवान राम का ही वंशज है, ईरान वाला नहीं है। वही आज हो रहे मतदान के मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि रालोद और पालोद सब चुनाव के बाद खत्म, मुसलमान इस बार अंतिम बार सपा के साथ है।

पूरी दिल्ली में धमाकों को अंजाम देने के लिए तैयार किए थे आईईडी- दिल्ली पुलिस

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना का कहना है कि गुरुवार को सीमापुरी के एक घर और पिछले महीने गाजीपुर बाजार में मिले आईईडी शहर भर में सार्वजनिक स्थानों पर विस्फोट करने के इरादे से तैयार किए गए थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय समर्थन के बिना ऐसी गतिविधियां संभव नहीं हैं। वहीं, पुरानी सीमापुरी इलाके में आईईडी युक्त बैग मिलने के एक दिन बाद पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है और वहां अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया है। 2.5 से 3 किलोग्राम वजनी इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) को बाद में डिफ्यूज कर दिया गया। पुलिस घर के मालिक और एक प्रॉपर्टी डीलर से पूछताछ कर रही है। शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए राकेश अस्थाना ने कहा कि 17 जनवरी को गाजीपुर में और कल जो आईईडी बरामद किया गया है वो एक समान है। जांच के मुताबिक इन आईईडी को सार्वजनिक स्थानों पर विस्फोट करने के इरादे से तैयार किया गया था। स्थानीय समर्थन के बिना ऐसी गतिविधियां संभव नहीं हैं। उन्होंने कहा कि स्पेशल सेल और अन्य टीमें मामले की जांच कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली में इस तरह की हर घटना को रोकने की कोशिश कर रहे हैं साथ ही साथ किसी भी स्थानीय और विदेशी नेटवर्क को बेनकाब करने की कोशिश की जा रही है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि संदिग्ध बैग मिलने के बाद करीब 400 लोगों को आसपास की इमारतों से खाली करा लिया गया था। हमने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। बैरिकेड्स लगा दिए हैं और घर को सील कर दिया है। घटनास्थल को संरक्षित किया गया है। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस ने गणतंत्र दिवस से पहले सुरक्षा उपायों के तहत क्षेत्र में किराएदारों का सत्यापन भी किया था। स्थानीय पुलिस द्वारा एक स्थानीय जांच भी की गई है।

चुनाव कहां फंस रहा पेंच

पंजाब में किसान मोर्चा और डेरा सच्चा सौदा ने बढ़ाई पार्टियों की चिंता

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

पूर्वी दिल्ली/शिव कुमार यादव। पंजाब विधानसभा चुनाव में इस बार हर सीट पर मुकाबला तिकोना या चतुष्कोणीय होने के कारण सभी दलों की बेचैनी बढ़ती जा रही है। राज्य विधानसभा की कुल 117 सीटें हैं, जिन पर मतदान 20 फरवरी को होना है और 10 मार्च को मतगणना होगी। इसी बीच अब डेरा सच्चा सौदा व किसान मोर्चा पर आकर सबकी नजरें डट गई है। लेकिन डेरा सच्चा सौदा व संयुक्त किसान मोर्चा के रवैये ने अब राजनीतिक पार्टियों की चिंता बढ़ा दी है। पंजाब में लगभग अधिकांश सीटों पर इस बार मुकाबला कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और अकाली दल के बीच है तथा भारतीय जनता पार्टी तथा उसकी सहयोगी दल भी या तो कुछ सीटों पर टक्कर देने की स्थिति में है या वोट काटने की लेकिन मुख्य टक्कर आप पार्टी तथा कांग्रेस के बीच दिखाई देती है। इस बार चुनावी परिदृश्य बिलकुल बदला हुआ है। कहीं अकाली दल कांग्रेस से सीधे टक्कर में है या आप और कांग्रेस और कहीं भाजपा गठबंधन और कांग्रेस। इस बार किसानों के संयुक्त किसान मोर्चा ने भी चुनाव में अपनी उपस्थिति दर्ज की है। ऐसे हालात में सभी मुख्य दलों को वोट कटने की चिंता सता रही है। इस बार कांग्रेस मुख्य उम्मीदवारों में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार चरनजीत चन्नी दो सीटों भदौर तथा चमकौर साहिब से चुनाव मैदान में हैं। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू अमृतसर (पूर्व) सीट से किस्मत आजमा रहे हैं। इस सीट पर पहले पांच साल उनकी पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू और पिछले पांच साल नवजोत सिंह सिद्धू ने प्रतिनिधित्व किया, लेकिन उनकी जीत को खतरे में डालने की हुंकार भरते हुए अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया अपनी सीट मजीठा अपनी पत्नी को सिद्धू के खिलाफ मुकाबले आ डटे हैं और धुआंधार प्रचार में जुटे हैं। सिद्धू की उन्होंने ऐसी घेराबंदी की है जो वो सीट तक सीमित रह गए हैं। वहीं, उप-मुख्यमंत्री ओपी सोनी अमृतसर सेंट्रल, उप-मुख्यमंत्री सुखजिंदर रंधावा डेरा बाबा नानक सीट से चुनाव मैदान में हैं। इस बार जो बात कांग्रेस के खिलाफ जा रही है, वह पार्टी की अंतर्कलह है जो अब तक धधक रही है।

नवजोत सिंह सिद्धू ने चन्नी, रंधावा, तृप्त राजिंदर बाजवा सहित कुछ मंत्रियों और विधायकों के साथ मिलकर आलाकमान से कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटवाया और उसके बाद मुख्यमंत्री बनने की मुहिम में पिछड़ गए। चन्नी को कमान मिलने से आपसी कलह तेज हो गई है और मतभेद सतह पर आ गये हैं। अब तक सिद्धू के अपनी सरकार को निशाने पर रखने के कारण पार्टी की छवि तो धूमिल हुई हो या नहीं लेकिन लोग उन्हें अच्छी तरह पहचान गए। यह तो 10 मार्च को मतगणना से पता चलेगा किसको कितना नुकसान या फायदा हुआ।

ब्लेजर ड्रेस में पाएं स्टाइलिश लुक

10

हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष : 12, अंक : 35, पृष्ठ : 12 | नई दिल्ली 01 मार्च से 15 मार्च 2022 | RNI NO. DELHIN/ 2009 28409 | मूल्य :- ₹5/

विश्व कप ट्रॉफी के साथ अपनी लंबी यात्रा का अंत ...

11

खास खबर

किसान नाराज हैं, भाजपा के लिए यूपी में चुनाव जीतना कठिन होगा

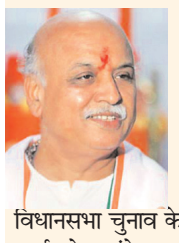

नागपुर। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए उत्तर प्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव जीतना कठिन होगा क्योंकि वहां

किसान व्यथित और नाराज हैं। उत्तर प्रदेश में सात चरणों में हो रहे विधानसभा चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आएंगे। महाराष्ट्र के नागपुर में तोगड़िया ने संवाददाताओं से कहा कि किसान मुआवजे के साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी का इंतजार कर रहे हैं जबकि भाजपा नीत केंद्र सरकार ने दोनों पर ही कदम नहीं बढ़ाया है।

फिल्म लेखक और समीक्षक जयप्रकाश चौक्से का निधन

इंदौर। फिल्म लेखक और समीक्षक जयप्रकाश चौकसे का इंदौर में दिल का दौरा पड़ने से

82 वर्ष की उम्र में बुधवार को निधन हो गया। वह फेफड़ों के कैंसर से जूझ रहे थे।जयप्रकाश चौकसे ने शायद (1979), कत्ल (1986) और बॉडीगार्ड (2011) सरीखी हिन्दी फिल्मों की पटकथा तथा संवाद लिखे थे। चौकसे ने हिन्दी अखबार दैनिक भास्कर में लगातार 26 साल परदे के पीछे के शीर्षक से रोजाना स्तंभ लिखा जिसमें वह फिल्म संसार के अलग-अलग पहलुओं पर बात करते थे।

वसुंधरा राजे की कार दुर्घटनाग्रस्त

जयपुर। जयपुर के विद्याधर नगर थाना क्षेत्र में बुधवार शाम राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इससे पूर्व मुख्यमंत्री की कार का एक दरवाजा क्षतिग्रस्त हो गया लेकिन कार में सवार राजे को कोई चोट नहीं लगी। यह जानकारी पुलिस ने दी।

रूस-यूक्रेन संकट- कोई कर रहा फ्लाइट में बैठने का इंतजार

ग्रेटर नोएडा।यूक्रेन में फंसे ग्रेटर नोएडा के कई छात्र विपरीत परिस्थितियों के बीच रहकर स्वदेश वापसी के लिए मेहनत कर रहे हैं। ग्रेटर नोएडा के तुगलपुर में रहने वाले हितेंद्र चेची पौलेंड एयरपोर्ट से फ्लाइट मिल गई है, जबकि अस्तौली में रहने वाली सगी बहनें अलग-अलग बॉर्डर पर फ्लाइट का इंतजार कर रही है। साथ ही कई छात्र अभी बार्डर और शेल्टर होम में रहकर फ्लाइट के लिए लिस्ट में अपने नाम इंतजार कर रहे हैं।

कांग्रेस की मांग

यूक्रेन से छात्रों को लाने में सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को वापस लाने के संदर्भ में अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि सरकार को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और ठोस कदम उठाना चाहिए। मुख्य विपक्षी पार्टी ने अपनी मांग को लेकर स्पीकअप फॉर अवर स्टूडेंट्स हैशटैग से सोशल मीडिया अभियान चलाया और सरकार से आग्रह किया कि वह अपनी विस्तृत रणनीति का खुलासा करे।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, और त्रासदी ना हो, इसके लिए केंद्र सरकार को बताना होगा कि अब तक कितने छात्रों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है? कितने अभी भी यूक्रेन में फंसे हुए हैं? हर क्षेत्र के लिए विस्तृत निकासी योजना क्या है? उन्होंने कहा, इन परिवारों को एक स्पष्ट रणनीति बताना हमारी ज़िम्मेदारी है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि जब यूक्रेन में भारतीय छात्र बमों और मिसाइलों की जद में हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं।

उन्होंने ट्वीट किया छात्रों के समर्थन में कांग्रेस सोशल मीडिया अभियान के तहत पार्टी महासचिव अविनाश पांडे ने ट्वीट किया, मैं यूक्रेन में मारे गए छात्र को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पिछली सरकार कुवैत-लेबनान आदि से ऐसी स्थिति में विदेशी कूटनीति के उच्च मानक स्थापित कर लोगों को वापस लाई। मैं सरकार से अपील करता हूं कि भारतीयों को यूक्रेन से सकुशल वापस लाया जाए।

पीएम अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे

उन्होंने ट्वीट किया, जब यूक्रेन में हज़ारों बच्चे बमों और मिसाईलों के प्रहार के दायरे में हैं...तब उनका (मोदी का) आनंद चुनाव प्रचार में है ? कई दिनों से बंकरों में भूखे प्यासे, खुले आसमान के नीचे बर्फ़बारी में, भीषण बमबारी में फँसे हज़ारों बच्चों की ज़िन्दगी ख़तरे में क्यों है मोदी जी? कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के माध्यम से कहा, प्रधानमंत्री अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे हैं- कोरोना काल में भी और युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को बचाने में भी। प्रधानमंत्री जी, प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी निभाइए, भाजपा के प्रचारमंत्री की नहीं। भारतीय छात्रों को रोका जा रहा है, भारतीय छात्र भयावह परिस्थितियों से गुजर रहे हैं। भाजपा की कूटनीतिक नाकामी के कारण हमारे सभी छात्रों की सकुशल वापसी सुनिश्चित नहीं हो पाई है।

दुनिया में बन रही नई व्यवस्थाओं में...

भारत का आत्मनिर्भर होना आवश्यक: मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि दुनिया में बन रही नई व्यवस्थाओं को देखते हुए भारत का आत्मनिर्भर होना बहुत आवश्यक है। उन्होंने संचार के क्षेत्र में विदेशों पर निर्भरता को भी कम से कम करने का आह्वान किया। प्रौद्योगिकी-सक्षम विकास पर बजट-पश्चात एक वेबिनार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार के आम बजट में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए जो प्रावधान किए गए हैं, वह बहुत महत्वपूर्ण हैं और इनका तेजी से क्रियान्वयन बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी सिर्फ एक अलग क्षेत्र नहीं है क्योंकि यह डिजिटल अर्थव्यवस्था से जुड़ा और आधुनिक प्रौद्योगिकी पर आधारित है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी नागरिकों को सशक्त करने और देश को आत्मनिर्भर बनाने का प्रमुख आधार है। उन्होंने कहा कि आज ही अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने एक भाषण में अमेरिका को आत्मनिर्भर बनाने की बात कही और उन्होंने भी मेड इन अमेरिका पर बहुत जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा, इसलिए हम जानते हैं कि दुनिया में जो नई व्यवस्थाएं बन रही है, उसमें हमारे लिए भी बहुत आवश्यक है कि हम आत्मनिर्भर बनें। इस बजट में उन चीजों पर बल दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने संचार के क्षेत्र में विदेशों पर निर्भरता को भी कम करने का आह्वान किया और कहा कि देश का अपना मजबूत डेटा सुरक्षा ढांचा बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि संचार के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकी लाने के लिए देश को अपने प्रयासों को और अधिक गति देने की जरूरत है।विदेशों पर निर्भरता कम से कम हो और संचार के संबंध में सुरक्षा के नए-नए दृष्टिकोण उसमें जुड़ते चले जाएं। मोदी ने बजट में रेखांकित किए जाने वाले कृत्रिम बौद्धिकता, जियो-स्पेशल प्रणालियां, ड्रोन, सेमी-कंडक्टर, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, जीनोमिक्स, औषधि-विज्ञान और 5-जी सम्बंधी स्वच्छ प्रौद्योगिकी जैसे उदीयमान क्षेत्रों का उल्लेख किया।

बजट में 5-जी स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए एक स्पष्ट खाका दिया है

मोदी ने बजट में रेखांकित किए जाने वाले कृत्रिम बौद्धिकता, जियो-स्पेशल प्रणालियां, ड्रोन, सेमी-कंडक्टर, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, जीनोमिक्स, औषधि-विज्ञान और 5-जी सम्बंधी स्वच्छ प्रौद्योगिकी जैसे उदीयमान क्षेत्रों का उल्लेख किया और कहा कि बजट में 5-जी स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए एक स्पष्ट खाका दिया गया है और मजबूत 5-जी इको-सिस्टम से जुड़े डिजाइन-आधारित निर्माण के लिए उत्पादनयुक्त प्रोत्साहन योजनाओं का प्रस्ताव किया गया है। गेमिंग के बढ़ते विश्व बाजार का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट में एनीमेशन विजुअल इफेक्ट्स गेमिंग कॉमिक (एवीजीसी) पर ध्यान दिया गया है।

बुखारेस्ट से 1,200 भारतीयों को वापस लाएंगे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

युद्धग्रस्त यूक्रेन से निकलकर रोमानिया पहुंचे 1,200 से अधिक भारतीय छात्रों को बुधवार को बुखारेस्ट से छह उड़ानों के जरिए स्वदेश वापस लाया जाएगा।भारत यूक्रेन से सटे रोमानिया, हंगरी और पोलैंड जैसे देशों से विशेष उड़ानों के जरिए भारतीय नागरिकों को वापस लाने में जुटा है। बुखारेस्ट में मौजूद केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उन्होंने बुधवार को रोमानिया के प्रधानमंत्री निकोले सिउका से मुलाकात की और यूक्रेन में फंसे भारतीयों की निकासी सुनिश्चित करने के वास्ते रोमानिया में प्रवेश देने के लिए उनकी सरकार का आभार जताया। सिंधिया ने ट्वीट कर कहा कि रोमानिया के प्रधानमंत्री ने सीमा पार करके आने वाले

भारतीय छात्रों की हरसंभव मदद जारी रखने का आश्वासन दिया है। हम आज बुखारेस्ट, रोमानिया से छह उड़ानों के जरिए।,200 भारतीय छात्रों को वापस भारत ला रहे हैं। उन्होंने भारतीयों के निकासी अभियान में सरकार के साथ मिलकर काम करने को लेकर एअर इंडिया, एअर इंडिया एक्सप्रेस और इंडिगो का आभार जताया। बुखारेस्ट में सिंधिया ने बुधवार को इस देश में कार्यरत उन भारतीय कंपनियों के प्रमुखों के साथ बैठक की जोकि रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद युद्धग्रस्त देश में फंसे भारतीयों को निकालने के अभियान में जुटी हैं।

हरियाणा: छात्रों के लिए मुंबई हवाई अड्डे पर हेल्पडेस्क खोली

गुरुग्राम। मुंबई हवाई अड्डे पर हरियाणा सरकार की एक हेल्प डेस्क यूक्रेन से लौटने वालों को दिल्ली के रास्ते राज्य में उनके घरों तक पहुंचाने में मदद कर रही है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया है, हम यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार के लगातार संपर्क में हैं कि हरियाणा के सभी छात्र सुरक्षित वापस लौट आएं। उनकी हर संभव मदद की जाएगी। दिल्ली हवाई अड्डे पर भी हरियाणा सरकार की हेल्प डेस्क छात्रों की मदद कर रही है।

अमेरिकी पाबंदी से बेअसर रहेगी वायुसेना

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वायु सेना उप प्रमुख एयर मार्शल संदीप सिंह ने बुधवार को कहा कि रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारतीय वायु सेना (आईएएफ) पर खास प्रभाव नहीं पड़ेगा और भारत के दोनों देशों के साथ संबंध मजबूत हैं।हालांकि उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना को रूस से भारत को रक्षा उपकरणों के लिए कल-पुर्जे प्राप्त करने में एक या दो महीने के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। लगभग 70 प्रतिशत भारतीय रक्षा उपकरण रूस के हैं। रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन के खिलाफ सैन्य हमला शुरू किया था। अमेरिका समेत पश्चिमी देशों ने इस हमले के बाद रूस पर कड़े आर्थिक एवं अन्य प्रतिबंध लगाए गए हैं। सिंह ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम जानते हैं कि (इस समय) भू-राजनीतिक स्थिति कठिन है... रूस के साथ हमारे संबंध बरकरार रहेंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारतीय वायु सेना पर कोई असर पड़ेगा।

रूस-अमेरिका के साथ हमारे संबंध मजबूत : संदीप सिंह

यह पूछे जाने पर कि क्या रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारतीय वायु सेना पर कोई असर पड़ेगा, सिंह ने कहा, चीजें अभी सामने आ रही हैं। हमारी स्थिति बहुत मजबूत हैं और दोनों देशों के साथ हमारे संबंध (मजबूत) रहे हैं और आपने यह देखा है। उन्होंने कहा, हम स्थिति का आकलन कर रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि कुछ मुश्किलें होंगी, लेकिन मुझे लगता है कि इनसे हम पर बहुत असर नहीं पड़ना चाहिए। मुझे भरोसा है कि इसके कारण हम पर खास असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना कलपुर्जों और उपकरणों के शत-प्रतिशत स्वदेशीकरण का लक्ष्य लेकर चल रही है।

दूतावास ने भारतीयों को खारकीव छोड़ने की सलाह दी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रूस के सैन्य अभियान से बुरी तरह प्रभावित पूर्वी यूरोपीय देश यूक्रेन में स्थित भारतीय दूतावास ने छात्रों सहित अपने नागरिकों को बुधवार को सलाह दी कि अपनी रक्षा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वे तुरंत खारकीव छोड़ दें और जल्द से जल्द पेसोचिन, बाबाए और बेजलीयुदोव्का पहुंचें। भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, हर परिस्थिति में वे इन स्थानों पर आज यूक्रेन के समय के अनुसार छह बजे (1800) तक पहुंच जाएं। दूतावास ने कहा कि खारकीव में सभी

भारतीयों के लिए महत्वपूर्ण परामर्श है कि वे अपनी रक्षा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल खारकीव छोड़ दें और जल्द से जल्द पेसोचिन, बाबाए और बेजलीयुदोव्का पहुंचें। यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने यह परामर्श ऐसे समय में दिया है जब यूक्रेन पर रूस के हमले के कारण इस पूर्वी यूरोपीय देश में हालात अत्यधिक खराब हो गए हैं।

खासतौर पर खारकीव पर हमले तेज होने की खबरें आ रही हैं। यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में क्षेत्रीय पुलिस और खुफिया मुख्यालय पर हुए हमले का एक वीडियो ऑनलाइन प्रसारित हो रहा है, जिसमें दिख रहा है कि एक इमारत की छत विस्फोट से उड़ गई और उसकी ऊपरी मंजिल पर आग लग गई है। भारत ने यूक्रेन में फंसे अपने नागरिकों को देश वापस लाने के लिए ऑपरेशन गंगा अभियान शुरू किया है। इसके तहत भारतीयों को जमीनी सीमा चौकियों के जरिए यूक्रेन से निकलने के बाद हंगरी, रोमानिया, पोलैंड और स्लोवाकिया से हवाई मार्ग से स्वदेश लाया जा रहा है।

यूएनईए में भारत का प्रतिनिधित्व करने नैरोबी पहुंचे पर्यावरण मंत्री

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव पांचवीं संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (यूएनईए) के विशेष सत्र में भाग लेने के लिए बुधवार को नैरोबी पहुंचे। यूएनईए सोमवार को शुरू हुई थी और चार मार्च को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम स्थापना की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए पर्यावरण सभा के एक विशेष सत्र के साथ समाप्त होगी। यादव ने ट्वीट किया,संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा के विशेष सत्र में भाग लेने के लिए नैरोबी पहुंचा।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल प्राकृतिक दुनिया को बचाने और बहाल करने के लिए बहुपक्षीय पर्यावरणीय प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लेगा, जिस पर हमारी अर्थव्यवस्थाएं निर्भर हैं।पर्यावरण सचिव लीना नंदन ने मंगलवार को यूएनईए में भारत का राष्ट्रीय बयान पेश किया था।

श्रृंगला आज परामर्श समिति को दे सकते हैं जानकारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

युद्धग्रस्त यूक्रेन से भारतीय नागरिकों को वापस लाने के सरकार के प्रयास जारी रहने के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर बृहस्पतिवार को अपने मंत्रालय की परामर्श समिति को स्थिति की जानकारी दे सकते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस समिति में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य दलों के सांसद, सदस्य हैं। एक सांसद ने बुधवार को बताया कि 21 सदस्ईय विदेश मंत्रालय की परामर्श समिति की बैठक के दौरान यूक्रेन पर रूसी हमले

और भारतीयों की निकासी सहित कई विषयों पर चर्चा किए जाने की उम्मीद है। विदेश मंत्री के अलावा इस बैठक में विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला के भी हिस्सा लेने और सदस्यों को विषय की जानकारी देने की उम्मीद है। इसमें कांग्रेस नेता आनंद शर्मा, शशि थरूर आदि शामिल हैं। इस समिति का मुख्य उद्देश्य सरकार के कार्यक्रमों, नीतियों एवं उनके अनुपालन के बारे में मंत्रियों, सांसदों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के बीच अनौपचारिक चर्चा करने का मंच प्रदान करना है। गौरतलब है कि सोमवार को श्रृंगला ने विदेश मामलों पर संसद की स्थाई समिति को यूक्रेन से भारतीयों को वापस लाने संबंधी आपरेशन गंगा के बारे में जानकारी दी थी।

बंगाल के चुनावी परिदृश्य में वामपंथ कर रहा वापसी : माकपा

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में नगर निकाय चुनाव में व्यापक धांधली के आरोपों के बीच वाम मोर्चे द्वारा 107 निकायों में से एक पर जीत हासिल किए जाने के बाद मार्क्ससवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता सुजन चक्रवर्ती ने बुधवार को कहा कि राज्य में वामपंथी दलों की वापसी हो रही है। चक्रवर्ती ने दावा किया कि राज्य में भाजपा का वोट प्रतिशत घट रहा है जहां उसे 2018 के पंचायत चुनावों के बाद से महत्वपूर्ण लाभ मिला था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वाम दल, जो राज्य के चुनावी परिदृश्य में लगभग महत्वहीन हो गए थे, फिर से खोई जमीन हासिल कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस समय वाम दलों का न तो संसद और न ही विधानसभा में कोई सदस्य है। वाम मोर्चे ने नदिया जिले में ताहेरपुर नगर निकाय में जीत दर्ज की। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस ने 100 से अधिक नगर निकायों में जीत हासिल की।

यूक्रेन में राजस्थान के 1008 नागरिक फंसे, 207 लौटे : राज्य सरकार

एजेंसी ■ जयपुर

युद्धग्रस्त यूक्रेन देश में राजस्थान के 1008 नागरिकों के फंसे होने की जानकारी राजस्थान सरकार के पास है जिनमें से 207 लोग अब तक वापस आ चुके हैं। इनमें से अधिकांश वहां पढ़ने गए विद्यार्थी हैं। राज्य सरकार की ओर से उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने बुधवार को राज्य विधानसभा में यह जानकारी दी। इस मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव पर हुई चर्चा में सरकार की ओर से जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि यूक्रेन में फंसे राजस्थानी नागरिकों व छात्र-छात्राओं सकुशल वापस लाने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, राजस्थान सरकार यूक्रेन में फंसे राजस्थानी नागरिकों व छात्र-छात्राओं को सकुशल वापस लाने के सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इस काम के लिए राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष धीरज श्रीवास्तव को नोडल अधिकारी बनाया गया है। अधिकारी विदेश मंत्रालय व यूक्रेन में भारत के दूतावास के लगातार संपर्क में हैं ताकि राजस्थान वासी सुरक्षित वापस लौट सकें।

यूक्रेन से लौटी सहारनपुर की छात्रा ने कहा

अब सायरन की आवाज से डर लगने लगा है...

एजेंसी ■ शाहजहांपुर

यूक्रेन से वापस शाहजहांपुर आई मेडिकल की एक छात्रा ने बताया कि उसे सायरन की आवाज से काफी डर लगने लगा है और उसने अपने देश वापस आने की तो आस ही छोड़ दी थी। यूक्रेन के विन्नित्सिया शहर में रहकर एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाली अंशिका ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि उसने तो आस ही छोड़ दी थी कि वह अब कभी अपने देश भारत वापस आ पाएगी, अपने माता-पिता के सीने से लग पाएगी क्योंकि स्थितियां इतनी जटिल थीं कि साथ रह रहे बच्चे ही एक दूसरे को ढांढस बंधा कर एकदूसरे का दर्द बांट रहे थे।

अंशिका बताती हैं कि 26 फरवरी को वह विन्नित्सिया से चेर्नित्सि के लिए 50 बच्चों के समूह के साथ बस से निकलीं और 10 घंटे के सफर के बाद रात में वहां पहुंच गईं। उन्होंने बताया कि इसके बाद रात में ही छह किलोमीटर पैदल चलकर बच्चों का यह समूह रोमानिया की सीमा की ओर चल दिया। उन्होंने बताया कि रातभर खौफ का माहौल था और गोली चलने की आवाज बच्चों को

भयभीत कर रही थी। उन्होंने बताया कि बच्चे जब पैदल रोमानिया सीमा की ओर जा रहे थे तब वे प्रार्थना कर रहे थे कि वे इस स्थिति से निकल सकें। उन्होंने बताया कि उस दौरान भूख कोसों दूर थी केवल सीमा पहुंचने के बाद यूक्रेन से निकलने की जल्दबाजी थी। उन्होंने बताया कि रास्ते में कई बच्चे गिर पड़े, कई को चोट लग गई और जब चल नहीं पाए तो एकदूसरे के सहारे से सीमा पर पहुंचे।

अंशिका कहती है कि सीमा पर पहुंचकर हम लोग थक गए थे, परंतु वहां खड़े अधिकारी टर्नोफिल तथा इवानो (यूक्रेन के शहर) से आए बच्चों को पहले सीमा पार करा रहे थे। उन्होंने कहा कि इसी बीच बच्चों को पंक्ति में खड़ा किया गया, तभी पीछे से आए धक्के में बच्चे गिर गए जिसमें एक लड़की घायल भी हो गई।

ख़ास ख़बर

पूर्वी दिल्ली में आप की निगम पार्षद रिश्वत लेते गिरफ्तार, सीबीआई ने रंगे हाथों पकड़ा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/पूर्वी दिल्ली/शिव कुमार यादव। पूर्वी दिल्ली के वार्ड नंबर 217/10-ई वेस्ट विनोद नगर की आम आदमी पार्टी की निगम पार्षद ी गीता रावत को सीबीआई ने 20 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह पैसा उसने एक बिचौलियें की मार्फत लिया था। उसे भी सीबीआई ने पकड़ लिया है। 20 हजार की रिश्वतखोरी के मामले में आम आदमी पार्टी की काउंसलर को सीबीआई ने

दिल्ली से किया गिरफ्तार। सीबीआई के मुताबिक, गीता रावत छत बनवाने के एवज में पीड़ित से 20 हजार की डिमांड कर रही थीं। पीड़ित ने सीबीआई से इसकी शिकायत दी, जिसके बाद सीबीआई ने ट्रेप लगाकर पहले एक बिचौलियों को गिरफ्तार किया जिसको पीड़ित ने 20 हजार रुपए दिए थे। ये बिचौलिया काउंसलर के दफ्तर के बाहर एक रेहड़ी लगाता है। सीबीआई के मुताबिक घूस का ये पैसा गीता रावत को बिचौलिये के जरिये पहुंचना था। हालांकि, अभी सर्च जारी है। मूंगफली वाले सनाउल्लाह के पिता को इस बात का पता चला कि उनके बेटे को किसी ने पकड़ रखा है, तो वह दौड़ के निगम पार्षद के ऑफिस पर गए। वहां जब उन्होंने पूछा कि आपने मेरी बेटे को क्यों पकड़ा है? तो उन्होंने कहा कि हम सीबीआई वाले हैं, अभी आपको पता चल जाएगा कि हमने आपके बेटे को क्यों पकड़ा है? उसके पिता को पता चला कि निगम पार्षद गीता रावत रिश्वत के पैसे सनाउल्लाह के जरिए निगम पार्षद गीता रावत के पास जाते थे। सीबीआई ने नोटों पर कलर लगाकर मूंगफली वाले को पैसे दिए, वही पैसे जब गीता रावत को देने गया तो सीबीआई ने रंगे हाथों पकड़ा और नोटों की तलाशी ली गई तो वही नोट बरामद किए गए। सीबीआई ने सनाउल्लाह और निगम पार्षद गीता रावत को अपने साथ सीबीआई ऑफिस ले गई है और पूछताछ की जा रही है।

यूपी में महिलाओं को लेकर कांग्रेस का विश्व महिला दिवस पर बड़ा प्लान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/लखनऊ/भावना शर्मा। यूपी चुनावों के दौरान लगातार कांग्रेस अपने एजेंडे पर चलती नजर आ रही है। प्रियंका गांधी के प्रदेश महिलाओं को आगे लाने के ऐलान के बाद तो कांग्रेस महिलामयी हो गई है। अब कांग्रेस ने यूपी में महिलाओं को लेकर एक प्लान तैयार किया है।

जिसके तहत कांग्रेस 21 फरवरी को स भ ी विधानसभाओं में शक्ति यात्रा करेगी। पार्टी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च के मौके पर लखनऊ में एक लाख महिलाओं के मार्च का आयोजन करेगी। कांग्रेस प्रवक्ता संजय सिंह ने बताया कि 21 फरवरी को सुबह 11.30 बजे सभी 403 विधानसभाओं में शक्ति यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। हर विधानसभा क्षेत्र की 10 उन महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा, जिनका सामाजिक व महिला उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान रहा हो। ये यात्राएं सभी विधानसभाओं में एक ही समय पर होंगी। शक्ति यात्रा में दो किलोमीटर लंबे रूट मैप में करीब एक हजार महिलाओं की भागीदारी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें पुरुष भी इसमें शामिल होंगे लेकिन महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। महिलाओं के उत्साह, दृढ़ता और सशक्तिकरण को प्रदर्शित करने के लिए महिलाओं के हाथ में गुलाबी रंग का 50-100 मीटर का एक विशाल झंडा होगा।

दिल्ली के 240 स्कूलों को मिले 12,430 स्मार्ट क्लासरूम, केजरीवाल ने दिया छात्रों को तोहफा

दिल्ली में हो रही शिक्षा क्रांति - केजरीवाल, देश अब और भ्रष्टाचार नही सहेगा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को रजोकरी के राजकीय कन्या विद्यालय से राजधानी के 240 सरकारी स्कूलों में करीब 12,430 नए स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन किया। इस दौरान डिप्टी सीएम और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया और दिल्ली के गृह मंत्री सत्येंद्र जैन भी मौजूद रहे। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पिछले 7 वर्षों में कुल 20,000 क्लासरूम का निर्माण किया है। इस अवधि में सभी राज्य सरकारें और केंद्र सरकार संयुक्त रूप से 20,000 क्लासरूम स्थापित नहीं कर सकी हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. बीआर अंबेडकर का सपना था कि हर छात्र को बेहतरीन शिक्षा मिले। दुर्भाग्य से आजादी के 75 साल बाद भी उनका सपना अन्य राज्यों में साकार नहीं हो सका। मुझे खुशी है कि उनके सपने कम से कम दिल्ली में सच होने लगे हैं। केजरीवाल ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से देश के कई बड़े नेता केजरीवाल को आतंकवादी कहते रहे हैं, जिससे मुझे हंसी आती है, जिस व्यक्ति को वे आतंकवादी कह रहे हैं, वह आज देश को 12,430 क्लासरूम समर्पित कर रहा है। उन्होंने कहा कि नेताओं को स्कूलों के अलावा किसी चीज का डर नहीं है। अच्छे स्कूल बनेंगे तो नेताओं को जाति और धर्म के नाम पर वोट नहीं मिलेंगे। ये स्कूल पक्के देशभक्त पैदा करेंगे। हम स्कूल नहीं बना रहे हैं, हम देशभक्त बनाने के लिए कारखाने लगा रहे हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा पंजाब में विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले इतनी बड़ी तादाद में स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन 'आप' के लिए फायदेमंद हो सकता है। आम आदमी पार्टी पंजाब में चुनाव लड़ रही है। केजरीवाल ने शनिवार को दावा किया कि सभी भ्रष्ट लोग आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ एकजुट हो गए हैं और कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों में 12,430 आधुनिक कक्षाओं के उद्घाटन से ऐसे लोगों को करारा जवाब मिलेगा। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि देश इन भ्रष्ट लोगों के आगे नहीं झुकेगा और आगे बढ़ेगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, ''देश के सारे भ्रष्टाचारी हमारे खिलाफ इकट्ठे हो गए हैं। आज हम दिल्ली के स्कूलों में 12,430 अत्याधुनिक क्लासरूम (कक्षाएं) शुरू करके उनको करारा जवाब देंगे। ये देश इन भ्रष्टाचारियों के सामने नहीं झुकेगा। अब देश ने ठान ली है। अब देश आगे बढ़ेगा। बाबा साहिब और भगत सिंह के सपने पूरे होंगे।'' मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के स्कूलों की शिक्षा शानदार होने के कारण इस साल बड़े-बड़े प्राइवेट स्कूलों के तीन लाख 70 हजार बच्चों ने सरकारी स्कूलों में दाखिला लिया है, इससे यहां शिक्षा में क्रांति आ रही है। केजरीवाल ने कहा कि देश के प्राइवेट स्कूलों में ऐसी शानदार व्यवस्था नहीं है जैसी दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों में है। मात्र तीन साल में दिल्ली में 12,430 नए स्मार्ट क्लासरूम बनकर तैयार हुए हैं जो एक रिकॉर्ड है। अगर इन इन क्लासरूम को स्कूलों में तब्दील किया जाए तो 250 स्कूल में जितने कमरे होते हैं उसके बराबर है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली सरकार ने पिछले सात साल में 20 हजार क्लास रूम बनवाए हैं, इसके मुकाबले पूरे देश के सभी सरकारों ने मिलकर भी इतने कमरे नहीं बनाए हैं। उन्होंने कहा हर बच्चे को अच्छी शिक्षि बाबा साहब का सपना था 75 साल बाद उनकी सरकार पूरा कर रही है। गरीब अमीर को बराबर शिक्षा मिले यह भगत सिंह का सपना था, इसे भी दिल्ली सरकार पूरा कर रही है। कुछ पार्टियां उनको आतंकवादी कह रही है, जबकि वही आज 12,430 नए स्मार्ट क्लासरूम बना रहे हैं। ऐसा आतंकवादी, बाबा साहब और भगत सिंह के सपने को पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा कि नेता इसलिए स्कूल बनवाने से डर रहे हैं क्योंकि उनको जात-पात और धर्म के नाम पर वोट लेना है, लेकिन दिल्ली सरकार स्कूलों में देश भक्त बच्चे बना रही है।

टाटा फिर ने फिर दिखाया बड़ा दिल, यूक्रेन से करायेगा भारतीयों की वापसी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। एयर इंडिया की कमान संभालने के बाद अब टाटा ग्रुप ने देशहित में एकबार फिर बड़ा दिल दिखाया है। इस बार टाटा ग्रुप यूक्रेन में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी कराने के लिए सबसे पहले आगे आया है। इसके लिए टाटा ग्रुप 22, 24 और 26 फरवरी को यूक्रेन के लिए स्पेशल फ्लाइट्स ऑपरेट करेगी। रूस और यूक्रेन के बीच टेंशन बढ़ रही है। दोनों पक्ष क्लेम कर रहे हैं कि अटैक नहीं होगा लेकिन अनिश्चिता का माहौल बना हुआ है। शुक्रवार को पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क शहर में एक गाड़ी के अंदर जोरदार धमाका हुआ। इस इलाके में रूस के समर्थन वाले अलगावावादियों का कब्जा है। इससे टेंशन और बढ़ गई है। इसी बात को देखते हुए एयर इंडिया ने यूक्रेन में रह रहे ऐसे भारतीयों के लिए अगले सप्ताह फ्लाइट ऑपरेट करने का यह फैसला किया है।

फ्लाइट का संचालन कीव से नई दिल्ली के बीच किया जाएगा। अगर कोई व्यक्ति भारत आना चाहता है तो एयर इंडिया या मान्यता प्राप्त ट्रेवल एजेंसी के जरिए टिकट बुक करा सकता है। यह फैसला टाटा समूह द्वारा लिया गया है क्योंकि एयर इंडिया की कमान पिछले महीने के आखिर में एक बार फिर टाटा ग्रुप के पास आ गई थी। यह ग्रुप हमेशा से देश के हितों को आगे रखने के लिए जाना जाता है। देश में किसी भी तरह की आपदा आने पर यह ग्रुप सबसे पहले सामने आता है। यूक्रेन संकट के समय भी समूह ने अपने इस गुण को बरकरार.रखा है।

दिल्ली के सीएम केजरीवाल के खिलाफ होगी जांच, गृहमंत्री अमित शाह ने दिये संकेत

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। हाल ही में कुमार विश्वास द्वारा सीएम केजरीवाल पर लगाये गये आरोपों व एसएफजे से मदद लेने के आरोप में घिरे सीएम केजरीवाल की मुश्किले बढ़ती नजर आ रही हैं। सीएम चन्नी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस मामले में जांच करने का अनुरोध किया था। जिसे देखते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने इस मामले में जांच कराने का आश्वासन दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी को आश्वासन दिया है कि वह आम आदमी पार्टी के खालिस्तान समर्थक संगठन सिख फॉर जस्टिस के साथ कथित संबंधों के आरोपों की जांच कराएंगे। दरअसल सीएम चन्नी ने शुक्रवार को गृह मंत्री से ये मांग की थी.गृहमंत्री अमित शाह ने ब्ड चन्नी पत्र लिखकर ये दावा किया है। अमित शाह ने कहा,'एक राजनीतिक पार्टी का देश विरोधी, अलगाववादी और प्रतिबंधित संस्था से संपर्क रखना और चुनाव में सहयोग प्राप्त करना देश की अखंडता के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर है। इस प्रकार के तत्वों का एजेंडा देश के दुश्मनों के एजेंडे से अलग नहीं है। यह अत्यंत निंदनीय है कि सत्ता पाने के लिए ऐसे लोग अलगाववादियों से हाथ मिलाने से लेकर पंजाब और देश को तोड़ने की सीमा तक जा सकते हैं। बता दें इससे पहले सीएम चन्नी ने ट्वीट के जरिए लिखा था, पंजाब के सीएम के रूप में, मैं प्रधानमंत्री पीएम नरेंद्र मोदी से अनुरोध करता हूं कि हाल ही में कुमार विश्वास ने जो कहा है, इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही कहा कि राजनीति एक तरफ, पंजाब के लोगों ने अलगावाद से लड़ते हुए भारी कीमत चुकाई है। पीएम को हर पंजाबी की चिंता दूर करने की जरूरत है।' अपने दावे के समर्थन में सीएम चन्नी ने सिखों के न्याय के कानूनी सलाहकार गुरपतवंत सिंह पन्नू का एक पत्र संलग्न किया था। सीएम चन्नी ने कहा, 'इसका उल्लेख बाद में किया गया था कि एसएफजे ने 2017 में राज्य विधानसभा के चुनाव में 'आप' को समर्थन दिया था और इसी तरह इन चुनावों में भी एसएफजे ने मतदाताओं से आम आदमी पार्टी (आप) को वोट देने का आह्वान किया था। अपने पत्र में चरणजीत सिंह चन्नी ने आप के पूर्व नेता कुमार विश्वास द्वारा अरविंद केजरीवाल पर लगाए गए आरोपों का भी जिक्र किया। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के इस पत्र के बाद अब केंद्र सरकार ने भी कुमार विश्वास द्वारा 'आप' पर लगाए गए आरोपों की जांच कराने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा, भारत सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया है और वह व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करेंगे कि मामले को विस्तार से देखा जाए। दरअसल, आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता और कवि कुमार विश्वास ने हाल ही में दावा किया कि अरविंद केजरीवाल ने उनसे कहा था कि एक दिन या तो वह पंजाब के मुख्यमंत्री बनेंगे या एक स्वतंत्र राष्ट्र (खालिस्तान) के पहले प्रधानमंत्री बनेंगे। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, कुमार कवि विश्वास के हालिया बयान के बाद उन्हें सशस्त्र सुरक्षा की पेशकश की जा सकती है।

मामला

अमित शाह ने कहा,'एक राजनीतिक पार्टी का देश विरोधी, अलगाववादी और प्रतिबंधित संस्था से संपर्क रखना और चुनाव में सहयोग प्राप्त करना देश की अखंडता के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर है। इस प्रकार के तत्वों का एजेंडा देश के दुश्मनों के एजेंडे से अलग नहीं है।

द्वारका के मधुविहार वार्ड वासियों को मिला चार मंजिला आधुनिक सामुदायिक केंद्र

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

उद्घाटन

केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने शनिवार को दक्षिणी दिल्ली के पांच सामुदायिक केंद्रों का ऑनलाइन किया उद्घाटन

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। शनिवार को केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने दक्षिणी दिल्ली के पांच सामुदायिक केंद्रों का ऑनलाइन उद्घाटन कर जनता को समर्पित किये। इस मौके पर द्वारका सेक्टर दो में स्थित मधु विहार वार्ड में चार मंजिला आधुनिक सामुदायिक केंद्र भी जनता को समर्पित किया गया है। सामुदायिक केंद्र के उद्घाटन समारोह का आयोजन पूर्व पार्षद पवन राठी ने किया। यहां बता दें कि दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा इस सामुदायिक केंद्र का निर्माण किया गया है जिसमें सभी आधुनिक सुविधाऐं मौजूद है। उद्घाटन समारोह में अतिथि के तौर यहां निगम पार्षद ममता धामा मौजूद रहीं। कार्यक्रम में वार्ड के गणमान्य व्यक्तियों के अलावा विभिन्न कालोनियों के प्रधान व दिल्ली विकास प्राधिकरण के अभियंता मौजूद रहे। इस मौके पर अपने संबोधन में कार्यकारी अभियंता अरुण कुमार ने कहा कि बहुत दिनों से इलाके के लोगों के मांग थी सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों के लिए सामुदायिक केंद्र बनाया जाए। दिल्ली विकस प्राधिकरण ने स्थानीय सांसद रमेश विधूड़ी के मार्गदर्शन में साढ़े सात करोड़ की लागत से चार मंजिला भवन बनकर तैयार कर दिया है। पांच सौ 12 वर्ग मीटर में यह चार मंजिला सामुदायिक केंद्र बनाया गया है। इसमें लोगों की सुविधा के लिए बेसमेंट और लिफ्ट भी है। 65 गाड़ियों की पार्किंग की व्यवस्था है।

यहां पर पहले और दूसरे तल को वातानुकूलित बनाया गया। अब आस पास के लोगो को अपने कार्यक्रमों के लिए कहीं दूर नही जाना पड़ेगा। आगे भी इसमें सुधार और विस्तार की जरुरत पड़ी तो दिल्ली विकास प्राधिकरण इसके लिए भी तैयार है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण सामुदायिक केंद्र के आस पास की टूटी सड़कों और फुटपाथों को दस दिन के भीतर दुरुस्त करा दिया जाएगा। इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। इसके अलावा मधु विहार में फुट ओवर ब्रिज बनाया जा रहा है, दो तीन माह के भीतर इसे भी बनाकर तैयार कर दिया जाएगा। इस मौके पर पूर्व निगम पार्षद पवन राठी ने कहा कि सांसद रमेश विधुड़ी समय समय पर आकर सामुदायिक केंद्र का निरीक्षण करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सामुदायिक केंद्र के शुरू होने पर लोगों को सड़कों पर और गलियों में टेंट डालकर शादी ब्याह और अन्य कोई कार्यक्रम करने के जरूरत नहीं पड़ेगी। बैंक्वेट हॉल बुकिंग पर अतिरिक्त खर्च वहन करने की अब मजबूरी नहीं रहेगी। इस मौके पर मधुविहार वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान रणवीर सौलंकी का पवन राठी ने सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और उनका सम्मान किया। वहीं समारोह में पधारे सभी लोगों ने हरदीप पुरी द्वारा ऑनलाईन किये गये उद्घाटन का सीधा प्रसारण भी देखा।

पंजाब के सीएम मुश्किल में, चुनाव प्रचार मामले में हुआ केस दर्ज

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

पंजाब/भावना शर्मा। पंजाब में विधानसभा के लिए 20 फरवरी को मतदान होना है जिसके तहत कल शुक्रवार शाम को चुनाव प्रचार समाप्त हो गया लेकिन चुनाव प्रचार की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी राज्य के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी मनसा जिले में चुनाव प्रचार करते रहे। जिसके खिलाफ आम आदमी पार्टी ने चुनाव आयोग को इसकी शिकायत दी जिसपर चन्नी के खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन करने का मामला दर्ज कराया गया है। चन्नी के अलावा सिद्धू मूसेवाला के नाम से चर्चित कांग्रेस उम्मीदवार शुभदीप सिंह पर भी केस हुआ है। आम आदमी पार्टी की ओर से चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया गया। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस उम्मीदवार शुभदीप सिंह दोनों शुक्रवार शाम छह बजे चुनाव प्रचार की समय सीमा के बाद प्रचार करते पाए गए. सिटी-1 मानसा पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा विधिवत आदेश की अवज्ञा) के तहत मामला दर्ज किया गया है। चन्नी शुक्रवार शाम सिद्धू मूसेवाला के घर-घर जाकर प्रचार करने के लिए मानसा पहुंचे। थाने में दर्ज पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के अनुसार, मानसा से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार डॉक्टर विजय सिंगला ने चुनाव पर्यवेक्षक सीके यादव को एक शिकायत सौंपी, जिसमें आरोप लगाया गया कि कांग्रेस नेताओं ने प्रचार अवधि खत्म होने के बाद चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए चुनाव प्रचार किया था।

चुनाव सिंधवानी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा पारदर्शी तरीके से अपने उम्मीदवारों का चयन किया है

दिल्ली में निगम चुनावों में मजबूती के साथ उतरेगी कांग्रेस- महेश सिंधवानी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाने वाले कांग्रेसी नेता व कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव महेश सिंधवानी ने शनिवार को दिल्ली में होने जा रहे निगम चुनावों पर अपने विचार रखेते हुए कहा कि निगम चुनावों में इसबार कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होने कहा कि उम्मीदवारों को लेकर कांग्रेस हमेशा ही सतर्क रही है और साफ छवि व ईमानदार कार्यकर्ताओं का कांग्रेस ने हमेशा सम्मान किया है। इस बार भी कांग्रेस की इसी पर प्राथमिकता रहेगी। सिंधवानी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा पारदर्शी तरीके से अपने उम्मीदवारों का चयन किया है और उन्हे पक्का विश्वास है कि इसबार कांग्रेस निगम चुनावों में अच्छा प्रदर्शन कर सत्तासीन होगी। हालांकि पिछले चुनावों में कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन नही कर पाई थी और उसे निगम में मात्र 30 सीटे ही मिली थी। इस पर उन्होने कहा कि हार-जीत तो चलती ही रहती है लेकिन कांग्रेस ने कभी अपने उसुलों से समझौता नही किया है। हमारा एकमात्र ध्येय सिर्फ जनसेवा है और दिल्ली का चहुमुखी विकास करना है। उन्होने मौका परस्त नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि यह वही कांग्रेस है जिसमे ये दलबदल नेता शान से काम करते थे लेकिन अब उनको सीट के लिए भी हाथ फैलाने पड़ रहे है। अबकि बार नजफगढ़ विधानसभा में कांग्रेस की क्या तैयारी है के सवाल पर उन्होने कहा कि इस बार हम मजबूती से चुनाव में उतरेंगे। हमारा ध्येय नजफगढ़ विधानसभा की 5 सीटे जीतने का है और जिला संगठन ने अपनी पूरी तैयारी कर ली है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह नजफगढ़ वार्ड से चुनाव लड़ेंगे तो उन्होने कहा कि हम पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता है पार्टी जो भी आदेश करेगी उसका पालन होगा। अगर पार्टी चुनाव लड़ने के लिए कहेगी तो हम तैयार है। यहां बता दें कि महेश सिंधवानी नजफगढ़ क्षेत्र में कांग्रेस के निष्ठावान व ईमानदार कार्यकर्ता व पदाधिकारी है।

उन्होने अध्यक्ष राजबीर डबास के साथ नजफगढ़ मंडल के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी से लेकर 2007 में प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त सचिव, 2009 में सचिव व मटियाला के चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में अपनी सेवाऐं कांग्रेस को दी है। आज अपनी स्वच्छ छवि व बेबाक अंदाज के कारण नजफगढ़ की जनता में काफी चर्चित भी रहे है। इसके साथ ही उन्होने अपनी सामाजिक जिम्मेदारियां भी बड़ी ईमानदारी से निभाई है। 2011 में झंग बिरादरी सनातन धर्मसभा के अध्यक्ष बने और बिरादरी, मंदिर व गुरूद्वारें में सेवाकार्य किये।

ख़ास ख़बर

नेपाल में अमेरिका से करार पर बवाल, सड़कों पर उग्र प्रदर्शन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/काठमांडो/शिव कुमार यादव। नेपाल में देउवा सरकार ने भारी विरोध के बीच रविवार को 50 करोड़ डॉलर का मिलेनियम कॉर्पोरेशन चैलेंज (एमसीसी) समझौता पुष्टि के लिए संसद में पेश किया। समझौते के विरोध में संसद में जमकर हंगामा हुआ। वहीं संसद के बाहर काठमांडो में भी चीन समर्थक दलों ने उग्र प्रदर्शन किया और भीड़ ने पुलिस पर भी पथराव किया। प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया, जिससे कई लोग घायल हुए हैं। सरकार के भीतर भी समझौते का विरोध है। सत्तारूढ़ गठजोड़ के घटक सीपीएन-माओवादी सेंटर के मुखिया पुष्प कमल दहल विरोध में हैं। संसद में पेश करने से पहले पीएम शेर बहादुर देउबा दहल और सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट के प्रमुख माधव कुमार ने आम सहमति से पुष्टि का फैसला लिया था। पक्ष व विपक्ष के सांसदों की तरफ से समझौते के खिलाफ बोलने के बाद स्पीकर अग्नि सपकोटा ने सत्र 24 फरवरी तक स्थगित कर दिया। चीन समर्थक दल इस समझौते का यह कहते हुए विरोध कर रहे हैं कि समझौता राष्ट्रीय हित में नहीं है, इससे नेपाल की सुरक्षा और संप्रभुता प्रभावित होगी। इसके अलावा इस समझौते की आड़ में अमेरिका नेपाल का इस्तेमाल चीन के खिलाफ कर सकता है। वहीं, संसद के बाहर चीन समर्थक वाम दलों ने अमेरिका व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ज्ञानेंद्र राणा के खिलाफ नारे लगाए, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। 50 करोड़ डॉलर के इस समझौते पर 2017 में हस्ताक्षर हुए थे। इसके तहत भारत और नेपाल के बीच बिजली की ट्रांसमिशन लाइनों के जरिये नेपाल में विद्युत आपूर्ति बढ़ाकर और नेपाल की 300 किलोमीटर सड़कों को बेहतर बनाकर व्यापार को बढ़ावा दिया जाएगा।

ड्रैगन के कर्ज में फंसे श्रीलंका को अब भारत से उम्मीद, 2.50 करोड़ डालर की मिली मदद

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/देश-विदेश/शिव कुमार यादव। चीन के कर्ज जाल में फंसा श्रीलंका अब भारत से नजदीकियां बढ़ा रहा है। भारत ने भी इस संकट की घड़ी में पड़ोसी धर्म निभाते हुए श्रीलंका की 2.50 करोड़ डालर की मदद की है। जिससे श्रीलंका को काफी बड़ी राहत मिली है। हालांकि इससे पहले श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे और पीएम महिंदा राजपक्षे कई वर्ष से चीन को श्रीलंका का सबसे अहम दोस्त साबित करने में जुटे थे और चीन ने श्रीलंका को 4.50 अरब डॉलर का कर्ज भी दिया था। लेकिन कर्ज न चुका पाने की हालत में 17 जनवरी को श्रीलंका आए चीन के विदेश मंत्री वांग यी से गोतबाया ने कर्ज माफ करने की गुहार लगाई थी। चीनी विदेश मंत्री ने बहुत चतुराई से राष्ट्रपति के अनुरोध को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि श्रीलंका इन अस्थायी कठिनाइयों को जल्द दूर करने में सफल होगा। जिससे श्रीलंका की हालत खराब हो गई। हालांकि, चीन ने कर्ज के पुनर्गठन पर विचार का आश्वासन दिया था। बहरहाल, फिच रेटिंग्स और मूडीज ने श्रीलंका की क्रेडिट रेटिंग को डाउनग्रेड कर दिया है, जिससे श्रीलंका की वैश्विक कर्जदाताओं से कर्ज लेने की क्षमता बदतर हो गई है। विदेशी मुद्रा भंडार खाली होने से कुछ हफ्तों से श्रीलंका ईंधन सहित जरूरी वस्तुओं के आयात नहीं कर पा रहा है। हाल में श्रीलंका के विदेश मंत्री जीएल पेइरिस ने भारत का दौरा कर मदद की गुहार लगाई, जिसके बाद भारत ने श्रीलंका को 2.40 अरब डालर की सहायता दी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने पुतिन को दिया वार्ता प्रस्ताव

● बातचीत के जरिए समस्याओं का समाधान निकालने के दिये संकेत

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

काठमांडो/शिव कुमार यादव। अमेरिका की चेतावनी की बावजूद म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में पंहुचे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूसी हमले की बढ़ती आशंकाओं के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बैठक करके समस्याओं के समाधान की पेशकश कर दी है। वहीं जेलेंस्की ने निराशा व्यक्त की कि वैश्विक सुरक्षा ढांचा तबाह हो चुका है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, जर्मनी और तुर्की से यूक्रेन की रक्षा की गारंटी देने का आग्रह किया। जेलेंस्की ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में कहा, नहीं जानता कि रूस के राष्ट्रपति क्या चाहते हैं। इसलिए, उन्हें मुलाकात का प्रस्ताव देता हूं। पहली बार राष्ट्रपति पुतिन को मुलाकात के लिए आमंत्रित करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि रूस वार्ता के लिए स्थान समय तय कर ले। शांतिपूर्ण समाधान के लिए बातचीत जरूरी है। यूक्रेन कूटनीति के रास्ते पर चलता रहेगा। बाइडन ने शनिवार को चेताया था कि पुतिन हमले का फैसला कर चुके हैं और यूक्रेन की राजधानी कीव हमले का पहला निशाना होगी। अमेरिकी चेतावनी के बाद भी कीव छोड़कर सुरक्षा सम्मेलन में शामिल होने म्यूनिख पहुंचे जेलेंस्की ने निराशा व्यक्त की कि वैश्विक सुरक्षा ढांचा तबाह हो चुका है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, जर्मनी और तुर्की से यूक्रेन की रक्षा की गारंटी देने का आग्रह किया। जेलेंस्की ने कहा, आखिर किस बात का इंतजार किया जा रहा है। युद्ध के बाद जब यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्जा हो जाएगा और अर्थव्यवस्था तबाह हो जाएगी, तब रूस पर प्रतिबंध लगाने से क्या हासिल होगा। कोई भी कार्रवाई करने का सही वक्त यही है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन नाटो का हिस्सा बनना चाहता है। लेकिन, नाटो को पूरी ईमानदारी से बताना होगा कि क्या वे वाकई यूक्रेन को शामिल करना चाहते हैं। क्योंकि, नाटो यूक्रेन से कह रहा है कि दरवाजे खुले हैं, लेकिन नाटो के सभी सदस्य नहीं चाहते कि यूक्रेन शामिल हो, तो साफ बताएं, क्योंकि खुले दरवाजों से ज्यादा, खुले जवाबों की जरूरत है। यूक्रेन का दावा है कि लुहान्स्क और दोनेस्क में अलगाववादी गोलाबारी कर रहे हैं। उधर, स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों पक्ष गोलियां, ग्रेनेड और गोले बरसा रहे हैं। शनिवार को स्वित्लोदक में भी गोलाबारी की आवाज सुनाई दी। विशेषज्ञ चिंतित हैं, क्योंकि यहां जहरीली गैसों के टैंक हैं। टैंक हमले की चपेट में आने पर पूरा शहर श्मशान बन जाएगा। यूक्रेनी गोला यूरोप के सबसे बड़े उर्वरक कारखानों में से एक के पास फटा। यहां टैंकों में अमोनिया गैस भरी है। अलगाववादियों ने बताया यूक्रेन ने दोनेस्क में पेयजल आपूर्ति को निशाना बनाया, जिससे लाखों लोगों के लिए पानी की आपूर्ति प्रभावित हो गई।

अब तक दस हजार से ज्यादा लोगों ने रूस में शरण ली है। कुल सात लाख लोगों को निकाला जाना है। रूस ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन के दो गोले रोस्तोव में गिरे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार को व्लादिमीर पुतिन से 105 मिनट बात की। फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक रूस संकट के समाधान पर सहमत है। जल्द ही पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की मुलाकात हो सकती है। एक राजनयिक ने कहा कि बाइडन पुतिन से किसी भी समय मिलने को तैयार हैं।

पांचवे केस में लालू को और पांच साल की कैद व 60 लाख रूपये का जुर्माना

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ रांची/ भावना शर्मा। रांची स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने बहुचर्चित चारा घोटाला से जुड़े एक और मामले में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को 5 साल की सजा सुनाई है और 60 लाख का जुर्माना भी लगाया है। यह मामला डोरंडा कोषागार से अवैध निकासी का है। लालू के वकील ने बताया कि आगे जमानत के लिए अर्जी दी जाएगी। लेकिन जमानत नहीं मिलने तक लालू को जेल में ही रहना पड़ेगा। बता दें कि इस मामले में लालू के साथ 75 आरोपियों को 15 फरवरी को दोषी करार दिया गया था और 24 को रिहा कर दिया गया था। इनमें से 36 को तीन-तीन साल की सजा मुकर्रर की जा चुकी है। वहीं बाकी दोषियों को आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सजा सुनाई जा रही है। सीबीआई ने जांच में कहा था कि ये व्यापक षड्यंत्र का मामला है। इसमें राज्य के नेता, कर्मचारी और व्यापारी सब भागीदार थे। इस मामले में बिहार के एक और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. जगन्नाथ मिश्र समेत राज्य के कई मंत्री गिरफ्तार किए गए थे। इस घोटाले में कई चौंकाने वाले मामले सामने आए। जिसमें पशुओं को फर्जी रूप से स्कूटर और मोटरसाइकिल पर ढोने की कहानी शामिल है। मामला 1990-92 के बीच का है। अफसरों और नेताओं ने फर्जीवाड़ा की नई कहानी ही लिख दी।

हाई स्पीड कॉरीडोर कनेक्टिविटी से जुड़ेगें आईजीआई और जेवर एयरपोर्ट, सफर में लगेगा मात्र 1 घंटा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को ग्रेटर नोएडा के जेवर में बन रहे नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से जोड़ने के लिए 72 किलोमीटर लंबे हाई-स्पीड कॉरिडोर का प्रस्ताव तैयार किया है। यह दूरी एक घंटे में तय की जाएगी। दोनों हवाई अड्डों के बीच मेट्रो कनेक्टिविटी दो चरणों में पूरी की जाएगी। योजना के तहत जेवर और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बीच 13 मेट्रो स्टेशन होंगे। इसके बाद यह कॉरिडोर आईजीआई पहुंचने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन से जोड़ा जाएगा। इसके लिए मौजूदा ट्रैक से अलग ट्रैक बनाया जाएगा, जिस पर हाई स्पीड मेट्रो चलाई जाएगी, जिसकी स्पीड 120 किमी होगी। बता दें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की आधारशिला के बाद निर्माण कार्य शुरू हो गया है। 2024 तक नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को पूरा करने का लक्ष्य है। इस बीच नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को जोड़ने का रास्ता साफ हो गया है। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यिदा) के सीईओ अरुणवीर सिंह ने कहा कि इसके लिए एक यातायात सर्वेक्षण भी किया गया है। दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट और जेवर एयरपोर्ट के बीच करीब 72 किलोमीटर लंबा मेट्रो कॉरिडोर बनेगा, जिस पर करीब 12-13 मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। अरुणवीर सिंह ने कहा कि मेट्रो कॉरिडोर दो चरणों में बनेगा। 35 किलोमीटर लंबा पहला चरण भूमिगत (अंडरग्राउंड) और एलिवेटेड दोनों होगा। इसका नोएडा एयरपोर्ट एक्वा लाइन पर नॉलेज पार्क 2 के पास कनेक्शन होगा। इस कॉरिडोर पर नॉलेज पार्क 2 तक सात स्टेशन होंगे और इंटरचेंज होगा। इसके बाद मेट्रो लिंक के दूसरे चरण का काम शुरू हो जाएगा। दूसरा चरण 37 किमी लंबा होगा और नॉलेज पार्क 2 से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक बनाया जाएगा। यह रूट नोएडा एक्सप्रेस-वे के समानांतर चलेगा।

दिल्ली में बीजेपी तीनों निगमों में करेगी 16346 सफाई कर्मचारी पक्के

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

चुनाव

केजरीवाल के जलबोर्ड के 700 कर्मचारियों के जवाब में खेला बड़ा दांव

नई दिल्ली/भावना शर्मा। दिल्ली नगर निगम के होने वाले चुनावों को देखते हुए आम आदमी पार्टी व भारतीय जनता पार्टी में घमासान मचा हुआ है। दोनों पार्टियां एक-दूसरे को मात देने के लिए अपनी नई-नई चालें चल रही है। प्रदेश भाजपा ने सोमवार को एक बडा दांव खेला है जिसमें तीनों निगमों के 16346 सफाई कर्मचारियों को पक्का करने का ऐलान किया है। राजनीतिक क्षेत्रों में इसे केजरीवाल के जलबोर्ड में 700 कर्मचारियों को पक्का करने का जवाब माना जा रहा है। अप्रैल महीने में होने वाले दिल्ली नगर निगम चुनाव से पहले दिल्ली बीजेपी ने बड़ा चुनावी दांव चला है। सोमवार को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने प्रेस कांफ्रेंस करके कहा कि तीनों निगमों में बीजेपी की सरकारें कुल 16346 कर्मचारियों को पक्का करेंगी। अकेले नॉर्थ एमसीडी में 6646 सफाई कर्मचारियों को पक्का किए जाने के मद्देनजर प्रस्ताव पारित कर दिया गया है। इसकें अलावा 1700 कर्मचारी ईस्ट एमसीडी और 400 कर्मचारी साउथ एमसीडी में भी पक्का किए जाएंगे। पक्का किए जाने वाले सभी कर्मचारियों को जल्द ही कार्यक्रम आयोजित कर सर्टिफिकेट भी दिए जाएंगे। दिल्ली नगर निगम की सभी 272 सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। इससे पहले निगम चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में चल रही आप की दिल्ली सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड में 700 अस्थाई कर्मचारियों को पक्का किया गया है। अब दिल्ली की तीनों नगर निगमों में बीजेपी की सरकार अस्थाई कर्मचारियों को पक्का करने की तैयारी में है। भाजपा प्रदेश आदेश गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित करते हुए जानकारी दी कि जल्द ही तीनों निगमो में बीजेपी की सरकार 16346 कर्मचारियों को पक्का करेगी। नॉर्थ एमसीडी में बीते 5 साल के कार्यकाल में अब तक 975 सफाई कर्मचारियों को पक्का किया जा चुका है। दक्षिण दिल्ली नगर निगम में अब तक 1489 कर्मचारियों को पिछले 5 साल में पक्का किया जा चुका है।

कर्नाटक में हिजाब मामले में बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या, शिवमोगा में तनाव

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

घटना

हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार, शिवमोगा में बवाल के बाद स्कूल-कॉलेज बंद

बेंगलुरू/भावना शर्मा। कर्नाटक के शिवमोगा में बजरंग दल के कार्यकर्ता हर्षा की हत्या के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। उधर, घटना के बाद से राज्य में सियासी बयानबाजी तेज है। वहीं शिवमोगा में तनाव की स्थिति है। इस बीच पूरे क्षेत्र में धारा 144 लागू दी गई है, वहीं स्कूल-कॉलेजों को दो दिन के लिए बंद करने का आदेश जारी किया गया है।

कर्नाटक सरकार में मंत्री ईश्वरप्पा ने कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार के बयान पर टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया कि, बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या में गुंडे शामिल थे। उन्होंने कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार पर गुंडों को उकसाने का आरोप लगाया है। ईश्वरप्पा ने कहा कि, गुंडों ने उसे मार डाला है। यह सब कुछ डीके शिवकुमार के हालिया बयान के कारण हुआ है। उन्होंने कहा था कि, राष्ट्रीय ध्वज की जगह भगवा ध्वज फहराया गया। डीके ने गुंडों को उकसाया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उधर, कांग्रेस नेता शिवकुमार ने कहा है कि, ईश्वरप्पा पागल आदमी हैं। सिद्धारमैया ने कहा है कि उनकी जीभ और दिमाग से कोई संबंध नहीं है। वह बकवास करते हैं। उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए। दरअसल, कांग्रेस नेता शिवकुमार ने हिजाब विवाद को लेकर हुए विवाद के बीच आरोप लगाया थ कि शिवमोगा के एक कॉलेज में तिरंगा उतारकर भगवा ध्वज लगाया गया। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया था। हालांकि, वीडियो में तिरंगा उतारते हुए नहीं दिखाया गया। ईश्वरप्पा ने कहा कि, उनके इसी बयान ने गुंडों को हत्या के लिए उकसाया। इस बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि बजरंग दल के कार्यकर्ता हर्षा की चाकू मारकर हत्या की गई थी। कल रात हुई इस घटना में जांच के दौरान कुछ सुराग मिले हैं, उन्हीं के आधार पर आगे की जांच की जा रही है। शिवमोगा में बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या के बाद तनाव बढ़ गया है। कुछ जगहों पर आगजनी व पत्थरबाजी की भी घटनाएं हुई हैं। इस बीच पूरे क्षेत्र में धारा 144 लागू कर दी गई है। कर्नाटक के गृहमंत्री आरागा ज्ञानेंद्र ने कहा है कि, बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या के पीछे हिजाब विवाद है कि नहीं, इसकी जांच की जा रही है।

भारत के साथ व्यापार समय की जरूरत-पाकिस्तान

● कंगाल पाकिस्तान को आई भारत की याद, बदल गये सुर

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

पाकिस्तान/शिव कुमार यादव। दिन-प्रतिदिन पाकिस्तान के आर्थिक हालात बद से बदतर होते जा रहे है। विदेशों से मिलने वाली मदद का दायरा भी धीरे-धीरे सिकुड़ता जा रहा है। ऐसे में पाकिस्तान को एक बार फिर भातर की याद आई है। कंगाल हो चुके पाकिस्तान ने भारत के साथ व्यापार को समय की जरूरत बताते हुए इसे दौबारा शुरू करने की अपनी मंशा दर्शाई है। पाकिस्तान का यह बयान तब आया है जब पाक पीएम इमरान खान पहली बार रूस दौरे पर जा रहे हैं। यहां बता दें कि कश्मीर धारा 370 हटाने के बाद पाकिस्तान ने भारत से अपने व्यापारिक रिश्ते खत्म कर दिये थे। दरअसल, पाक पीएम के सलाहकार अब्दुल रजाक दाऊद ने व्यापार, निवेश और उत्पादन पर बात करते हुए भारत का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत के साथ व्यापार हर किसी के लिए फायदेमंद है। खासतौर पर यह पाकिस्तान के लिए लाभदायक है। इसलिए इसे तुरंत शुरू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि, मैं भारत के साथ व्यापार शुरू करने के समर्थन में हूं। इससे पहले पाकिस्तान का बयान सामने आया था, कि कश्मीर में धारा 370 शुरू किए जाने तक वह भारत के साथ व्यापार शुरू नहीं करेगा। पाक पीएम इमरान खान का जल्द ही रूस दौरा होने वाला है। इस दौरान उनकी, रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ गैस पाइपलाइन बिछाने को लेकर चर्चा होगी। अब्दुल रजाक भी कह चुके हैं, रूस पाकिस्तान में गैस पाइपलाइन बिछाना चाहता है। दरअसल, रूस व मध्य एशिया के देशों से पाकिस्तान होते हुए गैस पाइपलाइन भारत तक जाती है, तो पाकिस्तान को इसके बदले मोटा पैसा पैसा मिल सकता है, यही कारण है कि अब पाक-भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों को ठीक करना चाहता है। अब्दुल रजाक ने कहा कि मध्य एशिया के देशों के साथ भी व्यापार को शुरू करना चाहिए।

ओलंपिक खाली स्टेडियम, खराब खाना और सख्त क्वारंटीन नियमों ने बिगाड़ा खेल

बड़े-बड़े दांवों के बावजूद चीन में फेल हुआ विंटर ओलंपिक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

बीजिंग/भावना शर्मा। चीन के बड़े-बड़े दांवों के बावजूद बीजिंग विंटर ओलंपिक बुरी तरह से फेल हो गया। हालांकि चीन इसकी सफलता के काफी दांवे कर रहा था लेकिन विंटर ओलंपिक में खाली पड़े स्टेडियमों, खराब खाने व कोरोना के सख्त नियमों ने चीन का पूरा खेल बिगाड़ दिया। हालांकि चीन के विंटर ओलंपिक को लेकर ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों ने मानवाधिकार हनन को लेकर राजनयिक बहिष्कार करना शुरू कर दिया था। बीजिंग विंटर ओलंपिक के जरिए चीन का इरादा अपनी उपलब्धियों का गुणगान दुनियाभर में करना था. लेकिन इस बार विंटर ओलंपिक किसी विनाशकारी विफलता से कम नहीं साबित हुआ है। ओलंपिक में हिस्सा लेने आए खिलाड़ियों को खराब खाना खाने को मजबूर होना पड़ा है। इसके अलावा, उन्हें सख्त कोविड प्रतिबंधों को झेलना पड़ा है। विंटर ओलंपिक की सबसे बड़ी विफलता यह रही कि खिलाड़ियों ने खाली स्टेडियमों में परफॉर्म किया है। इसके लिए माना जा रहा है चीन को डर था कि कहीं कुछ लोग स्टेडियमों में जाकर वहां होने वाले जुल्मों की पोल न खोल दें। विंटर ओलंपिक से पहले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वादा किया था कि चीन ओलंपिक के लिए तैयार है और यह सुरक्षित एवं शानदार तरीके से खेलों का आयोजन करेगा. लेकिन ओलंपिक की शुरुआत से पहले ही ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों ने मानवाधिकार हनन को लेकर इसका राजनयिक बहिष्कार करना शुरू कर दिया था। चीन ने ओलंपिक में भाग ले रहे खिलाड़ियों को चेताया था कि उन्हें खेलों में भाग लेने के दौरान चीन में घट रही उइगर मुस्लिमों की आबादी को लेकर टिप्पणियां नहीं करनी हैं। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि चीन उइगर लोगों का नरसंहार कर रहा है। चीन पर अंतर-संसदीय गठबंधन का समन्वय करने वाले मानवाधिकार प्रचारक ल्यूक डी पुलफोर्ड के अनुसार, ओलंपिक गेम्स विनाशकारी विफलता रहे हैं। उन्होंने टेलिग्राफ में लिखा, 'बीजिंग 2022 विंटर ओलंपिक कितना खराब रहा है। इसे बारे में बात करना ज्यादा मुश्किल नहीं है। ये इतना खराब रहा है कि हैशटैग 'ओलंपिक फ्लॉप और 'जीनोसाइडगेम्स' चल रहे हैं। चीन इस तरह का पीआर नहीं चाहता था।' उन्होंने कहा, 'वास्तव में चीन इसके जरिए विश्व में अपने देश में हुए कार्यों का बखान का प्रोपेगैंडा फैलाना चाहता था। जिसमें वह सफल नही हुआ। ओलंपिक से पहले चीन में लॉकडाउन लागू किया गया। इस वजह से विदेशों दर्शक चीन नहीं पहुंच पाए और स्थानीय लोगों को भी टिकटें नहीं दी गईं। ऐसे में खिलाड़ियों को खाली स्टेडियमों में परफॉर्म करना पड़ा। खाली स्टेडियमों की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं।

दखल

स्वास्थ्य क्षेत्र की सेहत सुधारने का वक्त

कोरोना विषाणु की महामारी को तो मनुष्य जाति के ज्ञात इतिहास की सबसे बड़ी परिघटना माना जा रहा है। भारत में लॉकडाउन और दूसरे कदम तुरंत उठाते हुए अभी तक अद्वितीय सूझबूझ का परिचय दिया। दुनिया की 22 फीसद आबादी वाले देश में महामारी का प्रकोप दो फीसद से भी कम है। लेकिन यही वक्त है उत्तर कोरोना काल के लिए तुरंत तैयार रहने का। इसमें जो जीता वाही सिकंदर!

विज्ञान और वैज्ञानिक सोच समझ के चलते दुनिया भर में यह यकीन लौट रहा है कि कोरोना विषाणु पर जल्दी जीत मिलेगी। पहली बार दुनिया का कोई देश इस महामारी से अछूता नहीं रहा और यह भी पहली बार हो रहा है कि लोगों की आस्था चर्च, मंदिर, मस्जिद या दुनिया भर के धर्म द्वीपों से हटकर विज्ञान और उसकी प्रयोगशालाओं की तरफ लौटी है। इसका असर शिक्षा व्यवस्था और विशेषकर विज्ञान की शिक्षा पर पढ़ना लाजिमी है। निश्चित रूप से आर्थिक-सामाजिक व्यवस्थाओं में भी बदलाव आएगा, लेकिन इन सब बदलावों की बुनियाद में रहेगी शिक्षा और उसका चरित्र। इसी शिक्षा के बूते नौजवान पीढ़ी को रोजगार मिलेगा और उसी के बूते देश का विकास। मनुष्य के इतिहास ने इसे बार-बार सिद्ध किया है। यूरोप के पुनर्जागरण को याद करें। लगभग पांच सौ वर्ष पहले इसी वैज्ञानिक सोच तर्कशक्ति का अंजाम था भौतिकी, रसायन से लेकर डार्विन के विकासवाद तक के सिद्धांत।

पोप और उनके धर्मावलंबियों को चर्च तक सीमित कर दिया गया था और कोलंबस, वास्को डि गामा, कप्तान कुक विज्ञान के रथ पर बैठ कर निकल पड़े थे दुनिया को जीतने के लिए। भारत की खोज भी यूरोपियों के लिए उसी अभियान का हिस्सा थी और वैसे ही अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के द्वीपों की। लेकिन विज्ञान सफल तभी होगा, जब स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाली पीढ़ी उसे समझेगी और आगे बढ़ाएगी। कैंब्रिज, ऑक्सफोर्ड और दूसरे विश्वविद्यालय इन्हीं खोजों, शोध और सिद्धांत के लिए दुनियाभर में मशहूर हुए। जिसे कुछ उपनिवेशवाद कहते हैं, वह उन देशों के लिए नए रोजगार नए साम्राज्य की तलाश थी। भारत, चीन जैसे देशों की सभ्यता हजारों साल पुरानी जरूर थी, लेकिन वे विज्ञान के आगे कहीं नहीं टिक पाए। उन्हें गुलाम होना पड़ा और इस गुलामी से मुक्ति मिली दूसरे विश्व युद्ध के बाद। पहले और दूसरे विश्व युद्ध ने भी विज्ञान की पताका फहराई। बड़े-बड़े रासायनिक उद्योग, ऑटोमोबाइल उद्योग, हवाई जहाज, परमाणु बम से लेकर पेनिसिलिन और दूसरी दवाएं। यानी जितनी बड़ी घटना होगी, होमो सेपियंस की जिजीविषा बताती है, उतने ही बड़े बदलाव होंगे।

कोरोना विषाणु की महामारी को तो मनुष्य जाति के ज्ञात इतिहास की सबसे बड़ी परिघटना माना जा रहा है। भारत में लॉकडाउन और दूसरे कदम तुरंत उठाते हुए अभी तक अद्वितीय सूझबूझ का परिचय दिया है। अंजाम भी सामने है। दुनिया की 22 फीसद आबादी वाले देश में महामारी का प्रकोप दो फीसद से भी कम है। लेकिन यही वक्त है उत्तर कोरोना काल के लिए तुरंत तैयार रहने का। इसमें जो जीता वाही सिकंदर! दुनिया भर के वैज्ञानिक अभी भी ऐसी संभावनाओं से घिरे हुए हैं कि जब तक इस विषाणु की कोई मुकम्मल काट नहीं खोज ली जाती और दुनिया भर में यदि एक भी व्यक्ति उससे संक्रमित रहता है, तो इसकी वापसी फिर वैसा ही कहर ढहा सकती है। हम सबने देश के लाखों मजदूरों को हाल में सड़कों पर रोते बिलखते देखा है और यह तबका ऐसे ही निर्वासन में आधा पेट काटने को मजबूर है। पूरी व्यवस्था के लिए शर्मनाक है। पर अच्छी बात यह है कि देश के डॉक्टर, नर्स और पुलिस कर्मी जान की परवाह न करते हुए इस महामारी के मुकाबले के लिए अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं।

लेकिन भविष्य तो शिक्षा में बुनियादी बदलाव से ही संभव है। शिक्षा के बुनियादी बदलाव में विज्ञान की वैसे ही वापसी करनी होगी जैसे 1957 में शीत युद्ध के दौर में रूस के अंतरिक्ष विज्ञान में आगे बढ़ने की भनक ने अमेरिका की विज्ञान नीति को सदा के लिए बदल डाला था। या पिछले दो दशक में चीन ने विज्ञान और तकनीकी के बूते युद्ध, शोध, शिक्षा, रोजगार और यहां तक कि राजनय संस्कृति तक के समीकरण बदल दिए हैं। कोरोना विषाणु चीन से शुरू जरूर हुआ है, लेकिन विज्ञान के बूते ही चीन पर उतना असर नहीं हुआ जितना सारी दुनिया पर। यहां तक कि उत्तर कोरोना काल में चीन अपने विज्ञान और शिक्षा के बूते और बेहतर ढंग से दुनिया पर कब्जे की तरफ अग्रसर है। पुरानी कहावत का सहारा लें तो लोहा ही लोहे को काट सकता है, यानी 21वीं सदी में विज्ञान और तकनीकी की चुनौतियों को विज्ञान और तकनीकी से ही परास्त करने की जरूरत है, न कि धर्म के काढ़े से। यह अटकलबाजी जरूर चल रही है कि दुनियाभर की बहुराष्ट्रीय कंपनियां चीन का विकल्प भारत में खोज रही हैं। पर यह हकीकत से दूर की कौड़ी है। क्या हमारे पास ज्ञान-विज्ञान में चीन की टक्कर की पढ़ी-लिखी पीढ़ी है?

हम भले ही दुनिया की सबसे नौजवान आबादी पर फक्र करते रहें, उस आबादी के बारे में हाल में एक प्रसिद्ध वैश्विक एजेंसी ने दावा किया है कि उसके पास दर्ज स्नातकों में से 60 फीसद किसी काम के नहीं हैं। उनके पास न तकनीकी कौशल है, न दूसरे सामान्य ज्ञान की समझ। सिर्फ डिग्री बांट कर चीन का मुकाबला नहीं कर सकते। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए श्रम सस्ता जरूर है, लेकिन गुणवत्ता यदि नहीं मिली तो वे फिर चीन की तरफ ही लौटेंगे। मौजूदा वक्त को चौथी क्रांति कहा जाता है यानी इंटरनेट और दूसरे माध्यमों से ज्ञान की असीमित उपलब्धता। पहली तीन क्रांतियों में भारत कई कारणों से फिसड्डी साबित हुआ है। लेकिन मौजूदा कोरोना ने पढ़े-लिखे लोगों से लेकर गांव-देहात तक प्लाज्मा, न्यूमोनिया, बैक्टीरिया और वैक्सीन, एंटीबॉडीज, मास्क, आरोग्य सेतु जैसे वैज्ञानिक शब्दों को पहुंचा दिया है। यानी विज्ञान की बुनियादी बातें जैसे- साफ-सफाई, बीमारियों के कारण, शारीरिक दूरी, स्वावलंबन आदि रोजाना मीडिया के जरिए जन-जन तक पहुंच रही हैं। इन सब बातों को तुरंत पाठ्यक्रम और दूसरे मंचों के जरिए नई पीढ़ी के दिमाग में एक सहज तर्क से डालने की जरूरत है। मौजूदा पाठ्यक्रम रटने से शिक्षा का सड़ा हुआ चौखटा नहीं टूटने वाला। ऑनलाइन शिक्षा में भी बचना होगा और इसके लिए शिक्षकों के दिमाग और समाज को भी बदलने की जरूरत है।

अफसोस की बात है कि हम आजादी के बाद वैज्ञानिक चेतना के नारे तो दीवारों पर लिखते रहे हैं, लेकिन समाज में वैज्ञानिक चेतना दूर-दूर तक दिखाई नहीं देती। शर्तिया लड़का होने की दवा धड़ल्ले से बिकती है। पुराने ज्ञान आयुर्वेदिक प्रणाली आदि को नए वैज्ञानिक ढंग से दुनिया भर के सामने आजमाने और प्रस्तुत करने की जरूरत है और साथ ही नई वैज्ञानिक खोजों को भी तुरंत आत्मसात करने की। रोजगार भी उन्हीं को मिलेगा जो ऐसी वैज्ञानिक शिक्षा से सुसज्जित हों। अब विज्ञान पढ़ाने का पूरा ढंग बदलना होगा। आजादी के पहले भी विज्ञान और शोध की स्थिति ब्रिटिश दौर में कहीं बेहतर थी। सीवी रमन, प्रफुल्ल चंद्र रे, जगदीश चंद्र बसु, मेघनाथ साहा, सत्येंद्रनाथ बोस की गिनती दुनिया के वैज्ञानिकों में तब भी होती थी और आज भी। आजादी के बाद हर बीते दशक में विज्ञान और शोध में हम पिछड़े हैं। जो भी कुछ मूल शोध हो पाया है, वह तभी जब इस देश के मेधावी वैज्ञानिक दूसरे देशों में बस गए हैं। इसीलिए कुछ दिनों पहले 2009 के नोबेल विजेता वेंकट रामकृष्णन ने भारत में वैज्ञानिक शोध की स्थितियों को मजाक उड़ाते हुए इसे सर्कस का नाम दिया था। हकीकत यही है कि ज्ञान-विज्ञान के जरिए ही न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया संकटों से मुक्ति पा सकती है।

विचार

यूक्रेन में बढ़ रहा तनाव

रूस के राष्ट्रपति पुतिन द्वारा अपनी परमाणु फौजों को तैयार रहने के निर्देश से भी चिंता बढ़ गई है। लगातार बढ़ते तनाव के बीच यूक्रेन में मौजूद भारतीय दूतावास ने सभी भारतीय नागरिकों को तुरंत कीव छोड़ने को कहा है। वहां के हालात सही नहीं हैं।

यूक्रेन के साथ बातचीत बेनतीजा रहने के बाद रूस ने संभवतः कीव पर बड़ा धावा बोलने की तैयारी कर ली है। रूसी सेना का विशाल काफिला यूक्रेन की राजधानी कीव की ओर बढ़ रहा है। अमेरिकी कंपनी मैक्सर टेक्नोलॉजी ने उपग्रह तस्वीरों के जरिए यह खुलासा किया है। यह काफिला 64 किलोमीटर लंबा बताया गया है। कीव पहले ही कई रूसी हमलों को विफल कर चुका है। इसे देखते हुए लग रहा है कि रूस ने अब कब्जे की निर्णायक तैयारी कर ली है। यह काफिला उत्तरी कीव की ओर जा रहा है। काफिले में सेना के ट्रक, बख्तरबंद वाहन, टैंक और सैनिक शामिल हैं। एक दिन पहले रूसी सेना ने आम नागरिकों से कीव छोड़ने को भी कहा था। रूस-यूक्रेन के बीच छह दिनों से जंग जारी है। रूस व यूक्रेन के बीच सोमवार को पहली बार सीधी बातचीत भी हुई, लेकिन वह बेनतीजा रही। रूस जहां यूक्रेन को हथियार डालने पर अडिग है वहीं, यूक्रेन रूसी फौज की वापसी पर। पुतिन द्वारा परमाणु फौजों को तैयार रहने के निर्देश से भी चिंता बढ़ गई है।

लगातार बढ़ते तनाव के बीच यूक्रेन में मौजूद भारतीय दूतावास ने सभी भारतीय नागरिकों को तुरंत कीव छोड़ने को कहा है। दूतावास की तरफ से जारी इमरजेंसी एडवाइजरी में कहा गया है कि भारतीय जिस हाल में हैं, उसी स्थिति में तुरंत शहर से बाहर निकल जाएं। वहीं यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए अब भारतीय वायु सेना की मदद ली जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एयरफोर्स के अफसरों से कम समय में अधिक लोगों को निकालने के लिए मदद करने को कहा है। वायु सेना ऑपरेशन गंगा में कई सी-17 विमान तैनात कर सकती है। सी-17 ग्लोबमास्टर ने अफगानिस्तान में अशांति के दौरान 640 लोगों को लेकर उड़ान भरी थी। भारतीय वायुसेना ने सी-17 ग्लोबमास्टर विमान से भारतीयों को काबुल से दो बार एयरलिफ्ट किया था। भारत के पास 11 सी-17 ग्लोब मास्टर विमान हैं। विमान का बाहरी ढांचा इतना मजबूत है कि इस पर राइफल व छोटे हथियारों की फायरिंग का असर नहीं होता है।

रूसी सेना ने यूक्रेन की राजधानी कीव को चारों ओर से घेर रखा है। इस बात की आशंका है कि जल्द ही रूसी सेना कीव पर कब्जा करके वहां की सत्ता पर एक कठपुतली सरकार को बिठा सकती है। ऐसा होता है तो यूक्रेन में इस कठपुतली सरकार को बचाए रखना रूस के लिए काफी मुश्किल होगा। इसकी मुख्य वजह यह है कि यूक्रेन ईस्ट और वेस्ट में बंटा हुआ है। ईस्ट में रूसी भाषा बोलने वालों की संख्या अच्छी खासी है। ऐसे में यहां तो कठपुतली सरकार को समर्थन मिलेगा, लेकिन वेस्ट में यूक्रेनियन ज्यादा रहते हैं। इसलिए यहां इसका कड़ा विरोध होगा। यही वजह है कि इस जंग ने 1989 की उस घटना की याद ताजा कर दी है, जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद जर्मनी का जीता हुआ हिस्सा लोगों के विरोध के चलते रूस के हाथ से निकल गया था।

साइबर युद्ध का मंडराता खतरा

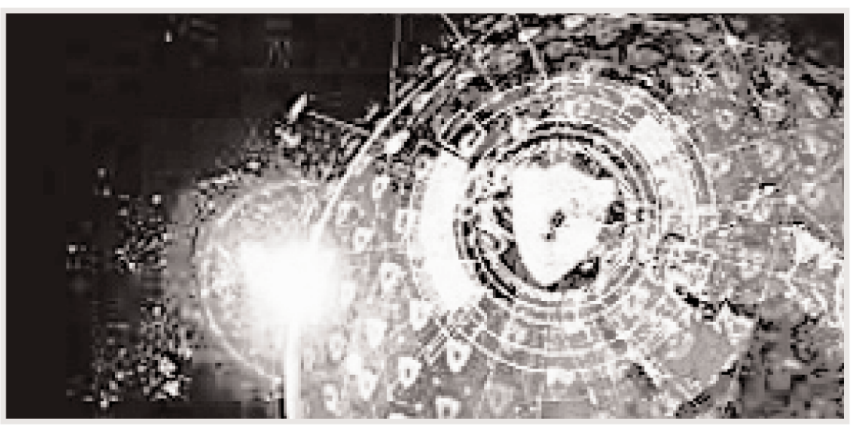

मामला चाहे चीनी-पाकिस्तानी हैकरों का हो या रूसी-कोरियाई हैकरों का, सवाल है कि आखिर वर्चुअल जंग रुकेगी कैसे? इसमें संदेह नहीं है कि दुनिया में अगला निर्णायक युद्ध साइबर युद्ध होगा क्योंकि सारी जानकारियां कंप्यूटर नेटवर्कों में ही समाई हुई हैं। दुनिया का कोई भी देश यह दावा कर पाने की स्थिति में नहीं है कि उसके कंप्यूटरों में रखे डेटा पूरी तरह सुरक्षित हैं।

भारत में इस तरह के साइबर हमले लगातार बढ़ रहे हैं। एक आंकड़ा तो एडवर्ड स्नोडेन ने ही मुहैया कराया था। मार्च 2013 में स्नोडेन ने बताया था कि बाहर बैठे सेंधमारों ने भारतीयों की 6.3 अरब खुफिया सूचनाओं तक पहुंच बना ली थी। हालत यह है कि हमारे प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर रक्षा व विदेश मंत्रालय, भारतीय दूतावासों, मिसाइल प्रणालियों, एनआइसी, यहां तक खुफिया एजेंसी-सीबीआई के कंप्यूटरों पर भी साइबर हमले कर जासूसी हो चुकी है। साइबर स्पेस के खतरों की बात अब काल्पनिक नहीं है। वर्चुअल आतंक, सेंधमारी और सैन्य व आर्थिक महत्व की सूचनाओं के लीक होने जैसी घटनाओं ने यह साबित कर दिया है कि सूचनाओं के इलेक्ट्रॉनिक संजाल में घुसपैठ की रोकथाम के पुख्ता प्रबंध नहीं करने का खमियाजा दुनिया की कई सरकारों को भी उठाना पड़ सकता है। पुलवामा हमले के बाद खबर मिली थी कि पाक हैकरों ने भारत सरकार से जुड़ी कम से कम नब्बे वेबसाइटों को हैक कर लिया है। इनमें खासतौर से वित्तीय संचालन और पावर ग्रिड से जुड़ी वेबसाइटें हैकरों के निशाने पर थीं।

साइबर कहें या वर्चुअल (आभासी) जंग, असल में अब इसका खतरा वास्तविक है। मामला भारत, पाकिस्तान या चीन तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें महाशक्तियां शामिल हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर में कई पश्चिमी देशों ने रूस के सैन्य खुफिया विभाग पर दुनियाभर में कई साइबर हमले करने के आरोप लगाए थे। हालांकि रूस ने इन आरोपों को खारिज किया और कहा था कि कुछ पश्चिमी देश उसे योजनाबद्ध तरीके से फैलाए जा रहे दुष्प्रचार में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें संदेह नहीं रह गया है कि भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती साइबर जंग होगी। साइबर युद्ध के जरिये संचालित की जाने वाली वे आपराधिक और आतंकी गतिविधियां जिनसे कोई व्यक्ति या फिर संगठन देश-दुनिया व समाज को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करे। अभी तक देश में इस तरीके से कई गैरकानूनी काम हुए, जैसे ऑनलाइन ठगी, बैंकिंग नेटवर्क में सेंध, लोगों- खासकर महिलाओं को गलत प्रोफाइल बना कर परेशान करना आदि।

साइबर जंग या आतंकवाद का हैकिंग के रूप में भी एक चेहरा ऐसा हो सकता है जिसमें खासतौर से महत्त्वपूर्ण सरकारी वेबसाइटों को निशाना बनाया जाए। भारत में हाल के साइबर हमलों की घटनाओं के बाद यह मांग तक उठने लगी है कि वर्चुअल जंग से दो-दो हाथ करने के मामले में हमारे देश में ठीक वैसा ही रवैया अपनाने की जरूरत है जैसा उड़ी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा हमले के बाद हवाई हमले के रूप में अपनाया गया है, यानी साइबर अपराधियों का संपूर्ण सफाया किया जाए। मगर यह काम आसान नहीं है। असल में साइबर युद्ध छेड़ने वाले अपराधियों का चेहरा साफ नहीं दिखता है। दुनिया के किसी भी कोने में बैठ कर सेंधमार सरकारी प्रतिष्ठानों की वेबसाइटों को चौपट करने के अलावा बैंकिंग से जुड़ी गतिविधियों में सेंधमारी करके अपना उल्लू सीधा कर सकते हैं। जहां तक सरकारी वेबसाइटों को निशाना बनाने की बात है तो ऐसा अक्सर दो देशों के बीच तनाव पैदा होने के हालात में ही सेंधमारी करते हैं।

ऐसी स्थिति में ये हैकर न सिर्फ सरकारी वेबसाइटों को अपने नियंत्रण में लेकर ठप कर डालते हैं, बल्कि दूतावासों, प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों-अधिकारियों के लॉगइन विवरण, ईमेल, पासवर्ड, फोन नंबर और पासपोर्ट नंबर चुरा लेते हैं और उन्हें दूसरी वेबसाइटों पर इस दावे के साथ लीक कर देते हैं कि फलां देश की साइबर सुरक्षा कितनी कमजोर है। खासतौर से भारत की सरकारी वेबसाइटों के बारे में हमारे देश के संदर्भ में हैकिंग की ये कार्रवाइयां बड़ी घटना मानी जाएंगी। इसकी दो वजहें हैं। एक तो यह कि सूचना प्रौद्योगिकी के मामले में भारत खुद को अगुआ देश मानता रहा है, उसके आइटी विशेषज्ञ पूरी दुनिया में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं और अमेरिका के कैलिफोर्निया में स्थापित सिलीकॉन वैली की स्थापना तक में युवा भारतीय आइटी विशेषज्ञों की भूमिका मानी जाती है।

साइबर खतरों को भांपते हुए सरकार छह साल पहले 2013 में राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति जारी कर चुकी है जिसमें देश के साइबर सुरक्षा के बुनियादी ढांचे की रक्षा के लिए प्रमुख रणनीतियों को अपनाने की बात कही गई थी। इन नीतियों के तहत चौबीसों घंटे काम करने वाले नेशनल क्रिटिकल इन्फॉर्मेशन प्रोटेक्शन सेंटर (एनसीईआइपीसी) की स्थापना शामिल है, जो देश में महत्त्वपूर्ण सूचना तंत्र के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए नोडल एजेंसी के रूप में काम कर सके। सवाल है कि क्या इन उपायों को अमल में लाने में कोई देरी या चूक हुई है, अथवा यह हमारे सूचना प्रौद्योगिकी तंत्र की कमजोर कड़ियों का नतीजा है कि एक ओर सेंधमार जब चाहें, जो चाहें सरकारी प्रतिष्ठानों की वेबसाइटें ठप कर रहे हैं और दूसरी ओर साइबर आतंकी भी अपनी गतिविधियां चलाने में सफल हो रहे हैं?

भारत में इस तरह के साइबर हमले लगातार बढ़ रहे हैं। एक आंकड़ा तो एडवर्ड स्नोडेन ने ही मुहैया कराया था। मार्च 2013 में स्नोडेन ने बताया था कि बाहर बैठे सेंधमारों ने भारतीयों की 6.3 अरब खुफिया सूचनाओं तक पहुंच बना ली थी। हालत यह है कि हमारे प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर रक्षा व विदेश मंत्रालय, भारतीय दूतावासों, मिसाइल प्रणालियों, एनआईसी, यहां तक कि सीबीआई के कंप्यूटरों पर भी साइबर हमले कर उनकी जासूसी हो चुकी है। यह तथ्य भी प्रकाश में आ चुका है कि कारोबारी उद्देश्य से भी हमारी संचार सेवाओं को निशाना बनाया जा चुका है। जुलाई 2010 में इनसेट-4बी की बिजली प्रणाली में गड़बड़ी के कारण उसके एक सोलर पैनल ने काम बंद कर दिया था जिससे उसके आधे ट्रांसपॉन्डर ठप हो गए थे। पता चला कि यह काम व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के तहत किया गया था। किसी ने उसमें 'स्टक्सनेट' नामक वायरस पहुंचा दिया था, ताकि इनसेट से जुड़े टीवी चैनल चीनी उपग्रह पर चले जाएं!

बहरहाल, मामला चाहे चीनी-पाकिस्तानी हैकरों का हो या रूसी-कोरियाई हैकरों का, सवाल है कि आखिर वर्चुअल जंग रुकेगी कैसे? इसमें संदेह नहीं है कि दुनिया में अगला निर्णायक युद्ध साइबर युद्ध होगा क्योंकि सारी जानकारियां कंप्यूटर नेटवर्कों में ही समाई हुई हैं। जानकारों का मत यह है कि कुछ तकनीकों की वजह से देश से बाहर चल रही गतिविधियों पर निगरानी रखना संभव नहीं हो पाता है, जिसका फायदा विदेशी संगठन और अपराधी-आतंकी उठाने में कामयाब हो जाते हैं। राहत की बात यह है कि वर्ष 2015 में इंटरनेट के जरिये होने वाली आपराधिक गतिविधियों के नियंत्रण के लिए विशेष कार्यबल बनाया जा चुका है। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर चौबीसों घंटे काम करने वाली कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-इन), साइबर सुरक्षा के इमरजेंसी रिस्पांस और क्राइसिस मैनेजमेंट के सभी प्रयासों में तालमेल के लिए नोडल एजेंसी बनाने का प्रस्ताव भी किया गया था। मुमकिन है कि ये इंतजाम वर्चुअल जंग के हालात पर नियंत्रण करने में सहायता कर पाएंगे।

ट्विटर

रूस-यूक्रेन में जंग के बीच भारत सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। किसी भी नागरिक को जंग के बीच छोड़ा नहीं जाएगा।

हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय मंत्री

वायु सेना के हवाई जहाजों के जुड़ने से भारतीयों के लौटने की प्रक्रिया गति पकड़ेगी। इसके साथ ही भारत से भेजी जा रही राहत सामग्री भी और तेजी से पहुंचेगी।

राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

सत्यार्थ

निराला का कवि हृदय

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' एक बार दारागंज लीडर प्रेस से अपनी रायल्टी के एक सौ चार रुपए लेकर और इक्के में सवार होकर रक्षाबंधन पर अपनी मुंह बोली बहन महादेवी के घर जा रहे थे कि रास्ते में एक दुख भरी आवाज सुनाई दी- बेटा! इस अभागिन भूखी को भी कुछ दे दो। निराला ने इक्का रुकवाया और उस वृद्धा के पास जाकर बोले- मां! हमारे रहते तुम्हें भीख मांगनी पड़े, यह कैसे हो सकता है? वृद्धा बोली- क्या करूं बेटा, हाथ-पैर चलते नहीं। जब तक ठीक रहे, तब तक मैंने किसी के सामने हाथ नहीं फैलाया और पसीने की कमाई से अपना व अपने परिवार का पेट पालती रही, पर अब तो मैं बेटों को फूटी आंख भी नहीं सुहाती। उन लोगों ने मुझे दूध की मक्खी की तरह निकालकर फेंक दिया है। अपना पेट पालने के लिए कुछ तो करना ही था, इसलिए विवश होकर भिक्षा का रास्ता अपना लिया। भिक्षा मांगकर किसी प्रकार अपना पेट भर लेती हूं। निराला बोले- मां, अगर एक रुपया दे दूं, तो कब तक भीख नहीं मांगोगी। उत्तर मिला- कल तक। निराला फिर बोले- अगर पांच रुपए दे दूं तो? वृद्धा बोली- तो पांच दिनों तक भीख नहीं मांगनी पड़ेगी। निराला ने रॉयल्टी के पूरे एक सौ चार रुपए दे देने की बात कही तो वृद्धा ने फिर कभी भीख न मांगने और इससे कोई धंधा कर लेने की बात कही। महाकवि सारी राशि उस वृद्धा को देकर स्वयं खाली जेब इक्के में बैठ कर बहन महादेवी के घर की ओर चल पड़े, जहां किराया भी महादेवी को ही चुकाना पड़ा। ऐसा था निराला का विशाल कवि हृदय। बहन ने रक्षाबंधन के पर्व पर जब यह सुना तो कहने लगीं- सत्य है, मानवता हृदय की विशालता से आती है, भौतिक संपन्नता से नहीं। मुझे अपने भाई पर गर्व है।

ख़ास ख़बर

केंद्र सरकार की निजीकरण नीति पर वरूण गांधी ने उठाए सवाल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। पिछले काफी समय से भाजपा सांसद वरुण गांधी अपनी सरकार के कामों को लेकर सवाल उठाते आ रहे हैं। मंगलवार उन्होंने बैंकों और रेलव के निजीकरण को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि सरकार के इस कदम से बहुत सारे लोगों के रोजगार चले जाएंगे और लोग भुखमरी के शिकार हो जाऐंगे। वरुण गांधी ने ट्वीट किया, 'केवल बैंक और रेलवे का निजीकरण ही 5 लाख कर्मचारियों को 'जबरन सेवानिवृत्त' यानि बेरोजगार कर देगा। समाप्त होती हर नौकरी के साथ ही समाप्त हो जाती है लाखों परिवारों की उम्मीदें। सामाजिक स्तर पर आर्थिक असमानता पैदा कर एक 'लोक कल्याणकारी सरकार' पूंजीवाद को बढ़ावा कभी नहीं दे सकती।' बता दें कि इससे पहले राहुल गांधी समेत विपक्ष के कई नेता यही बात कहकर भाजपा सरकार को घेरते रहे हैं। भारत का रेल नेटवर्क दुनिया का सबसे बड़ा नेटवर्क है। इसमें 13 लाख से ज्यादा लोग काम करते हैं। बीते साल जब ज्यादा सवाल उठे तो रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि, रेलवे का निजीकरण कभी नहीं होगा। सरकार की तरफ से दो सरकारी बैंकों के निजीकरण को लेकर भी विपक्ष ने विरोध प्रदर्शन किए थे। कांग्रेस का कहना था कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया था। लेकिन यह सरकार एक-एक करके मर्जर कर रही है। इससे गरीबों को बैंकों का लाभ नहीं मिलेगा। यह काम इसलिए किया जा रहा है ताकि केवल कुछ लोगों को ही बैंकों का फायदा मिले।

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर अब सुरक्षित व आरामदायक होगा सफर

● एनएचएआई एक्सप्रेसवे पर उछाल व फिसलन की समस्या से निपटने के लिए खर्च करेगी 110 करोड़

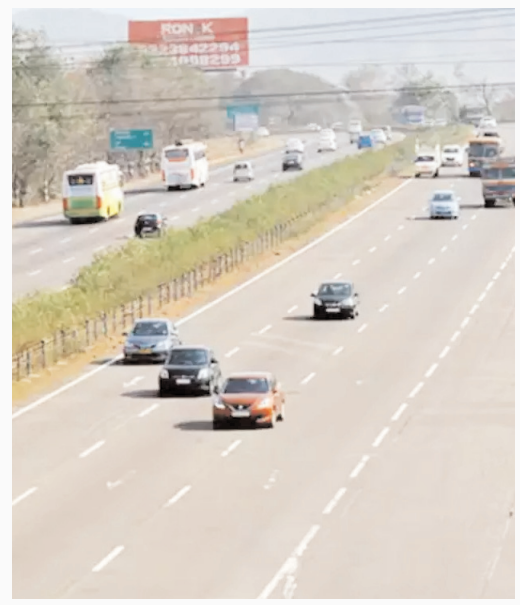

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर काफी समय से उछलन व फिसलन की समस्या पर अब एनएचएआई ने संज्ञान ले लिया है। अब इन समस्याओं को दूर करने के लिए एक्सप्रेसवे अॅथारिटी ने अलग से 110 करोड़ का बजट पास किया है ताकि लोगों को सुरक्षित व आरामदायक सफर के लिए सड़क की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके। हरियाणा के कुंडली से शुरू होकर गाजियाबाद, नोएडा के रास्ते पलवल तक जाने वाले 132 किलोमीटर लंबे ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर सफर करते समय गाड़ी के जंप लेने या फिर फिसलने की समस्या बनी हुई थी जो अब दूर की जाएगी। बता दें कि अभी इस एक्सप्रेसवे पर कई जगहों पर गाड़ी जंप करती है तो कुछ जगहों पर ब्रेक लगाने के बाद भी गाड़ी फिसलती है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने भी सर्वे के बाद माना है कि काफी जगहों पर समस्या है। निर्माण एजेंसियों से भी कुछ जगहों पर टेंडर की शर्तों के हिसाब से काम कराया गया है, लेकिन उसके बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। लेकिन, अब करीब 110 करोड़ रुपये अलग से खर्च किया जाएगा, जो सिर्फ सड़क सुरक्षा से जुड़े मानकों को पूरा करने पर खर्च होगा। यानी उसके बाद एक्सप्रेसवे पर सफर करते समय गाड़ी के जंप लेने या फिर फिसलने की समस्या नहीं होगी। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। अब बीते आठ महीने से एनएचएआई की टीम एक्सप्रेसवे की उन जगहों को चिन्हित कर एजेंसी को जानकारी दे रही है जहां पर सड़क की गुणवत्ता खराब है। अब अंतिम सर्वे के बाद एक्सप्रेसवे के उन स्थानों से जुड़ी सूची निर्माण एजेंसियों को दी गई जहां पर गुणवत्ता खराब थी।

तैयार

हरियाणा के कुंडली से शुरू होकर गाजियाबाद, नोएडा के रास्ते पलवल तक जाने वाले 132 किलोमीटर लंबे ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर सफर करते समय गाड़ी के जंप लेने या फिर फिसलने की समस्या बनी हुई थी

सबसे ज्यादा गुणवत्ता की शिकायत नोएडा से पलवल और दुहाई से दादरी के बीच थी। नियम के तहत समय अवधि पूरी होने से पहले अंतिम सर्वे में सभी स्पॉट को चिह्नित करके देना होता है। उसके बाद अगर कहीं पर सड़क खराब या गड्ढा होता है तो उसे एनएचएआई अपने स्तर पर पूरा कराएगी।

मुख्यालय से मौखिक सहमति मिलने के बाद एनएचएआई अधिकारियों का कहना है कि मार्च अंत तक हमें वित्तीय स्वीकृति मिल जाएगी। उसके बाद मई तक पूरे एक्सप्रेसवे को यातायात के लिहाज से तैयार किया जाएगा। सड़क के उन हिस्सों में गाड़ी के जंप लेने की समस्या को दूर किया जाएगा जहां गाड़ी 80 के स्पीड से ऊपर जाते ही उछलने लगती है। जहां पर सड़क उखड़ी पड़ी हैं, उसे भी दोबारा से बनाया जाएगा। खराब स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त किया जाएगा।

बैरिकेड को लेकर हाईकोर्ट सख्त, केंद्र व दिल्ली पुलिस कमिश्नर को भेजे नोटिस

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। सुरक्षा के नाम पर राजधानी दिल्ली में पुलिस जगह-जगह बैरिकेड लगाकर अपनी जिम्मेदारी की इतिश्री कर लेती है लेकिन पुलिस की इस कार्यवाही से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अब दिल्ली हाईकोर्ट ने पुलिस कर्मियों के बगैर ही सड़कों पर बैरिकेड लगाए जाने और इससे लोगों को रही परेशानी को देखते हुए मंगलवार को सख्त रुख अपनाया है। हाई कोर्ट ने इसे गंगीरता से लेते हुए केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। साथ ही हाई कोर्ट ने सरकार और पुलिस कमिश्नर को यह बताने के लिए कहा है कि सड़कों पर बगैर पुलिस कर्मियों के बैरिकेड्स क्यों लगाए जा रहे हैं। हाईकोर्ट में जस्टिस विपिन सांघी और जसमीत सिंह की बेंच ने ओम प्रकाश गोयल की ओर से भेजे गए पत्र पर स्वतः संज्ञान लेकर यह मामला शुरू किया है। बेंच ने मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय, दिल्ली सरकार, नगर निगम और पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी करते हुए जवाब देने को कहा है। बेंच ने सभी पक्षकारों को मामले की अगली सुनवाई 13 अप्रैल से पहले जवाब देने को कहा है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से बैरिकेड्स लगाने के लिए क्या प्रोटोकॉल अपनाए जाते हैं, इस बारे में भी जानकारी देने को कहा है। दिसंबर, 2021 में दिल्ली प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष ओम प्रकाश गोयल ने पत्र भेजकर राजधानी में मानवरहित बैरिकेड्स से लोगों को रही परेशानियों से बेंच को अवगत कराया था।

पत्नी की सहेली का हत्यारा पति जयपुर से गिरफ्तार, पुलिस ने किया खुलासा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नॉर्थ जिला/नई दिल्ली/भावना शर्मा। नॉर्थ जिला पुलिस ने बुराड़ी में सहेली के घर से बरामद एक 24 वर्षीय युवती के शव के मामले में हत्या की गुत्थी सुलझाने का दावा किया है। पुलिस ने इस मामले में सहेली के पति को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने पत्नी की सहेली से यौन संबंध बनाने की कोशिश की थी, लेकिन विरोध करने पर उसकी हत्या कर दी थी। हत्या के बाद उसने शव के साथ अप्राकृतिक यौनाचार किया था। नॉर्थ जिला डीसीपी सागर सिंह कलसी ने बताया कि शुक्रवार रात को बुराड़ी में सहेली के घर में युवती की लाश मिली थी। जिसपर पुलिस ने कई एंगल से जांच की और पता चला की सहेली का पति फरार है जिसपर पुलिस की शक की सुई उस तरफ घूम गई। पुलिस की टीम ने आरोपी को पकड़ने की कार्यवाही शुरू की और रविवार देर रात उसे जयपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी का वैवाहिक जीवन ठीक नहीं चल रहा था और वह यौन कुंठित है। शुक्रवार को वह पत्नी की सहेली को साड़ी खरीदवाने के बहाने अपने साथ घर ले आया और घर में उसके साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने की कोशिश की। जब पीड़िता ने उसका विरोध किया तो आरोपी ने गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी और फिर शव के साथ अप्राकृतिक यौनाचार किया। इसके बाद आरोपी घर में ताला बंद कर मथुरा फरार हो गया था।

दो माह के बच्चे की सफल मोतियाबिंद सर्जरी सैंटर फॉर साइट हॉस्पिटल ने लौटाई रोशनी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। देश में पीडियाट्रिक कैटरैक्ट के मामले हर साल प्रति 10 हजार नवजातों में से 1.8 से 3.6 फीसदी तक देखे गए हैं। आम लोगों के बीच यही धारणा बनी हुई है कि कैटरैक्ट उम्र संबंधी बीमारी है और यह बुजुर्गों को ही सिर्फ प्रभावित करती है। लोगों में जन्मजात मोतियाबिंद के प्रति जागरूकता बहुत कम है। दो माह के ऐसे बच्चे की दृष्टि सेंटर फॉर साइट हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने लौटाई जिसकी दोनों आंखों की जन्मजात मोतियाबिंद से जूझ रहा था।

बेबी कार्तिक के रूटीन चेकअप के दौरान उसके शिशुरोग विशेषज्ञ को मोतियाबिंद की समस्या का पता चला और उन्होंने तत्काल आगे की जांच के लिए उसे भेज दिया। महज दो माह के बच्चे की सर्जरी इस इलाके में पहला ऐसा मामला था। उसकी डायग्नोसिस के बाद माता-पिता गहरे सदमे में थे और उन्हें यकीन नहीं हो रहा था कि इतनी कम उम्र के बच्चे को भी मोतियाबिंद हो सकता है। वे उधेड़बुन में थे कि कहां दिखाया जाए। उन्होंने इलाज के लिए दिल्ली आने का भी फैसला कर लिया था लेकिन उनके परिवार से जुड़े एक शुभचिंतक ने उन्हें पटना में सेंटर फॉर साइट के बारे में बताया जहां एक ही जगह देश की सर्वश्रेष्ठ और संपूर्ण नेत्र चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। जन्मजात मोतियाबिंद का इलाज उम्र संबंधी मोतियाबिंद के इलाज से पूरी तरह अलग होता है और बच्चे की इतनी कम उम्र को देखते हुए डॉक्टरों की टीम ने अत्यंत प्राथमिकता और सुरक्षा के तौर पर इस मामले का जिम्मा संभाला। आंख में शुरुआती लक्षण रेटिनोब्लास्टोमा (आंखों का कैंसर) के जैसा लगा लेकिन कई जांच के बाद यह अंदेशा दूर हो गया

ऑपरेशन

● बच्चे की दोनों आंखों में थी जन्मजात मोतियाबिंद की बिमारी

और मरीज में मोतियाबिंद ही पाया गया। डॉ. प्रवीण कुमार, नेत्ररोग विशेषज्ञ के नेतृत्व में डॉ. बिपिन मिश्रा (एनेस्थेसिया) और विशेषज्ञ ओटी स्टाफ (राजेश, अभिमन्यु और जयश्री) की टीम ने बच्चे का सफल ऑपरेशन किया। डॉ. प्रवीण कुमार बताते हैं, मोतियाबिंद के इलाज के लिए फेम्टोसेकंड लेजर आदि जैसी आधुनिक तकनीक की उपलब्धता के बावजूद जन्मजात मोतियाबिंद का एकमात्र इलाज जनरल एनेस्थेसिया के तहत सर्जिकल चिकित्सा ही है। नवजात की उम्र को देखते हुए न सिर्फ सर्जरी बल्कि एनेस्थेसिया देना भी एक बड़ी चुनौती थी। टीम ने चार सप्ताह के अंतर पर दोनों आंखों की सफल सर्जरी की। सर्जरी के बाद शिशु अच्छी तरह रिकवर कर गया और उसे चश्मा भी लगाया गया। इसके बाद उसे हर तीन महीने पर जांच कराने और निगरानी में रखा गया। सही समय पर इलाज शुरू करने से बच्चे को अत्यंत सुरक्षित और सफल इलाज मिल पाया। इससे मरीज और समस्त परिवार की जिंदगी ही बदल गई। आंखों की इस तरह की बीमारी न सिर्फ आंखों का बल्कि मस्तिष्क का विकास भी रोक देती है। ऐसे मामलों में शिशुरोग विशेषज्ञों की अहम भूमिका होती है कि वे तत्काल नेत्ररोग विशेषज्ञ के पास मरीज को भेज दे।

देशभर में एक समान शिक्षा प्रणाली को लेकर हाईकोर्ट ने केंद्र व दिल्ली सरकार से मांगा जवाब

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। पूरे देश में एक समान शिक्षा प्रणाली लागू करने को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) 2009 के प्रावधान को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका पर केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। इस जनहित याचिका में मदरसों, वैदिक पाठशालाओं और धार्मिक शिक्षा प्रदान करने वाले सभी शैक्षणिक संस्थानों को आरटीई के दायरे में लाने का निर्देश देने की मांग की गई है। हाईकोर्ट में जस्टिस डीएन पटेल और जस्टिस ज्योति सिंह की बेंच ने केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार सहित सभी प्रतिवादियों के जवाब मांगे और मामले को 30 मार्च, 2022 को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। याचिका में कहा गया है कि धारा 1(4) और 1(5) मदरसों, वैदिक पाठशालाओं और धार्मिक शिक्षा प्रदान करने वाले शैक्षणिक संस्थानों को शैक्षिक उत्कृष्टता से वंचित करती है और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की संबंधित धाराओं को मनमाना तर्कहीन और संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 21, 21। के उल्लंघन के रूप में घोषित करने का निर्देश देने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मामले की सुनवाई से इनकार करने और याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट जाने की सलाह देने के बाद दिल्ली हाई कोर्ट में अश्विनी उपाध्याय द्वारा याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, हमारी राय है कि याचिकाकर्ता को भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत एक याचिका दायर करके उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना चाहिए, जिसमें इस रिट याचिका में सभी बिंदुओं का आग्रह किया गया है। याचिकाकर्ता को इस रिट याचिका को वापस लेने और हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की अनुमति दी जाती है। हम यह स्पष्ट करते हैं कि हमने मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं की है। याचिकाकर्ता ने कहा कि शिक्षा का अधिकार हर बच्चे को स्कूल जाना अनिवार्य बनाता है।

देसी कट्टे के साथ स्पेशल स्टाफ ने धरा एक चोर

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। द्वारका जिले की स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने छावला थाना इलाके के कुतुब विहार स्थित एक घर का ताला तोड़ कर गोल्ड ज्यूलरी चोरी के मामले में एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक देशी कट्टा और 2 जिंदा कारतूस बरामद हुए है। आरोपी छावला इलाके का घोषित बदमाश है। इसके खिलाफ क्राइम ब्रांच में 1 व 9 आपराधिक मामले छावला थाने में दर्ज हैं। डीसीपी द्वारका शंकर चौधरी ने बताया कि 19 फरवरी को कुतुब विहार निवासी शिकायतकर्ता ने छावला पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 19/20 फरवरी की रात किसी ने उसके घर का ताला तोड़ कर सोने की रिंग और चेन सहित अन्य आभूषण चुरा लिए। शिकायत के आधार पर छावला थाने में मामला दर्ज किया गया। इलाके में सेंधमारी व दूसरी आपराधिक वारदातो को देखते हुए एसीपी ऑपरेशन विजय सिंह की देखरेख में स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर नवीन कुमार के नेतृत्व में टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। सूत्रों को सक्रिय किया गया।

रेप केस में एफआईआर दर्ज होने के बाद भी खुले घूम रहे आरोपी, धुमिल हो रही न्याय की उम्मीद

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

ट्रोनिका सिटी/शिव कुमार यादव/- नाबालिग बच्ची से डांस सिखाने के बहाने एक साल तक लगातार रेप करने के आरोपी डांस टीचर व उसके साथी दिल्ली पुलिस के सिपाही के खिलाफ कोर्ट के आदेश के बाद एफआईआर दर्ज होने के बावजूद पुलिस कोई कार्यवाही नही कर रही है और आरोपी खुले घूम रहे हैं। इतना नही आरोपी पीड़िता के घर पर आकर जान से मारने की धमकी तक दे रहे है। वहीं ट्रोनिका सिटी थाने के पुलिस अधिकारी भी पीड़ितों पर मामले को रफा-दफा करने का दबाव बना रहे है। जिसकारण पीड़िता व उसके परिवार की जान को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। पीड़िता के परिजनों का कहना है कि कोर्ट के आदेश के बाद न्याय की एक उम्मीद जगी थी लेकिन पुलिस की कार्यशैली को देखते हुए वह भी धुमिल हो गई है। अब हमारे पास कोई रास्ता शेष नही बचा है। बता दे कि ट्रोनिका सिटी यूपी की एक कालोनी में रहने वाली 14 साल की बच्ची के साथ उसके ही डांस टीचर ने एक साल तक उसे डरा धमका कर रेप किया और इसके बाद अपने साथियों के साथ भी बच्ची के साथ कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर सामुहिक बलात्कार किया। डांस टीचर लगातार बच्ची को यह कह कर धमकाता रहा कि अगर उसने किसी को कुछ बताया तो वह उसे व उसके परिवार वालों को जान से मार देगा और उसकी अश्लील तस्वीरों को वायरल कर देगा। लेकिन एक दिन बच्ची ने हिम्मत कर अपने घर वालों को सब बता दिया तो परिजनों ने इसकी शिकायत पुलिस में दी। लेकिन पुलिस ने उनकी शिकायत पर कार्यवाही करने की बजाये पीड़ित परिवार से दुर्व्यवहार किया और मामला रफा-दफा करने का दबाव बनाया। जिसपर पीड़ित परिवार ने कोर्ट की शरण ली और कोर्ट ने पीड़ित पक्ष को सुनने के बाद आरोपियों करण ठाकुर व ओमदत्त शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज करने के 7 फरवरी को पुलिस को आदेश दिये थे। हालांकि पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपियों के खिलाफ 12 फरवरी को भा.द.स. की धारा 376-डी, 328, 504, 506 तथा पोस्को एक्ट की धारा 3 व 4 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। लेकिन मामला दर्ज होने के 10 दिन बाद भी आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार नही कर पाई है।

संस्कृति मराठी भाषा को साहित्यिक दर्जा दिलाने के लिए मराठी भाषा के मंत्री सुभाष देसाई कई सालों से लगे हुए है।

मराठी भाषा को जल्द मिलेगा शास्त्रीय भाषा का दर्जा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

मुंबई/विक्की झा। जल्द ही मराठी भाषा को साहित्य भाषा का दर्जा मिलने वाला है। मराठी भाषा को साहित्यिक दर्जा दिलाने के लिए मराठी भाषा के मंत्री सुभाष देसाई कई सालों से लगे हुए है। उन्होने महाराष्ट्र विधानसभा से लेकर राज्यसभा तक इस मुद्दे को जोर शोर से उठाया है। आज मराठी भाषा के लिए गौरव का पल है क्योंकि केंद्र सरकार द्वारा साहित्य अकैडमी को इस मुद्दे पर ध्यान देने का आदेश दिया है। इसके लिए सरकार ने साहित्य एकेडमी की एक सर्च कमेटी का गठन किया है जो मराठी भाषा के शोधकर्ताओं से लेकर इसकी जड़ तक का पता लगायेगीं और सभी पक्षों की पुष्टि होने के बाद मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया जायेगा। यहां बता दें कि 2013 से मंत्री सुभाष देसाई मराठी भाषा को साहित्य की भाषा में स्थान दिलाने के लिए काफी वर्षों से मेहनत कर रहे थे। आखिरकार उनकी यह मेहनत अब जाकर रंग लाई है और राज्यसभा से विधान भवन तक मराठी भाषा को साहित्य की भाषा में एक उच्चतम स्थान देने की बात अब काफी जोरों से चल रही हैं। हालांकि इससे पहले भारत में साहित्य की भाषा में लगभग 6 भाषाओं को साहित्यिक भाषा के रूप में दर्जा प्राप्त हुआ, जिनमें तमिल, तेलुगू, कन्नड, मलयालम, उड़िया और संस्कृत शामिल हैं। वहीं संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों का जवाब देते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में राज्य सरकार से मिले प्रस्ताव को साहित्य अकादमी के पास भेजा जाता है और इसकी एक प्रक्रिया होती है। इस प्रक्रिया के पूर्ण होते ही सकारात्मक निर्णय आने की संभावना है। इसी के साथ अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि इस विषय पर गृह मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के बीच विमर्श चल रहा है और उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही इस संबंध में सकारात्मक निर्णय सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार भारतीय भाषाओं और संस्कृति को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और इस सरकार ने अब तक छह भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। इससे पहले मराठी भाषा को इसमें किसी भी तरह का कोई स्थान नहीं दिया गया था, पर मराठी भाषा प्रेमियों और महाराष्ट्र सरकार के कई सारे कठिन प्रयास और रिसर्च जब उन्होंने केंद्र सरकार को भेजी तब केंद्र सरकार द्वारा साहित्य अकैडमी को इस मुद्दे पर ध्यान देने का आदेश देने पर, साहित्य एकेडमी की एक सर्च कमेटी ने मराठी भाषा के शोधकर्ताओं से लेकर इसकी जड़ तक का पता लगाएं।

खास ख़बर

एमएसपी के साथ-साथ खेती का अगले 50 साल का ब्लूप्रिंट करना होगा तैयार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। बुधवार को राजधानी के कांस्टीच्यूशनल क्लब में किसान आंदोलन के अगुवा रहे किसान नेताओं को सम्मानित किया गया।इस मौके पर किसानों नेताओं ने किसान व खेती पर विस्तार से चर्चा की। वहीं किसान नेता योगेन्द्र यादव ने कहा कि आज एमएसपी के साथ-साथ खेती का अगले 50 साल का ब्लूप्रिंट तैयार करने की जरूरत है। उन्होने कहा कि किसान आंदोलन की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि देश के किसान कम से कम एकजुट हो गये हैं। इस आंदोलन की पांच उपलब्धियां है और कई चुनौतियां भी हैं। इस कार्यक्रम में किसान नेता राकेश टिकैत, डॉ दर्शन पाल, हन्नान मोल्ला, जगजीत सिंह दल्लेवाल भी मौजूद थे। कार्यक्रम में किसान नेता योगेंद्र यादव ने पहली उपलब्धि में तीन कृषि कानून रद्द करवाने का रखा है तथा इसमें किसानों की चुनौती है कि ये कानून पीछे के दरवाजे से फिर न आएं और इसके लिए एपीएमसी रिफॉर्म को सख्ती से लागू करवाना है। साथ ही अस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड से फ्री ट्रेड का विरेध करना है अगर ऐसा नही किया तो विदेशों से दूध पाउडर आने से किसानों का दूध का व्यापार खत्म हो जाएगा। एमएसपी पर चेतना आई लेकिन चुनौती अभी भी बाकि है कि देशव्यापी आंदोलन किया जाए ताकि सभी किसानें को यह मिल सके। किसानों की एकता को उपलब्धि बताते हुए उन्होने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा की ये एकता बनी रहे इसलिए मोर्चे को गांव-गांव लेकर जाना है। इसका संगठन जिले, गांव स्तर तक बने। उन्होने कहा कि आज किसान को आंदोलन के जरीये देश में सम्मान मिला है जिसे बचाए रखने की चुनौती भी खड़ी है। हमे किसान के आत्मसम्मान के लिए भविष्य की योजना तैयार करनी होगी। अब पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जो खेती चल रही है वह ज्यादा देर नहीं चलेगी इसलिए अब हमारी जिम्मेदारी है अगले 50 साल की खेती पर केंद्र सरकार ब्लूप्रिंट लेकर आएं। जिसमें पानी, मिट्टी, सोशल जस्टिस, आर्थिक पहलुओं पर भी ध्यान रखा जाए। राजनैतिक महात्वाकांक्षा को उन्होने एक उपलब्धि बताते हुए कहा कि राजनैतिक हैसियत बनी है लेकिन एक-दो विधायक या मुख्यमंत्री से बात नही बनेगी हमे देश में ऐसी सरकार लाने की जरूरत है जो किसान विरोधी न हो। वहीं राकेश टिकैत ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के तहत प्रयागराज, गोरखपुर और वाराणसी में होने वाले मतदान से पहले संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के अन्य नेता इन जिलों का दौरा करेंगे।

अगस्त से 100 प्रतिशत डिजिटल डिलीवरी हासिल करने की उम्मीद

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/भावना शर्मा। दिल्ली सरकार को उम्मीद है कि वो सभी सेवाओं की अगस्त से पहले 100 प्रतिशत डिजिटल डिलीवरी हासिल कर लेगी। इसके लिए सरकार पूरी जोर-शोर से काम कर रही है। बुधवार को अधिकारियों ने योजना की स्थिति और प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक में उपराज्यपाल अनिल बैजल को यह जानकारी दी। बता दें कि वर्तमान में दिल्ली सरकार के विभागों और स्वायत्त निकायों द्वारा प्रदान की जा रहीं 425 सेवाएं डिजिटल रूप से उपलब्ध हैं। बैठक में मौजूद एक अधिकारी ने कहा कि मई में ऐसी सेवाओं की संख्या केवल 122 थी। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान नागरिकों द्वारा आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक ही मंच पर डिजिटल रूप से प्रदान की जा रही सभी सेवाओं को एकीकृत करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। 14 जनवरी को हुई पिछली समीक्षा बैठक में एलजी ने निर्देश दिया था कि सेवाओं की डिजिटल डिलीवरी की पूरी कवायद को 15 अगस्त 2022 की समय सीमा के भीतर नागरिकों को 100 प्रतिशत सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से पूरा किया जाए।

सोनम देवानन्द शौकीन को जनसभा में ग्रामीणों ने दिया पूरा समर्थन

दिचाऊं कलां वार्ड 42-एस में जनसेवा के लिए लोगों के समक्ष रखा अपना विजन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नजफगढ़/शिव कुमार यादव। नजफगढ़ निगम जोन के दिचाऊं कलां वार्ड 42-एस के अन्तर्गत निर्दलीय उम्मीदवार सोनम देवानंद शौकीन ने शुक्रवार दिचाऊं गांव में एक जनसभा का आयोजन कर ग्रामीणों के समक्ष अपना चुनाव लड़ने का विजन रखा और जनसेवा की नई मिसाल पेश करने का दावा किया। यहां बता दें कि सोनम देवानंद शौकीन दिचाऊं कलां वार्ड से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ना चाहती है। उन्होने जनसभा में ग्रामीणों से अपने लिए समर्थन मांगा जिसपर जनसभा में मौजूद भारी भीड़ ने हाथ उठाकर उन्हे पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। साथ ही नारे भी लगाये कि सोनम शौकीन आगे बढ़ो हम तुम्हारे साथ हैं। दिचाऊं कलां गांव में जनसभा के दौरान सोनम देवानंद शौकीन ने ग्रामीणों के समक्ष अपना विजन रखते हुए कहा कि दिचाऊं कलां वार्ड 42-एस में वह सच्चें मन से जनसेवा करना चाहती है। जिसमें उन्होंने जनता से सहभागिता की अपील करते हुए कहा कि उनका विजन बिल्कुल स्पष्ट है। सबसे पहले वार्ड में कई जगह हैल्प डेस्क बनाये जायेंगे। जहां उनके कर्मचारी हमेशा जनसेवा के लिए तैयार होंगे। वह लोगों की परेशानियों व शिकायतों का निपटारा कराने के लिए अधिकारियों से बात करना व समाधान कराने का काम करेंगे। उन्होने बताया कि लोग इन हैल्प सैंटरों में स्वयं आकर या फिर कुछ फोन नंबर जारी किये जायेंगे जिनके माध्यम से संपर्क कर सकते है। वही लोगों के लिए अच्छे व स्वच्छ पार्क बनायें जायेंगे। पूरे वार्ड में बिना भेदभाव के साफ-सफाई का कार्य करवाया जायेगा। उन्होने ने कहा कि जब वह पार्षद बन जायेंगी तो जो भी फंड आयेगा उसे आरडब्ल्यूए व जनसहयोग समितियों के माध्यम से जहां जरूरी होगा वहां पहले खर्च किया जायेगा। उन्होने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि चुनाव का परिणाम चाहे जो भी हो लेकिन वह सच्चे मन से जनसेवा करना चाहती है। आज वार्ड में लोग समस्याओं से जूझ रहे है लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नही है। लोग अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के लिए निगम कार्यालयों के चक्कर लगाते है लेकिन फिर भी उनका समाधान नही होता है। जिसके लिए उन्होंने जनसेवा के लिए हरकौर मैमोरियल ट्रस्ट का गठन किया गया है जो हमेशा लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहेगी।

उन्होने एक सवाल के जवाब में कहा कि वह किसी से मुकाबला नही मानती। हम सब के बीच भाईचारा है और हमारा क्षेत्र है जिसकारण हम पूरे सद्भाव व शांति के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। साथ ही उन्होने कहा कि जनता अपना वोट सोच समझकर दे। सोनम देवानंद शौकीन ने बहुत सारी सुविधाएं जिनमें हेल्प डेस्क सुविधा, पार्क, साफ सफाई जैसे कई वादे लोगों को किए हैं जिसपर जनसभा में मौजूद लोगों ने कहा कि वह हमारे क्षेत्र की हैं और उन्हे भरोसा है कि वह हमारे लिए अच्छा काम ही करेंगी।

विकास शुल्क वृद्धि पर हरियाणा सरकार का यू टर्न, लिया फैसला वापस

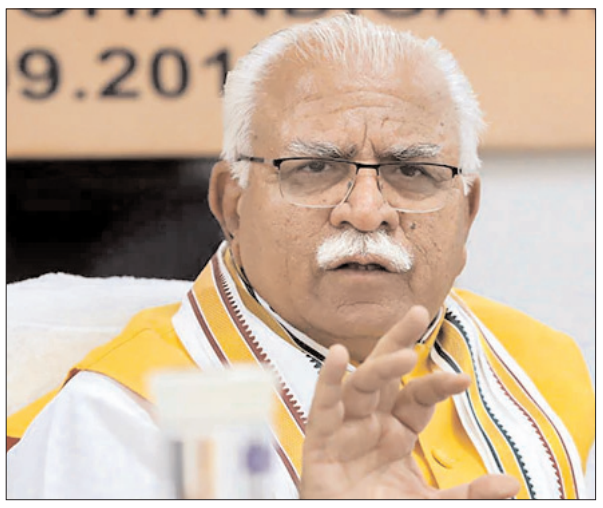

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

चंडीगढ़/शिव कुमार यादव। हरियाणा में अचानक नगर निकाय शुल्क में भारी बढ़ौतरी के फैसले पर हरियाणा सरकार ने भारी विरोध के चलते आखिरकार यू टर्न लेते हुए अपना फैसला वापस ले लिया है। अब लोगों को पुरानी दरों पर ही शुल्क अदा करना होगा।

नगर निकाय क्षेत्रों में रहे लोगों को अब विकास शुल्क के नाम पर भारी भरकम राशि नहीं देनी होगी। शहरी स्थानीय निकाय विभाग के नए फैसले को हरियाणा सरकार ने वापस ले लिया है। संबंधित कॉलोनी या क्षेत्र के कलेक्टर रेट की पांच प्रतिशत राशि विकास शुल्क के रूप में देने का फैसला वापल ले लिया है। विपक्ष के साथ-साथ तमाम लोग सरकार के इस फैसले का विरोध कर रहे थे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ओ पी धनखड़ ने भी सरकार से इस फैसले पर फिर से विचार करने की मांग की थी। बढ़ी ही शुल्क वजह से लोगों को 100 गज के प्लॉट का नक्शा पास कराने के लिए 2 लाख रुपये तक जमा कराने पड़ते। इसी प्रकार कमर्शियल प्लॉट के लिए भी लोगों को कई गुना अधिक राशि देनी होती। पहले आवासीय क्षेत्र के लिए 120 रुपये प्रति स्क्वेयर मीटर और कमर्शियल के लिए 1000 रुपये प्रति स्क्वेयर मीटर दरें थीं। नए फैसले के अनुसार यह दरें कोर एरिया, ओल्ड एमसी की पुरानी सीमा, लाल डोरा और जितनी भी नियमित कॉलोनियां होंगी उनमें लागू होनी थी। इसके साथ ही पहले से जमा विकास शुल्क वाले खाली प्लॉटों पर भी निर्माण के पूर्व के अंतर की रकम देने के बाद ही निर्माण की अनुमति का प्रावधान था। भविष्य में नई दरों से विकास शुल्क जमा कराने के बाद ही निर्माण की अनुमति मिल की बात कही गई थी। यह नियम आवासीय, औद्योगिक और संस्थागत सभी के लिए लागू होना था।

नजफगढ़ के रावता मोड़ पर भीषण सड़क हादसा, दो छात्रों की मौत

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

हादसा

● दिल्ली परिवहन निगम की बस व मोटरसाईकिल के बीच हुई टक्कर, एक बाईक पर सवार थे चार छात्र, दो गंभीर रूप से घायल

नजफगढ़/शिव कुमार यादव। नजफगढ़ के रावता मोड़ पर वीरवार दोपहर को डीटीसी की बस व मोटरसाईकिल के बीच एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसा इतना भंयकर था कि बाईक डिवाइडर पार कर सामने से आ रही बस में जा घुसी जिस पर बैठे चार युवकों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई और दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। चारों छात्र सुरहेड़ा स्कूल से पेपर देकर एक बाईक पर घर वापिस जा रहे थे। चारो छात्र हरियाणा के लोहट गांव के रहने वाले है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पंहुच गई और घायलों को राव तुला राम अस्पताल पंहुचाया। अस्पताल से दो युवको को ईलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया है जबकि दो को मृत घोषित कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। लेकिन बस चालक अभी फरार बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुरहेड़ा की तरफ से एक बाईक पर चार छात्र अपने घर लोहट गांव की तरफ जा रहे थे। अचानक उनकी बाईक का बैंलेस बिगड़ गया और ढांसा की तरफ से आ रही डीटीसी बस में बाईक जा घुसी। इस भीषण हादसे दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो घायलों को ईलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार चारो छात्र हरियाणा के लोहट गांव के रहने वाले थे चारो छात्रों की पहचान तुषार पुत्र संजीत कक्षा ग्याहरवी, आशीष पुत्र मंजीत बारहवी, विनीत पुत्र करमबीर दसवीं तथा नितिन पुत्र जयकुमार दसवीं क्लास के रूप में हुई है। इनमें से तुषार व नितिन की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि आशीष व विनीत को ईलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल भेजा गया है। चारो छात्र स्कूल से घर जा रहे थे तभी यह हादसा हो गया। ग्रामीणों की माने तो तुषार दो बहनों में एक भाई था और इसी तरह विनीत भी एक बहन व एक भाई था। हालांकि विनीत की अभी सांसे चल रही है लेकिन उसके सिर में गंभीर चोट आई है। जानकारी के अनुसार चारों गरीब परिवार से संबंध रखते है और इनके माता-पिता मजदूरी का काम करते हैं। बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए सुरहेड़ा के सरकारी स्कूल में दाखिल कराया गया था। लोगों का कहना है कि यदि मृतकों ने हेल्मेट पहन रखा होता तो आज उनकी जान बच जाती। लोगों का यह भी कहना है कि इसमें बस वाले की कोई गलती नही है। अगर इस हादसे में कोई बचता है तो वह बस वाले के कारण ही बच पायेगा क्योंकि बस चालक ने तुरंत ब्रेक लगाकर बस को रोक दिया था लेकिन लोगों की वजह से व गाड़ी छोड़कर भाग गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ओखला विहार मेट्रो स्टेशन पर दिल्ली पुलिस की नई डिजिटल पब्लिक लाइब्रेरी शुरू

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने मंगलवार को ओखला विहार मेट्रो स्टेशन पर दिल्ली पुलिस की तीसरी पब्लिक डिजिटल लाइब्रेरी का दिल्ली पुलिस मुख्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन किया। इस दिल्ली पुलिस पब्लिक लाइब्रेरी को गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल) और एनजीओ शिखर संगठन सामाजिक विकास के सहयोग से स्थापित किया गया है।अस्थाना ने दिल्ली पुलिस के साथ इस कार्य मे सहयोगी के रूप में जुड़ने के लिए दोनो संगठन को धन्यवाद दिया। सीपी ने संभावित लाभार्थियों की कामना करते हुए कहा, आने वाले 3 वर्षो में दिल्ली के सभी पुलिस स्टेशनों में समान सुविधाएं होंगी। इस अत्याधुनिक लाइब्रेरी में 80 व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था है और यह हाई-स्पीड इंटरनेट सुविधा वाले पांच कंप्यूटरों से सुसज्जित है।

लाइब्रेरी में कानून और प्रतियोगिता की पुस्तकों सहित सभी वर्गों के लिए विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला पर 3 हजार से अधिक पुस्तकें हैं। लाइब्रेरी में आने वाले छात्रों के लिए स्मार्ट कक्षाएं संचालित करने के लिए एक बड़ा इंटरैक्टिव डिजिटल बोर्ड भी स्थापित किया गया है। पुस्तकालय छात्रों के लिए सुबह 9:00 बजे से शाम 9:00 बजे तक खुला रहेगा। इस अवसर पर एक शॉर्ट फिल्म दिल्ली पुलिस के साथ-साथ छात्रों का विकास दिखाई गई। दिल्ली पुलिस के सार्वजनिक लाइब्रेरी न केवल युवाओं को पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं, बल्कि युवा समुदाय को दिल्ली पुलिस से भी जोड़ते हैं। दिल्ली पुलिस पब्लिक लाइब्रेरी द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं से अब तक 3 लाख से अधिक बच्चे व युवा लाभान्वित हो चुके हैं। इस अवसर पर स्पेशल सीपी एसबीके सिंह, सुंदरी नंदा, संजय बेनीवाल, मुकेश मीणा, संजय सिंह, नुजहत हसन, रोबिन हिबु आदि उपस्थित थे।

किसान आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज केस वापस लेने की तैयारी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली की सीमाओं पर कृषि कानूनों के विरोध को लेकर प्रदर्शन करने वाले किसानों के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज किए गए मामलों को वापस लेने तैयारी पूरी हो चुकी है और अभी 54 में से 17 मामलों को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसमें पिछले साल गणतंत्र दिवस पर लालकिला पर हुई हिंसा से जुड़ा एक मामला भी शामिल है। यह समझौता केंद्र सरकार व किसान मोर्चा के तहत हुआ था जिसे पूरा करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। तीन विवादित कृषि कानूनों को रद्द किए जाने के बाद दिसंबर 2021 में ये प्रदर्शन समाप्त हुए थे। केंद्र ने नवंबर 2020 और दिसंबर 2021 के बीच प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लेने पर भी सहमति जताई थी। किसानों पर दर्ज जिन मामलों को वापस लिया जाना है, उसमें वो दो मामले भी शामिल हैं, जिसमें पुलिस आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। बता दें कि तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर वर्ष 2020-21 में राजधानी की सीमाओं पर किसानों का आंदोलन चल रहा था। उस दौरान 26 जनवरी 2021 को किसानों के एक मार्च के दौरान लालकिला समेत राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में किसानों की पुलिस के साथ हिंसक झड़प हुई थी। पुलिस ने इस मामले में पहले 25 केस दर्ज किए थे।

प्रदर्शन — बगैर बताये वकील पर कार्यवाही को लेकर वकीलों ने किया सांकेतिक प्रदर्शन, भारी पुलिस बल तैनात

द्वारका कोर्ट में वकीलों ने किया पुलिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। वीरवार को द्वारका कोर्ट के वकीलों ने एक वकील को पुलिस द्वारा प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाते हुएं पुलिस के खिलाफ सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। दो घंटे तक चले इस प्रदर्शन में सैकड़ों वकीलों ने हिस्सा लिया। जिला जज नरोत्तम कौशल के आग्रह पर वकीलों ने प्रदर्शन बंद कर दिया। लेकिन इसके पहले वकीलों ने जिला जज से द्वारका के पुलिस उपायुक्त को 28 फरवरी तक हटाने की अपील भी कर डाली। वकीलों ने यह भी चेतावनी दी कि अगर उनकी मांग नही मानी गई तो वे द्वारका कोर्ट से द्वारका पुलिस उपायुक्त कार्यालय तक शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन करेंगे। द्वारका कोर्ट बार एसोसिएशन के एडवोकेट उमेश यादव ने बताया कि बार एसोसिएशन के सदस्य व वकील पंकज चौधरी ने पास्को के केस में अपने मुलजिम की अंतरिम जमानत कराई थी। उस केस में शिकायत कर्ता युवती ने कोर्ट परिसर से निकलते ही 22 फरवरी को पुलिस में शिकायत कर दी कि वकील ने उन्हें गंदा इशारा किया। शिकायत वापस लेने के लिए कहा और शिकायत वापस नहीं लेने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने बगैर किसी जांच पड़ताल के सीधे वकील के खिलाफ पास्को के तहत मामला दर्ज कर लिया और शाम को वकील को जांच के लिए बुला लिया।

पूछताछ के बाद पुलिस ने उन्हें रात को डेढ़ बजे छोड़ दिया लेकिन तड़के पांच बजे दो दर्जन पुलिसकर्मी पहुंच कर घर को घेर लिया। इसकी सूचना मिलने के साथ भारी संख्या में वकील भी पहुंच गए। मामला बिगड़ता देख पुलिस ने वकील को नोटिस देकर जांच में शामिल होने को कहा। इसी बीच वकील को पूर्वा सरीन की अदालत से अंतरित जमानत मिल गई। इसके बाद वकीलों ने 24 फरवरी शुक्रवार को पुलिसवालों के प्रताड़ना के विरोध में प्रदर्शन की योजना बनाकर बार एसोसिएशन के सूचना पट्ट पर चिपका दिया। पुलिस को जब प्रदर्शन का पता चला तो वकील पंकज चौधरी के घर पर दोबारा पहुंच गए। इस संबंध में वकील मनोज भारद्वाज बताते हैं कि यह दिल्ली पुलिस का ही एक आर्डर है कि किसी भी वकील पर मामला चलाने के पहले बार एसोसिएशन से अनुमति ली जाए लेकिन ऐसा न कर पुलिस ने गलत काम किया। वकीलों की दलील है कि पुलिस उपायुक्त फिल्मों से प्रेरित है और फिल्मी अंदाज में कार्रवाई करने का प्रयास कर शांति भंग कर रहे हैं। इनमें पुलिस बल को संभालने की क्षमता नहीं हैं इसलिए इन्हें यहां से हटाया जाए। प्रदर्शन के दौरान सैंकड़ों पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

ख़ास ख़बर

मुख्यमंत्री ने राहुल गाँधी से बुलवाया सार्वजनिक झूठ - अमित जोगी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/छत्तीसगढ़/शिव कुमार यादव। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष श्री राहुल गाँधी द्वारा कल उत्तर प्रदेश के अमेठी की चुनावी सभा में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा हर जिले में फ़ूड पार्क स्थापित करने के लिए की गयी तारीफ पर जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) अध्यक्ष अमित जोगी ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी को गलत जानकारी दी है और मुख्यमंत्री मंत्री अपने शीर्ष नेता से भी झूठ बोल रहे हैं। अमित जोगी ने कहा कि अभी तक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री केवल छत्तीसगढ़ की जनता से ही झूठे वायदे और झूठी घोषणाएं करते थे लेकिन अब वे अपने शीर्ष नेता से भी झूठ बोल रहे हैं और मुख्यमंत्री के इन झूठे दावों की बिना पुष्टि किये राहुल गाँधी लोगों के सामने गलत बयान देकर अपनी विश्वसनीयता संदेहास्पद बना रहे हैं। अमित जोगी ने मुख्यमंत्री से पूछा की छत्तीसगढ़ के किस जिले में कौन सा फूड प्रोसेसिंग पार्क सरकार ने खोला है इसकी जानकारी जनता के सामने सार्वजनिक करें। अमित जोगी ने कहा कि प्रदेश के किस किसान ने कौन सी केचप फैक्ट्री को अपने टमाटर बेचकर हाथों हाथ पैसे लिए हैं इसकी जानकारी भी सबके सामने लाएं। मुख्यमंत्री को छत्तीसगढ़ की जनता और श्री राहुल गाँधी के सामने ऐसे एक भी किसान को प्रस्तुत करने की चुनौती अमित जोगी ने दी।

कॉनफैडरेसन ने राजस्थान के मुख्यमंत्री के निर्णय को बताया ऐतिहासिक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/छत्तीसगढ़/शिव कुमार यादव। कॉनफैडरेसन आफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्स मार्टियरस वेलफेयर एसोसिएशन ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्णय को ऐतिहासिक बताया है। इसके साथ ही लाखों पैरामिलिट्री चौकीदारों ने मुख्यमंत्री के इस फैसले की प्रशंसा भी की है। महासचिव रणबीर सिंह ने प्रैस विज्ञप्ति जारी करते हुए अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों व केंद्रीय सरकार से अपील किया कि राज्यों व केंद्र सरकार के कर्मचारीयों व खास कर अर्धसैनिक बलों के जवानों के लिए पुरानी पैंशन बहाली की अतिशिघ्र घोषणा करें। साथ ही पैरामिलिट्री फोर्स की विधवाओं विरांगनाओं एवं जवानों के पैंशन, पुनर्वास एवं कल्याण हेतू अर्ध सेना झण्डा दिवस कोष व अर्ध सैनिक कल्याण बोर्ड का गठन करें। एक्स मैन व शहीद का दर्जा दिया जाए। बेहतर शिक्षा-स्वास्थ्य वास्ते राज्य की राजधानियों में अर्धसैनिक स्कूल व जिला स्तर पर सीजीएचएस डिस्पैंसरियों के विस्तार की वाजिब मांग की गई। जैसा कि मालुम है कि अभी 14 फरवरी को राजघाट पर देश भर से आए सैकड़ों पुर्व अर्धसैनिकों के परिवारों ने पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि देने उपरांत शहीद पार्क तक शांति पुर्ण धरना प्रदर्शन कर माननीय प्रधानमंत्री जी को ज्ञापन सौंपा गया था। वीएस कदम के अनुसार अर्द्धसैनिकों का भविष्य बिना पैंशन अंधकारमय हो गया है।

दिचाऊं वार्डः कार्यकर्ता सम्मेलन में नीलम कृष्ण पहलवान ने दिखाया दम

कार्यकर्ता सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब, लोगों ने कहा तन-मन-धन से साथ

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नजफगढ़/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा। दिल्ली में निगम चुनावों के ऐलान के बाद भावी उम्मीदवारों ने अपना जनसमर्थन अभियान छेड़ दिया है। भावी उम्मीदवार क्षेत्र में अपना दमखम दिखाने के लिए जनसभाओं व सम्मेलनों का सहारा ले रहे है। रविवार को दिचाऊं वार्ड की पार्षद नीलम कृष्ण पहलवान ने कार्यकर्ता सम्मेलन के जरीये अपना दम दिखाया। इस सम्मेलन में उमड़े जनसैलाब का आभार प्रकट करते हुए नीलम कृष्ण पहलवान ने कहा कि भरत सिंह के सपनों को पूर्ण करने के लिए हम सबकों भरत सिंह बनना होगा। वहीं जनसभा के अध्यक्ष कृष्ण पहलवान ने कहा कि समर्थकों का प्यार व साथ ही उनकी शक्ति है। हम यहां जनसेवा व क्षेत्र के विकास के लिए अड़े है। एक दिन हम सब मिलकर भरत सिंह के सपनों का नजफगढ़ जरूर बनायेंगे। इस सम्मेलन में उमड़े भारी जनसैलाब ने एक स्वर में नीलम कृष्ण पहलवान को अपना समर्थन दिया। रविवार को केपी फार्म में नीलम कृष्ण पहलवान ने अपने समर्थकों के साथ कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें दिचाऊं वार्ड के साथ-साथ नजफगढ़ विधान सभा से भी भारी संख्या में उनके समर्थकों ने भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न आरडब्ल्यूए व संगठनों के पदाधिकारियों ने खुलकर नीलम कृष्ण पहलवान को अपना समर्थन दिया। वही अपने समर्थकों का आभार प्रकट करते हुए नीलम कृष्ण पहलवान ने कहा कि भरत सिंह आज हमारे बीच नही है लेकिन फिर भी उनके समर्थक व उनका परिवार हमेशा उनके सपनों का नजफगढ़ बनाने के लिए दृढ संकल्पित है।

उन्होने केजरीवाल को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि केजरीवाल दिल्ली की जनता को एक शराब की बोतल पर एक फ्री बोतल दे रहे है। लेकिन हम एक पार्षद के साथ आपकों तीन पार्षद दे रहे है। अर्थात् उनके परिवार के सभी सदस्य जनसेवा में हमेशा तत्पर रहते है। साथ ही उन्होने कहा कि हमने अपने वार्ड के लोगों का सम्मान बढ़ाया है। आगे भी हम इसी तरह जनअपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे। उन्होने कहा मैं अपने समर्थकों की दिल से आभारी हूं कि इतने कम समय भी आपने इक्ट्ठें होकर अपनी शक्ति का अहसास कराया है। यहां बता दें कि नीलम कृष्ण पहलवान पिछले पांच साल से नजफगढ़ निगम जोन की बेस्ट पार्षद बनती आई है। वहीं आज की सभा के अध्यक्ष कृष्ण पहलवान ने कहा कि यह आपका प्यार ही है जो हमे आगे बढ़ने की शक्ति देता है। हम सब नजफगढ़ को दिल्ली में नंबर एक बनाने के भरत सिंह के सपने पर काम कर रहे है। हम अपने समर्थकों का सदा भरपूर साथ व सहयोग मिला है।

इसबार भी आप नीलम कृष्ण पहलवान को अपना समर्थन देकर हमारे हाथ मजबूत करें ताकि क्षेत्र में विकास के साथ-साथ अमन-चैन स्थापित किया जा सके। आज की जनसभा में महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद चंद्रशेखर आजाद की याद में दो मिनट का मौन भी धारण किया गया। वहीं सम्मेलन में दिल्ली दबंग के कप्तान मंजीत छिल्लर ने भी जनता से नीलम कृष्ण पहलवान को अपना समर्थन देने की अपील की। इस मौके पर मंजीत छिल्लर का लोगों ने दिल से स्वागत किया।

नजफगढ़ में बढ़ रही निगम अधिकारियों की मनमानी, लालडोरा में बन रहे मकान को तोड़ने पंहुचे

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। नजफगढ़ निगम जोन में भवन विभाग के अधिकारियों की मनमानी बढ़ती ही जा रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस अवैध निर्माण को अधिकारियों को रोकना चाहिए वहां तो कई-कई मंजिल की इमारते बन गई और जो निर्माण उनकी हद में ही नही है उनपर आखिर किस की सह पर अधिकारी कार्यवाही का दम भर रहे हैं। वैसे तो कानून के हिसाब से लाल डोरा में कोई भी निर्माण अवैध नही माना जाता है, वहां निगम का भवन विभाग भी कोई कार्यवाही नही कर सकता। लेकिन ईस्सापुर वार्ड कें उजवा गांव में निगम अधिकारियों की मनमानी सामने आई है। जहां एक व्यक्ति के मकान की पहली मंजिल को तोड़ने के लिए निगम का भवन विभाग पुलिस दलबल के साथ पंहुच गया। लेकिन ग्रामीणों के कड़े विरोध के चलते निगम व पुलिस टीम को वापस लौटना पड़ा। यहां बता दें कि उजवा गांव में मनोज चोटीवाला अपने मकान की पहली मंजिल पर निर्माण कर रहे थे। मकान गांव के लाल डोरा में होने के कारण इसके लिए निगम की अनुमति की भी जरूरत नही थी। लेकिन निगम के भवन विभाग के अधिकारी इस मकान को अवैध बताकर तोड़ने पंहुच गये। इस संबंध में मकान मालिक मनोज चोटीवाला ने बताया कि वह निगम चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। जो बात कुछ पार्षदों को रास नही आ रही है। यहां बता दें कि जिस व्यक्ति के मकान पर तोड़फोड़ की कार्रवाई करने के लिए निगम टीम पहुंची थी वह दिचाउं वार्ड की निगम पार्षद के करीबी मनोज चोटीवाला का है। मनोज चोटीवाला ने कहा कि उसका मकान लाल डोरे में आता है मकान की पहली मंजिल के ऊपर मकान बन रहा था। शनिवार को नगर निगम की टीम तोड़ने पहुंच गई लेकिन गांव के लोगों के विरोध की वजह से मकान बच गया। जमीन पर किसी तरह का विवाद नहीं है। मनोज ने यह भी कहा कि ईसापुर वार्ड के लाल डोरे में सैकड़ों मकान बन रहे हैं। कहीं भी निगम पुलिस को लेकर नहीं गई। वह चुनाव की तैयारी में है इसलिए उन को निशाना बनाया जा रहा है। वही नजफगढ़ निगम वार्ड जोन के चेयरमैन सत्यपाल मलिक ने कहा कि दिल्ली में 80 फीसदी आबादी के मकान इसी तरह बने हैं। अगर लालडोरा में कोई मकान बन रहा है तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। निगम उस पर कार्यवाही नही कर सकता। अगर किसी भी व्यक्ति के साथ ऐसा हुआ है तो गलत है और वह इसकी जांच कराएंगे।

क्रेड्यूस-एचसीपीएल के संयुक्त उपक्रम को भारत का सबसे बड़ा हाइड्रो पावर कार्बन क्रेडिट्स प्रोजेक्ट मिला

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। क्रेड्यूस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और एचसीपीएल के संयुक्त उपक्रम ने आज सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड के भारत के सबसे बड़े एकमात्र हाइड्रो पावर कार्बन क्रेडिट्स प्रोजेक्ट के लिए बोली जीतने की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट से सतलुज जल विद्युत निगम की विशिष्ट परियोजना से 80 मिलियन से ज्यादा कार्बन क्रेडिट्स बनेंगे और इस प्रकार यह देश में कार्बन क्रेडिट्स के दावे और व्यापार के लिये सबसे बड़ा सार्वजनिक-निजी गठजोड़ है। इस कार्बन क्रेडिट प्रोजेक्ट से एसजेवीएन को लगभग 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर का राजस्व मिल सकता है। एसजेवीएन ने कार्बन क्रेडिट्स के लिये योग्य सेवा प्रदाताओं को बोली के लिये आमंत्रित किया था। क्रेड्यूस और एचपीसीएल का संयुक्त उपक्रम निविदा की कठोर प्रक्रिया में विजेता बनकर उभरा। एसजेवीएन और क्रेड्यूस पेरिस जलवायु समझौते के नये नियमों के अनुसार भी चलना चाहते हैं। यह घोषणा साल 2070 तक नेट-ज़ीरो (शून्य) उत्सर्जन के मिशन की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीओपी26 समिट के दौरान की थी। इस बड़े गठजोड़ पर अपनी बात रखते हुए, क्रेड्यूस के संस्थापक शैलेन्द्र सिंह राव ने कहा, सीओपी26 में पीएम मोदी की घोषणा के अनुसार क्रेड्यूस ने कार्बन क्रेडिट्स पर दावे और उपयोग के लिये सभी हरित परियोजनाओं की स्वैच्छिक कार्बन क्रेडिट्स रूपरेखा और अनुपालन के भीतर निर्माण एवं सेवा की महत्वाकांक्षी यात्रा शुरू की है। हम इस डील का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जिसमें हम आने वाले दशक में कार्बन क्रेडिट्स और उनके राजस्व में लाखों का दावा करने में एसजेवीएन की सहायता करेंगे।एसजेवीएन के विशिष्ट और भविष्य के उत्पादों की संख्या निश्चित रूप से बैलेंस शीट की सेहत को बढ़ाने में सहायक होगी और हिमाचल प्रदेश तथा देश के अन्य भागों में ऐसी और भी परियोजनाओं के कार्यान्वयन को सहयोग देगी। हाइडेल कंसल्टेन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल) के प्रबंध निदेशक कार्तिक उपाध्याय ने कहा, हम भारतीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को कार्बन से मुक्त करने में सहायता के लिये क्रेड्यूस के साथ भागीदारी करके गर्व का अनुभव कर रहे हैं।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक यूपीआई लाभार्थी लेनदेन और फास्टैग का लीडर बनाः सतीश गुप्ता, पीपीबीएल सीईओ

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। 25 फरवरी 2022के लिये नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के डाटा के मुताबिक, भारत के देशी पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) द्वारा देश के यूनाइटेड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) परितंत्र और फास्टैग सेगमेंट का नेतृत्व जारी है। पीपीबीएल ने जनवरी 2022 में 957.39 मिलियन यूपीआई लेनदेन दर्ज कर देश के टॉप यूपीआई लाभार्थी बैंक के रूप में अपनी स्थिति को और भी मजबूत किया है। पीपीबीएल से पावर्ड पेटीएम यूपीआई काफी तेज और सुरक्षित मनी ट्रांसफर देता है। बैंक ने फास्टैग सेगमेंट में भी अपनी मजबूत पकड़ बना रखी है और जनवरी 2022 में 4.3 लाख से ज्यादा फास्टैग जारी किये है। पेटीएम फास्टैग की इस बेजोड़ लोकप्रियता का कारण उसके द्वारा यूजर्स को सीधे पेटीम वालेट से भुगतान करने की सुविधा देना है। यूजर्स को अपने फास्टैग्स रिचार्ज करने के लिये कोई अलग खाता बनाने या वालेट डाउनलोड करने की जरूरत नहीं है।

यूपीआई लेनदेन के लिये सबसे अच्छा ठिकाना

यूपीआई के परितंत्र में एक लाभार्थी बैंक के तौर पर पीपीबीएल की वृद्धि दिखाती है कि अब ज्यादा ग्राहक रोजाना के भुगतानों या बचत के लिये अपने पेटीएम पेमेंट्स बैंक खाते में पैसा लेना पसंद करते हैं। इससे पहले, दिसंबर 2021 में पीपीबीएल देश का पहला यूपीआई लाभार्थी बैंक बना था।

ड्रेस कोड पर एसडीएमसी सख्त, साउथ दिल्ली के स्कूलों में धार्मिक पोशाक पर रोक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

द्वारका/नई दिल्ली/भावना शर्मा। देश में स्कूलों में हिजाब पहनने को लेकर छिड़ी बहस अब दिल्ली तक भी पंहुच गई है। साउथ दिल्ली म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन की चेयरमैन निकिता शर्मा ने नोटिस जारी कर कहा है कि केवल स्कूल ड्रेस में ही बच्चों को निगम स्कूलों में एंट्री मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी धार्मिक पहचान के कपड़े पहनकर स्कूल आने की मनाही है। अभिभावक अपने बच्चों को केवल स्कूल ड्रेस में ही स्कूल भेजें। जारी नोटिस में कहा गया, यह देखा गया है कि कई माता-पिता अपने बच्चों को धार्मिक कपड़ों में स्कूलों में भेज रहे हैं। यह उचित नहीं है, बच्चे यूनिफॉर्म में बहुत सुंदर दिखते हैं और दक्षिणी दिल्ली नगर निगम समय-समय पर यूनिफॉर्म के रंग में बदलाव भी करता रहता है। स्कूलों में यूनिफॉर्म इसलिए लागू किए जाते हैं ताकि बच्चों में आपस में एक दूसरे के प्रति अमीर-गरीब को लेकर हीन भावना पैदा न हो। बच्चों के भीतर असमानता का भाव न आए इसलिए एक ही यूनिफॉर्म पहनना जरूरी है। यहां बता दें कि शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक कपड़े का मामला कर्नाटक के एक कॉलेज से शुरू हुआ जो धीरे-धीरे पूरे देश में फैलने लगा। हिजाब पहनकर क्लास में आने की मांग को लेकर कई लड़कियां अड़ गईं जिसके बाद अन्य छात्र भी इसके विरोध में भगवा शॉल ओढ़कर स्कूल आने लगे, स्थिति बेकाबू होने पर राज्य के स्कूल-कॉलेज बंद भी करने पड़े थे। इसके बाद मामला कर्नाटक हाईकोर्ट पहुंचा और अदालत ने आदेश आने तक शैक्षणिक संस्थानों में किसी भी प्रकार के धार्मिक पहचान के कपड़े पहनने पर रोक लगाई हुई है।

रेजॉइस हेल्थ फाउंडेशन द्वारा मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

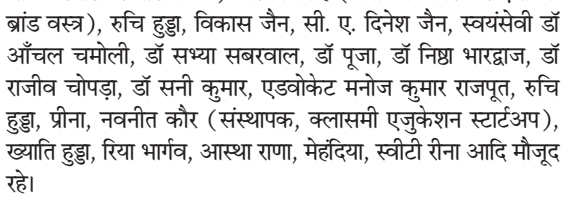

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। रेजॉइस हेल्थ फाउंडेशन द्वारा दिल्ली के नरेला गांव में स्थित शिव मंदिर धर्मशाला में मुफ्त स्वास्थ्य जांच का कैंप लगाया गया जिसमें हजारों लोगों को मुफ्त सैनिटरी नैपकिन, फेस मास्क, सैनिटाइजर, दवाइयां एवं खाद्य पदार्थ मुहैया कराया गया। कैंप में 25 से 30 डॉक्टर्स और स्वयंसेवकों ने भाग लिया एवं अपनी सेवा प्रदान की। आप को बता दे कि देश का पहला रेजॉइस आयुष अवार्ड उस समय के आयुष मंत्री श्रीपद नाइक की अध्यक्षता में शुरू किया गया और उसी दिन रेजॉइस हेल्थ फाउंडेशन ने राष्ट्रीय स्तर पर आई लव मॉम के नाम से मुहिम शुरू की जिसमें दिव्यांग जनों के हित के लिए दिव्यांग प्रमाण पत्र उनके घर पर मुहैया कराया जाए। इस संस्थान द्वारा कोरोना काल में देश के विभिन्न राज्यों में लाखों लोगों को इम्युनिटी बूस्टर दवाइयां मुफ्त में वितरण कराई और हजारों जरूरतमंद लोगों को मुफ्त में राशन भी दिया गया एवं सर्दी में जरूरतमंद लोगों को कंबल भी वितरण करें। संस्था ने भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, एम्स अस्पताल एवं जे. जे. अस्पताल (मुंबई) के साथ मिलकर कोरोना काल के दौरान कोविड पर शोध भी किया. संस्था को दिल्ली विश्वविद्यालय एवं विभिन्न संस्थानों द्वारा सहयोग मिलता रहता है। इस कार्यक्रम में संस्था की संस्थापक डॉ प्रीति वर्मा एवं ग्लोबल अध्यक्ष डॉ नवल कुमार वर्मा ने कैंप में आए अतिथिगण विमल अग्रवाल (मैनेजिंग डायरेक्टर, बीकानेरवाला राजौरी गार्डन) त्रिलोक सिंह (मैनेजिंग डायरेक्टर एथनिक ब्रांड वस्त्र), रुचि हुड्डा, विकास जैन, सी. ए. दिनेश जैन, स्वयंसेवी डॉ आँचल चमोली, डॉ सभ्या सबरवाल, डॉ पूजा, डॉ निष्ठा भारद्वाज, डॉ राजीव चोपड़ा, डॉ सनी कुमार, एडवोकेट मनोज कुमार राजपूत, रुचि हुड्डा, प्रीना, नवनीत कौर (संस्थापक, क्लासमी एजुकेशन स्टार्टअप), ख्याति हुड्डा, रिया भार्गव, आस्था राणा, मेहंदिया, स्वीटी रीना आदि मौजूद रहे।

फैशन

ब्लेजर ड्रेस में पाएं स्टाइलिश लुक

ब्लेजर ड्रेस पिछले कुछ समय से काफी चलन में हैं। यहां तक कि दीपिका पादुकोण से लेकर कृति सेनन जैसी बॉलीवुड बालाएं भी इसे अपने लुक का हिस्सा बना सकती हैं। यूं तो ब्लेजर ड्रेस आपको ऐसे ही एक स्टनिंग लुक देती हैं, लेकिन अगर आप इसमें अपने स्टाइलिंग गेम को और भी अधिक स्पाइस अप करना चाहती हैं तो ऐसे से आपको अपने आउटफिट के साथ-साथ एक्सेसरीज पर भी पूरा ध्यान देना चाहिए। इतना ही नहीं, अगर आप चाहें तो महज एक्सेसरीज की मदद से भी एक स्टेटमेंट लुक क्रिएट कर सकती हैं।

यूं तो थिन चेन हर तरह के आउटफिट के साथ अच्छी लगती है। लेकिन अगर आप चेन को एक अलग तरह से स्टाइल करना चाहती हैं तो ऐसे में एक थिक चेन को पहना जा सकता है। खासतौर से, कर्ब चेन स्टाइल ब्लेजर ड्रेस के साथ काफी अच्छा लगता है। इस लुक में भी दीपिका पादुकोण ने ब्लैक ब्लेजर ड्रेस के साथ थिक कर्ब चेन को स्टाइल किया है, जो उनके लुक को बेहद ही स्टाइलिश बना रही है।

नेकपीस की लेयरिंग

यूं तो ब्लेजर ड्रेस के साथ थिक चेन ही काफी अच्छी लगती है, लेकिन अगर आप अपनी एक्सेसरीज के साथ प्ले करना चाहती हैं तो ऐसे में नेकपीस की लेयरिंग करना एक अच्छा आइडिया हो सकता है। इस लुक में कृति सेनन ने भी कुछ ऐसा ही किया है। कृति ने डिफरेंट टाइप्स और लेंथ चेन को एक यूनिक तरीके से स्टाइल किया है, जिसके कारण उनका लुक काफी अच्छा लग रहा है। आप भी अगर एक्सेसरीज के जरिए एक डिफरेंट लुक कैरी करना चाहती हैं तो इस लुक को रिक्रिएट कर सकती हैं। जब ब्लेजर ड्रेस की स्टाइलिंग की बात होती है तो यह जरूरी नहीं है कि आप हर बार अपनी नेकपीस के साथ ही प्ले करें। अगर आप नेकपीस नहीं पहनना चाहती हैं तो ऐसे में इयररिंग्स के जरिए भी एक डिफरेंट स्टाइल को कैरी कर सकती हैं। मसलन, बिग हूप्स भी ब्लेजर ड्रेस के साथ बेहद अच्छे लगते हैं। कृति सेनन ने इस ब्लेजर ड्रेस के साथ हूप्स को स्टाइल किया है। वैसे हूप्स के अलावा लॉन्ग ड्रॉप इयररिंग्स भी आपके लुक को खास बनाएंगे।

साड़ी के साथ वेस्टर्न टॉप

साड़ी एक ऐसा परिधान है जो कई तरह से पहना जाता है। अकेले भारत में ही हर प्रांत और जगह के हिसाब से साड़ी पहनने का तरीका अलग है। अब तो यंगस्टर्स ने इसे इंडो वेस्टर्न लुक भी दे दिया है। मतलब अब साड़ी का झंझट नहीं, मिक्स एंड मैच का जादू है, जो किसी भी अवसर पर छा सकती है। चाहे किसी वेडिंग या पार्टी में पहननी हो या किसी त्योहार पर कैरी करनी हो, साड़ी का अनूठा अंदाज सबको लुभा लेता है।

डेनिम टॉप या शर्ट- वैसे तो आजकल डेनिम के ब्लाउज भी बनाए जा रहे हैं, लेकिन शर्ट स्टाइल टॉप साड़ी के साथ मॉर्डन और एलिगेंट लुक देता है। इसकी कॉलर में लेस वर्क या एम्ब्रायडरी भी अच्छी लगेगी। इसे आप प्रिंटेड साड़ी के साथ कैरी कर सकती हैं। आप चाहें तो सिंपल शर्ट स्टाइल में स्लीवलेस टॉप भी चुन सकती हैं।

जैकेट स्टाइल शॉर्ट टॉप- आजकल इस टॉप को सेलिब्रिटीज भी साड़ी के साथ बहुत पहन रही हैं। इसमें भी ब्रोकेड, सिल्क, रॉ सिल्क या हैवी एम्ब्रॉयडरी वाले टॉप सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं।

जैकेट स्टाइल लॉन्ग टॉप- ये भी आजकल साड़ी के साथ बहुत पसंद किए जा रहे हैं। जिनसे साड़ी को ओवरऑल एक ड्रेस जैसा लुक मिलता है। इनमें भी हैवी लुक के लिए ब्रोकेड या सिल्क के हैवी जैकेट पहने जाते हैं, जबकि सिंपल गेट टुगेटर या पार्टी के लिए जॉर्जेट, शिफॉन, प्रिंटेड सिल्क या मल कॉटन के श्रग जैसे जैकेट्स पसंद किए जा रहे हैं।

पेपलम टॉप- वैसे टॉप का यह स्टाइल स्कर्ट्स, लहंगे और ट्राउजर्स के साथ भी अच्छा लगता है और आजकल यह ट्रेंड में भी है। लेकिन साड़ी के साथ इसका लुक और भी कमाल होता है। ऊपर से ब्लाउज जैसा फिट और फिर नीचे से थोड़ा सा घेर चुन्नटों के साथ। यह टॉप साड़ी को अल्टरमॉर्डन और ट्रेडिशनल दोनों का परफेक्ट कॉम्बिनेशन देता है।

हॉल्टर नेक- एक परफेक्ट इंडो वेस्टर्न लुक के लिए परफेक्ट चॉइस। हॉल्टर नेक टॉप आपकी साड़ी को एकदम से पूरी तरह बदल डालता है। कॉकटेल पार्टी हो या गेट टुगेदर, यह टॉप आपके स्टाइल स्टेटमेंट को देता है एक नई डेफिनेशन।

टीशर्ट ब्लाउज- ये सबसे कूल लुक है। इसके लिए चाहें तो अपना कोई भी पुराना टीशर्ट यूज करें या साड़ी की मैचिंग का टीशर्ट खरीद लें।

पत्रकार
मानसी शर्मा

स्टाइल

ब्लैक एंड व्हाइट भी देगा कूल लुक

फैशन में कपड़ों के कलर का बड़ा योगदान है। कभी पेस्टल तो कभी नियॉन और ब्राइट शेड के बाद इन दिनों सफेद और काले रंग के कपड़े कुछ ज्यादा ही नजर आ रहे हैं। वैसे तो फैशन सेट करने का काम सेलिब्रेटी और सितारे करते हैं। तो अगर आप इन हसीनाओं को देखकर फैशन टिप्स लेती हैं। जरूर देखें इन हसीनाओं के सफेद तो कभी काले कपड़े में खूबसूरत लुक और लें स्टाइल टिप्स।

दीपिका पादुकोण

स्टाइल क्वीन दीपिका पादुकोण इन दिनों अपने फैशन सेंस को पूरी तरह से अपग्रेड कर चुकी हैं। तभी तो हर उनकी ड्रेस चर्चा का विषय बन जाती हैं। वैसे इन सारी बोल्ड ड्रेस में एक चीज जो कॉमन दिख रही है। वो है सफेद और काला रंग। दीपिका पादुकोण एक के बाद एक ऐसे ही रंग के कपड़ों में दिख रही हैं।

शनाया कपूर

अगर आप स्टार किड्स शनाया कपूर के फैन हैं तो उनकी इन स्टाइल से भी टिप्स ले सकती हैं। अपनी बेस्ट फ्रेंड अनन्या पांडे और सुहाना खान के साथ डिनर के लिए निकली शनाया सफेद रंग की शार्ट कटआउट ड्रेस में रेडी थी। इस के साथ ही इंस्टाग्राम पर भी उनका सफेद कपड़ों को लेकर प्यार नजर आ ही जाता है।

अनन्या पांडे

वैसे तो अनन्या पांडे कलरफुल कपड़े ही पहने दिखती हैं। लेकिन फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर के पोस्ट वेडिंग पार्टी में ब्लैक कलर की ड्रेस में पहुंची थीं। अनन्या ने ब्लैक कलर की ब्लेजर ड्रेस का चुनाव किया था। जिस पर डबल बटन से डिटेलिंग की गई थी। वहीं इस ब्लेजर के साथ ही शार्ट स्कर्ट ऐड थी। जो इस ब्लेजर ड्रेस को और भी फार्मल कम पार्टी लुक ज्यादा देने के लिए काफी दिख रही थी।

श्रद्धा कपूर

अगर आप सिंपल और ईजी लुक की चाह रखती हैं तो श्रद्धा कपूर पिछले दिनों सफेद रंग टॉप और जींस में नजर आई थीं। काम के सिलसिले में निकलीं श्रद्धा ने क्रिसक्रॉस पैटर्न और कोल्ड शोल्डर डिजाइन वाला लूज फिटिंग टॉप कैरी किया था। जो कि इन दिनों चल रहे ट्रेड के हिसाब से बिल्कुल परफेक्ट दिख रहा था। इस टॉप को डेनिम जींस के साथ पेयर किया गया था।

प्यारी लेगिंग्स का आसान रखरखाव

आरामदायक बॉटम वियर में लेगिंग्स एक अच्छा विकल्प है। इसीलिए हर लड़की के वॉडरोब में लेगिंग्स जरूर शामिल होती है। लेगिंग्स की एक खास बात ये होती है कि इसे लड़कियां किसी भी तरह के अपर वियर के साथ आसानी से कैरी कर सकती हैं। चाहे कुर्ती हो या टी शर्ट हो किसी के साथ भी आप लेगिंग्स को पेयर कर सकती हैं। लेगिंग्स कम्फर्ट के साथ ही स्टाइलिश लुक भी देती हैं। लड़कियों के बीच लेगिंग्स की अधिक डिमांड होने के कारण मार्केट में इसकी कई वैरायटी भी उपलब्ध हैं। प्लेन लेगिंग्स से लेकर प्रिंटेड लेगिंग्स तक आपको बाजार में मिल जाएंगी। हालांकि लेगिंग्स के साथ एक परेशानी अक्सर देखने को मिलती है कि वह अधिकतर जल्दी खराब हो जाती हैं। लेगिंग्स कुछ बार पहनने के बाद ही लूज होने लगती है। कभी कभी लेगिंग्स का कपड़ा घिसने भी लगता है। ऐसे में आप पैसे लगगर मनपसंद लेगिंग्स ले तो लेते हैं पर अधिक समय तक उसे कैरी नहीं कर सकते। आइए जानते हैं वो उपाय जिनसे आपकी लेगिंग्स जल्दी खराब होने से बच जाएंगी।

लेगिंग्स को अधिक न धोएं

कपड़े जरूरत से ज्यादा धोने से भी खराब होते हैं। लेगिंग्स के साथ तो यही बड़ी वजह होती है। आवश्यकता से अधिक कपड़े धोने से उनकी लाइफ कम हो जाती है। इसलिए प्रयास करें कि दो तीन बार पहनने के बाद लेगिंग्स को धोएं। इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि आप गन्दी लेगिंग्स पहन लें। जरूरत लगे तो बिल्कुल धोएं।

लेगिंग्स को धोने का सही तरीका

कभी कभी आप को ये पता नहीं होता कि किस फैब्रिक को किस तरह से धोना है। ऐसे में कपड़े गलत तरीके से वॉश करने से भी खराब होते हैं। लेगिंग का मटेरियल स्ट्रेची होता है और स्पैन्डेक्स, नायलॉन और कॉटन फैब्रिक की अधिकतर लेगिंग्स होती हैं। अगर लेगिंग्स को हार्श तरीके से धोएंगे तो वह खराब हो जाएगी। भी लेगिंग्स को नुकसान होता है। इससे लेगिंग की इलास्टिसिटी को नुकसान होता है। इसलिए लेगिंग्स को डेलीकेट तरीके से वॉश करना चाहिए। एक बात ध्यान रखें कि कपड़े धोने के लिए हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें। हो सके तो लेगिंग्स हाथों से धोएं। अगर वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल कर रहे हैं और लंबे समय तक स्पिन न करें। लेगिंग्स को उल्टा करके ही वॉशर में डालें।

लेगिंग्स धोने में न करें फैब्रिक सॉफ्टनर का इस्तेमाल

लेगिंग्स को वॉश करने में अगर आप फैब्रिक सॉफ्टनर का इस्तेमाल करते हैं, तो इसे अभी रोक दें। स्पैन्डेक्स या पॉलिएस्टर जैसे फैब्रिक की लेगिंग में फैब्रिक सॉफ्टनर का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं करना चाहिए। फैब्रिक सॉफ्टनर की जगह लेगिंग्स धोने से पहले आधे घंटे के लिए उसे एक चौथाई कप सिरका और ठंडे पानी में भिगोकर रख दें।

लेगिंग्स सुखाने का तरीका

लेगिंग्स के रखरखाव में मात्र उनके वॉश पर ही नहीं बल्कि कपड़े सुखाने के सही तरीके पर भी ध्यान देना चाहिए। लेगिंग्स को ड्रायर में बिल्कुल भी मत सुखाइए। ड्रायर की हाई हीट से आपकी लेगिंग खराब हो सकती है। उसमें छेद होने लगते हैं। लेगिंग को हवा में लटकाकर सूखाने की बजाय किसी समतल जगह पर सुखाएं।

टिप्स

स्किनकेयर ट्रेंड्स को करें फॉलो

जानकारों की मानें तो साल 2022 में भी कई स्किन केयर ट्रेंड्स देखने को मिलेंगे जो 2021 के ट्रेंड्स की तरह ही होंगे। आई जानते हैं साल 2022 के स्किन केयर ट्रेंड्स के बारे में -

आई मेकअप में एक्सपेरिमेंट

साल 2022 में आई मेकअप का काफी ट्रेंड रहेगा। इस साल महिलाएं आईशैडो, आई लाइनर, मस्कारा जैसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स से आंखों को स्टाइल करना चाहेंगी। साल 2022 में महिलाएं आंखों के मेकअप के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करेंगी।

मास्क मेकअप

कोरोनाकाल में मास्क लगाना जरूरी है इसलिए साल 2022 में मास्क मेकअप नया ट्रेंड होगा। इस साल महिलाएं मास्क के अंदर कैसा मेकअप करें और मेकअप को लंबे समय तक कैसे टिका सकें, इस पर जोर देंगी।

बोल्ड मेकअप

साल 2022 में बोल्ड मेकअप का ब्यूटी ट्रेंड होगा। महिलाएं वेस्टर्न और एथनिक ड्रेसेज के साथ बोल्ड और ब्राइट मेकअप करना पसंद करेंगी। इसके अलावा महिलाएं अच्छे फाउंडेशन पर भी जोर देंगी क्योंकि इससे ही एक अच्छा बोल्ड लुक मिलेगा।

मिनिमल स्किन केयर रिजाइम

साल 2022 में मिनिमल स्किन केयर रिजाइम का ट्रेंड होगा। महिलाएं अपनी त्वचा की देखभाल के लिए 8-10 अलग-अलग प्रोडक्ट्स के बजाय कम ब्यूटी प्रोडक्ट्स में इन्वेस्ट करना पसंद करेंगी। इसके अलावा हर्बल ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी इस साल खूब ट्रेंड में रहेंगे।

कोरियन स्किनकेयर

पिछले कुछ समय से कोरियन स्किनकेयर का काफी ट्रेंड है और अभी भी यह ट्रेंड बरकरार रहेगा। कोरियन ब्यूटी प्रोडक्ट्स और स्किन केयर प्रोडक्ट्स की मांग मार्केट में बढ़ती जा रही है। लोग कोरियन ब्यूटी और स्किन केयर प्रोडक्ट्स में इंवेस्ट करना पसंद करेंगे।

होममेड फेस मास्क

साल 2022 में होममेड फेस मास्क का ट्रेंड रहेगा। त्वचा की अच्छी देखभाल के लिए लोग घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा हल्दी और एवोकाडो से बने होममेड फेस मास्क पसंद किए जाएंगे।

सोने से पहले करें ये 3 चीजें, मिलेगी बेदाग त्वचा

फेस क्लींजर

चाहे आप घर पर रहें या बाहर, धूल मिट्टी और प्रदूषण चेहरे पर चिपक जाते हैं। यह कण इतने बारीक होते हैं कि सामान्य तौर पर दिखाई नहीं देते। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के मुताबिक रात को सोने से पहले अपने चेहरे को क्लींजर से जरूर साफ करें। इससे चेहरे पर जमा गंदगी और ऑयल साफ हो जाएगा और आपको ग्लोइंग स्किन मिलेगी।

टोनर

बहुत सी महिलाएं स्किन केयर रूटीन में टोनर को स्किप कर देती हैं। जबकि यह स्किनकेयर का एक जरूरी स्टेप है। टॉनिक इस्तेमाल से व्याख्या हटाने में मदद मिलती है और यह ओपन पोर्स की समस्या को भी दूर करता है। रात को क्लींजर से चेहरा साफ करने के बाद टोनर का इस्तमाल करें। इससे ड्राई स्किन और मुंहासों की समस्या दूर होगी और चेहरे की कसावट बनी रहेगी।

मॉइश्चराइजर

चाहे गर्मी हो या सर्दी, चेहरे पर मॉइश्चराइजर या ऑयल जरूर लगाएं। आप अपनी स्किन के अनुसार, मॉइश्चराइजर का चुनाव कर सकते हैं। अगर आपकी स्किन ऑयली है तो नॉन ऑइली मॉइश्चराइजर चुनें। वहीं, नॉर्मल या ड्राई स्किन वालों के लिए क्रीम बेस्ड मॉइश्चराइजर अच्छा रहता है। मुशायरा की जगह आप ऑलिव ऑयल या जोजोबा ऑयल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

महिला हॉकी विश्व कप में भारत का पहला मैच तीन जुलाई को इंग्लैंड से

एजेंसी ■ भुवनेश्वर

भारत इस साल नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत तीन जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ करेगा। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने मंगलवार को विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा की। भारत को पूल बी में रखा गया है जहां उसका मुकाबला पांच जुलाई को चीन से और सात जुलाई को न्यूजीलैंड से होगा। भारत एक से 17 जुलाई तक होने वाली इस प्रतियोगिता में पूल चरण के अपने मैच नीदरलैंड के एम्सटेलवीन के वैगनर हॉकी स्टेडियम में खेलेगा। कार्यक्रम सार्वजनिक होने के बाद भारतीय महिला टीम की हॉफबैक सुशीला चानू ने कहा कि टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी का सामना करने से नहीं घबराएगी। चानू ने वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह मायने नहीं रखता कि किस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ हम अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। हम डरते नहीं हैं क्योंकि हमारी सोच और मानसिकता प्रत्एक मैच को अगले मैच की तरह लेने की है। हम प्रत्एक मैच को जीतने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, हमने हाल में ओमान के मस्कट में एशिया कप और फिर एफआईएच प्रो लीग में चीन का सामना किया था। इससे हमें फायदा मिलेगा। चानू ने कहा, हम अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ हॉकी प्रो लीग के मैच खेलेंगे। हम न्यूजीलैंड से आखिरी बार 2020 में खेले थे, इसलिए हम इन टीम को अच्छी तरह से जानते हैं। हमें पता है कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए किस तरह से तैयारी करनी है। भारतीय फॉरवर्ड नवनीत कौर ने कहा कि टीम ने पिछले दो वर्षों में काफी आत्मविश्वास हासिल किया है और अब वह किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने से घबराती नहीं है। उन्होंने कहा, लगभग दो-तीन साल पहले हम मजबूत प्रतिद्वंद्वियों का सामना करने को लेकर चिंतित हो जाते थे लेकिन अब टीम में ऐसा कोई डर नहीं है।

पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी भगत, कदम का इरादा स्पेन में जीत के साथ नए सत्र के आगाज का

एजेंसी ■ नई दिल्ली

एक महीने तक स्पेन में अभ्यास करने के बाद भारत के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत और सुकांत कदम 2022 सत्र की शुरूआत स्पेनिश ओपन टूर्नामेंटों में जीत के साथ करना चाहते हैं। भगत और कदम दोनों स्पेनिश ओपन टूर्नामेंट खेलेंगे जो तीन दिन के अंतराल पर खेले जाने हैं। पहला टूर्नामेंट ग्रेड टू टूर्नामेंट है जो मंगलवार से विक्टोरिया में शुरू होगा जबकि दूसरा ग्रेड वन टूर्नामेंट नौ से 13 मार्च तक कार्टाजेना में खेला जाएगा। भगत ने एक विज्ञप्ति में कहा , सत्र की शुरूआत में स्पेन के यह टूर्नामेंट काफी अहम है। मैं पिछले एक महीने से स्पेन में अभ्यास कर रहा हूं और इससे मुझे अतिरिक्त फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा , यह साल काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेल होने हैं। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज कदम ने कहा , मैं युगांडा इंटरनेशनल और राष्ट्रीय टूर्नामेंट जीतने के बाद जीत की लय कायम रखना चाहता हूं। मैने अपने खेल पर काफी मेहनत की है और इसी वजह से स्पेन जल्दी आ गया ताकि पूरा फोकस कर सकूं। भगत एकल, युगल और मिश्रित युगल खेलेंगे जबकि कदम एकल और युगल में भाग लेंगे।

ख़ास ख़बर

सीनियर राष्ट्रीय शतरंज : पांच खिलाड़ियों को बढ़त

कानपुर। मौजूदा चैंपियन अरविंद चिदंबरम सहित पांच खिलाड़ियों ने मंगलवार को यहां 58वी सीनियर राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप के आठवें दौर के बाद समान 6.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त हासिल की। आठवें दौर में तमिलनाडु के ग्रैंडमास्टर पी इनियान ने शीर्ष वरीयता प्राप्त बी अधिबान को हराया, जबकि अंतरराष्ट्रीय मास्टर पी प्रणव ने अनुभवी ग्रैंडमास्टर दीप सेनगुप्ता को पराजित किया। इन जीत से इनियान और प्रणव ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी और डी गुकेश के साथ शीर्ष पर पहुंच गए। एक अन्य मुकाबले में चिदंबरम ने रेलवे के सायंतन दास को हराया। कल तक संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे एरिगैसी और गुकेश ने क्रमशः एन आर विशाख और एम आर ललित बाबू से अपनी बाजियां ड्रा खेली जिससे इनियान, प्रणव और चिदंबरम को शीर्ष पर पहुंचने में मदद मिली। अन्य बाजियों में ग्रैंडमास्टर मित्राभ गुहा और आर्यन गुहा ने आपस में अंक बांटे जबकि अभिजीत गुप्ता ने रेलवे के एस नितिन को हराया।

सौरभ चौधरी ने आईएसएसएफ विश्व कप में स्वर्ण जीता

काहिरा। भारत के स्टार निशानेबाज सौरभ चौधरी ने इस साल के पहले आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया है। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता चौधरी ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में जर्मनी के माइकल श्वाल्ड को पछाड़ा। रूस के अर्टेम चेरनोसोव ने कांस्य पदक जीता। यूक्रेन पर रूस के सैन्य हमले के कारण उसका ध्वज हटा दिया गया था। ओलंपियन और युवा ओलंपिक स्वर्ण जीत चुके चौधरी क्वालीफिक्रेशन में 584 स्कोर करके तीसरे स्थान पर थे। उन्होंने रिले वन के आखिरी चरण में 38 स्कोर करके पहला स्थान पाया। पदक के मुकाबले में उन्होंने 42 . 5 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत की एशा सिंह, श्री निवेता और रूचिता विनेरकर चुनौती पेश करेंगी।

टूर्नामेंट

विश्व कप ट्रॉफी के साथ अपनी लंबी यात्रा का अंत करना चाहती हैं मिताली

एजेंसी ■ रंगियोरा (न्यूजीलैंड)

विश्व कप में पहली बार 22 साल पहले भाग लेने के बाद अब महिलाओं के इस महत्वपूर्ण क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत की अगुवाई करने के लिए तैयार मिताली राज ने कहा कि उन्होंने अपने लंबे करियर में लगभग सब कुछ हासिल किया है लेकिन इस प्रतिष्ठित ट्राफी को प्राप्त करने का उनका सपना अब भी अधूरा है। मिताली न्यूजीलैंड में ही 2000 में खेले गए विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा थी। इसके दो दशक से भी अधिक समय बाद वह इसी देश में अपनी टीम की कप्तानी कर रही हैं। इस बीच 2017 में ऐसा समय भी आया जब उनकी टीम फाइनल में इंग्लैंड से हार गई थी। इसके अलावा वह 2005 में दूसरे स्थान पर रही टीम का भी हिस्सा थी। मिताली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, मैंने विश्व कप 2000 से लेकर लंबी राह तय की है। वह विश्व कप भी न्यूजीलैंड में ही खेला गया था। टाइफॉयड होने के कारण मैं उस विश्व कप के मैचों में नहीं खेल पाई थी। अब मैं फिर से यहां हूं। यह लंबी यात्रा रही है और मैं इसका सुखद अंत करना चाहती हूं। उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि हमारे सभी खिलाड़ी विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करें। इससे भारत को यह प्रतिष्ठित कप हासिल करने में मदद मिलेगी। भारत पिछली श्रृंखला में न्यूजीलैंड से।-4 से हार गया था लेकिन मिताली ने कहा कि उनकी टीम चार मार्च से तीन अप्रैल तक होने वाले विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, विश्व कप से पहले हम जिन क्षेत्रों में सुधार करना चाहते थे उन पर हमने पिछली श्रृंखला और उससे पहले के मैचों पर ध्यान दिया।

हरमनप्रीत वनडे रैंकिंग में 20वें स्थान पर मिताली दूसरे स्थान पर बरकरार

एजेंसी ■ दुबई

भारत की हरमनप्रीत कौर आईसीसी द्वारा जारी महिला वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में एक पायदान चढकर 20वें स्थान पर है जबकि कप्तान मिताली राज दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं। हरमनप्रीत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे में 66 गेंद में 63 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। उन्होंने इस पारी से भारत को जीत दिलाकर न्यूजीलैंड को क्लीन स्वीप से रोका। मिताली और स्मृति मंधाना क्रमशः दूसरे और आठवें स्थान पर हैं। हरफनमौला दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की रैंकिंग में एक पायदान चढकर 12वें स्थान पर है। वह हरफनमौलाओं की रैंकिंग में एक स्थान नीचे पांचवें स्थान पर आ गई है। गेंदबाजों की रैंकिंग में झूलन गोस्वामी शीर्ष 10 में अकेली भारतीय हैं जो चौथे स्थान पर है। न्यूजीलैंड की अमेलिया केर ने भारत के खिलाफ आखिरी दो वनडे में शानदार प्रदर्शन किया। इसकी बदौलत वह बल्लेबाजी रैंकिंग में पांच पायदान चढकर 17वें स्थान पर हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में वह चार पायदान चढकर 17वें स्थान पर पहुंच गई। हरफनमौलाओं की रैंकिंग में वह दो पायदान चढकर चौथे स्थान पर है। बल्लेबाजी में एलिसा हीली शीर्ष पर है।

बुमराह ने कहा, कोहली के समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण हैं 100 टेस्ट

एजेंसी ■ मोहाली

जसप्रीत बुमराह ने विराट कोहली की अगुवाई में ही टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और अब जबकि यह स्टार बल्लेबाज अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने की तैयारी कर रहा है तब भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ और वर्तमान में उप कप्तान ने कहा कि यह विशिष्ट उपलब्धि उनके पूर्व कप्तान की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। श्रीलंका के खिलाफ चार मार्च से यहां शुरू होने वाला टेस्ट कोहली का 100वां टेस्ट मैच होगा। बुमराह ने 2018 में कोहली की कप्तानी में ही अपना पहला टेस्ट मैच खेला था। बुमराह ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह किसी भी खिलाड़ी के लिए विशेष उपलब्धि होती है। यह उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने कहा, अपने देश के लिए 100 टेस्ट मैच खेलना विशिष्ट अवसर होता है और उन्होंने भारतीय टीम की सफलता में बहुत अधिक योगदान दिया है और भविष्य में भी ऐसा करेंगे। बुमराह से पूछा गया कि क्या वह कोहली को इस विशेष अवसर पर कुछ उपहार देंगे, उन्होंने कहा, अगर भारतीय टीम जीत दर्ज करती है तो फिर इससे बेहतर तोहफा कुछ नहीं हो सकता है। वह (कोहली) एक क्रिकेटर के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ देना पसंद करते हैं। मोहाली टेस्ट में दर्शकों को अनुमति नहीं दी गई है। इस बारे में बुमराह ने कहा, हम अभी केवल उस चीज पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो हमारे नियंत्रण में है। यदि दर्शक आते तो हमारा हौसला बढ़ता लेकिन यह ऐसी चीज हैं जिस पर हमारा नियंत्रण नहीं है। हमारे पास इसको लेकर कोई अधिकार नहीं हैं। हम नियम तय नहीं करते।

अभ्यास के दौरान सहज नजर आ रहे हैं अश्विन : बुमराह

भारतीय उप कप्तान जसप्रीत बुमराह ने कहा कि स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अपनी चोट से अच्छी तरह उबर रहे हैं और वह श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले अभ्यास के दौरान सहज नजर आ रहे हैं। चोट के कारण अश्विन हाल में वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। बुमराह ने शुक्रवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, टेस्ट टीम पहले ही यहां पहुंच चुकी है और अभ्यास कर रही है। वह (अश्विन) चोट से उबर गए हैं। मैं नहीं जानता कि उन्हें अब किसी तरह की कोई परेशानी है। उन्होंने कहा, वह (अश्विन) आज अभ्यास के दौरान सहज नजर आ रहे थे। उन्होंने गेंदबाजी, बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण किया। इसलिए मुझे लगता है कि वह अच्छी स्थिति में हैं। बुमराह ने कहा कि उप कप्तान बनने से उनकी भूमिका पहले की तरह ही बनी हुई है। उन्होंने कहा, टीम का सीनियर सदस्य होने के नाते आपको खिलाड़ियों की मदद करनी होगी। मैं पहले भी कह चुका हूं कि उप कप्तान केवल एक पद है। बुमराह ने कहा कि उनका प्रयास किसी भी तरह से कप्तान रोहित शर्मा की मदद करना होगा।

बायो बबल की थकान के कारण जैसन रॉय आईपीएल से हटे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इंग्लैंड के बल्लेबाज जैसन रॉय ने बायो बबल की थकान का हवाला देकर आईपीएल से नाम वापिस ले लिया है जिससे टूर्नामेंट शुरू होने से तीन सप्ताह पहले गुजरात टाइटंस टीम को करारा झटका लगा है। दक्षिण अफ्रीका में जन्में इंग्लैंड के 31 वर्षीय क्रिकेटर जैसन रॉय को टाइटंस ने उनकी मूल कीमत दो करोड़ रूपए में खरीदा था। रॉय ने ट्वीट किया , भारी मन से मैने इस साल टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। मैं टीम प्रबंधन और कप्तान हार्दिक को मुझ पर भरोसा करने और नीलामी में मुझे चुनने के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा , पिछले तीन साल से दुनिया में जो कुछ हो रहा है, उसका असर मुझ पर पड़ा है। यही वजह है कि मुझे लगता है कि परिवार के साथ समय बिताना अहम है। उन्होंने कहा , इसके साथ ही अगले कुछ महीने अपने खेल पर काम करना चाहता हूं।

मैं गुजरात टाइटंस का हर मैच देखूंगा और उनकी हौसलाअफजाई करूंगा। गुजरात की टीम के लिए यह बड़ा झटका है क्योंकि युवा शुभमन गिल के अलावा उन्होंने रॉय के रूप में एक ही विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज चुना था। रॉय ने इससे पहले भी निजी कारणों से 2020 सत्र से नाम वापिस ले लिया था

जब दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें डेढ करोड़ रूपए में खरीदा था। आईपीएल का 15वां सत्र 26 मार्च से शुरू होकर मई के अंतिम सप्ताह तक चलेगा। रॉय पिछले साल सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेले थे जबकि इस साल उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग में भी क्वेटा ग्लैडिएटर्स के लिए खेला।

रणजी ट्रॉफी मैच

जब पिता को खोने के दुख में डूबे होने के बावजूद बल्लेबाजी को उतरे थे 17 वर्ष के कोहली ...

एजेंसी ■ नई दिल्ली

क्रिकेट

- कोहली और बिष्ट अविजित बल्लेबाज थे लेकिन कोहली पर मानो दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। एक समय दिल्ली के विकेटकीपर रहे बिष्ट अब मेघालय के लिए खेलते है।

कर्नाटक के खिलाफ 2006 में दिल्ली के रणजी ट्रॉफी मैच के तीसरे दिन जब पुनीत बिष्ट ड्रेसिंग रूम में पहुंचे तो कमरे में सन्नाटा पसरा था और एक कोने में 17 वर्ष का विराट कोहली बैठा था जिसकी आंखें रोने से लाल थी। बिष्ट यह देखकर सकते में आ गए लेकिन उन्हें अहसास हो गया कि इस लड़के के भीतर कोई तूफान उमड़ रहा है। कोहली के पिता प्रेम का कुछ घंटे पहले ही ब्रेन स्ट्रोक के कारण निधन हुआ था। कोहली और बिष्ट अविजित बल्लेबाज थे लेकिन कोहली पर मानों दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। एक समय दिल्ली के विकेटकीपर रहे बिष्ट अब मेघालय के लिए खेलते हैं। उन्होंने उस घटना को याद करते हुए कहा , आज तक मैं सोचता हूं कि उसके भीतर ऐसे समय में मैदान पर उतरने की हिम्मत कहां से आई। हम सब स्तब्ध थे और वह बल्लेबाजी के लिए तैयार हो रहा था। उन्होंने कोहली के सौवें टेस्ट से पहले उस घटना को याद करते हुए कहा , उसके पिता का अंतिम संस्कार भी नहीं हुआ था और वह इसलिए आ गया कि वह नहीं चाहता था कि टीम को एक बल्लेबाज की कमी खले क्योंकि मैच में दिल्ली की हालत खराब थी। सोलह साल पहले की वह घटना आज भी बिष्ट को याद है और यह भी कि कप्तान मिथुन मन्हास और तत्कालीन कोच चेतन चौहान ने विराट को घर लौटने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा , उस समय चेतन सर हमारे कोच थे। चेतन सर और मिथुन भाई दोनों ने विराट को घर लौटने को कहा था क्योंकि उन्हें लगा कि इतनी कम उम्र में उसके लिए इस सदमे को झेलना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा , टीम में सभी की यही राय थी कि उसे अपने घर परिवार के पास लौट जाना चाहिए। लेकिन विराट कोहली अलग मिट्टी के बने हैं। बिष्ट ने करीब एक दशक तक दिल्ली के लिए खेलने के बाद 96 प्रथम श्रेणी मैचों में 4378 रन बनाए हैं। इसके बावजूद युवा विराट कोहली के साथ 152 रन की वह साझेदारी उन्हें सबसे यादगार लगती है। बिष्ट ने उस मैच में 156 और कोहली ने 90 रन बनाए थे। उन्होंने कहा , विराट ने अपने दुख को भुलाकर जबर्दस्त दृढता दिखाई थी। उसने कुछ शानदार शॉट्स खेले और मैदान पर हमारी बहुत कम बातचीत हुई। वह आकर इतना ही कहता था कि लंबा खेलना है , आउट नहीं होना है। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूं। मेरा दिल कहता था कि उसके सिर पर हाथ रखकर उसे तसल्ली दूं लेकिन दिमाग कहता था कि नहीं , हमें टीम को जिताने पर फोकस करना है। बिष्ट ने कहा , इतने साल बाद भी विराट उसी 17 साल के लड़के जैसा है। उसमें कोई बदलाव नहीं आया। बंगाल के विकेटकीपर श्रीवत्स गोस्वामी ने भी भारत के लिए अंडर 19 क्रिकेट खेलने के दिनों को याद करते हुए कहा , हम बंगाल से थे और विराट दिल्ली से। उसकी ऊर्जा और आक्रामकता गजब की थी।

क्रिकेट विश्व कप से पूर्व आखिरी अभ्यास मैच में मंगलवार को वेस्टइंडीज को 81 रन से हरा दिया।

विश्व कप से पहले आखिरी अभ्यास मैच में भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को हराया

एजेंसी ■ रंगियोरा (न्यूजीलैंड)

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के 67 गेंद में 66 रन की मदद से भारत ने आईसीसी महिला विश्व कप से पूर्व आखिरी अभ्यास मैच में मंगलवार को वेस्टइंडीज को 81 रन से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को टीम के पहले अभ्यास मैच के दौरान सिर पर चोट लगने के कारण मंधाना को निगरानी में रखा गया था। उन्होंने चोट लगने के दो दिन बाद ही शानदार बल्लेबाजी करते हुए भारत को 50 ओवर में 258 रन तक पहुंचाया। जवाब में वेस्टइंडीज टीम नौ विकेट पर 177 रन ही बना सकी। भारत को रविवार को पहले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से खेलना है जिसने पहले अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को दो रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए 2017 की उपविजेता भारतीय टीम की शुरूआत खराब रही और शेफाली वर्मा को चिनेले हेनरी ने खाता खोले बिना ही आउट कर दिया। इसके बाद दीप्ति शर्मा और मंधाना क्रीज पर आए और दूसरे विकेट के लिए 117 रन की साझेदारी की। मंधाना ने 67 गेंद में सात चौकों की मदद से 66 रन बनाए। चेरी अन फ्रेसर ने अपनी ही गेंद पर उनका कैच लपका। दीप्ति ने 64 गेंद में 51 रन बनाए जिसमें एक ही चौका शामिल था। कप्तान मिताली राज ने 42 गेंद में 30 रन का योगदान दिया जबकि यस्तिका भाटिया ने 53 गेंद में 42 रन बनाए। वेस्टइंडीज की शुरूआत बहुत खराब रही और उसने चार विकेट 53 रन पर ही गंवा दिए। विकेटकीपर शेमेइन कैंपबेल ने 81 गेंद में 63 रन बनाए जबकि हेली मैथ्यूज ने 61 गेंद में 44 रन का योगदान दिया। इन दोनों के अलावा कोई बल्लेबाज टिक नहीं सकीं। भारत के लिए पूजा वस्त्राकर ने सात ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट चटकाए जबकि मेघना सिंह और दीप्ति को दो दो विकेट मिले। झूलन गोस्वामी ने आठ ओवर में सिर्फ 14 रन दिए।

कनकशन से उबरे स्मिथ, पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए तैयार

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

आस्ट्रेलिया के उपकप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा है कि वह पिछले महीने सिर में लगी चोट (कनकशन) से पूरी तरह से उबर चुके हैं और उन्हें 1998 के बाद पाकिस्तान के खिलाफ पहली टेस्ट श्रृंखला का इंतजार है। स्मिथ को श्रीलंका के खिलाफ सिडनी में एक टी20 मैच के दौरान छक्का बचाने के प्रयास में सिर में चोट लगी थी। वह श्रीलंका के खिलाफ आखिरी टी20 मैच नहीं खेल सके। उन्होंने मंगलवार को एक आनलाइन प्रेस कांफ्रेंस में कहा , अब ठीक लग रहा है। पिछले कुछ दिन से मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं।आज के अभ्यास सत्र के बाद और अच्छा लग रहा है। आस्ट्रेलियाई टीम ने पिंडी क्रिकेट स्टेडियम पर अभ्यास किया जहां पहला टेस्ट खेला जाना है। दूसरा टेस्ट 12 से 16 मार्च तक कराची में और तीसरा 21 से 25 मार्च तक लाहौर में खेला जाएगा। स्मिथ ने कहा , हालात के अनुकूल ढलना अहम है। इतने समय बाद पाकिस्तान फिर आकर अच्छा लग रहा है। हमें पता है कि यहां के लोग क्रिकेट के कितने शौकीन हैं। उन्होंने यह भी कहा कि टीम पाकिस्तान में सुरक्षित महसूस कर रही है। आस्ट्रेलियाई स्पिनर एश्टोन एगर की पत्नी को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी की जांच कराई गई और पाकिस्तान तथा आस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड दोनों ने जांच के बाद कहा कि यह धमकी विश्वसनीय नहीं थी।

सच्ची जनसेवा के लिए राजनीति से जुड़ना जरूरी- सजंय गिरधर

⇦दिल्ली के सीएम केजरीवाल व नजफगढ़ के विधायक व परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत से प्रभावित होकर हुए आम आदमी पार्टी में शामिल

⇦पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पंहुचाने का संजय गिरधर ने शुरू किया जनसेवा अभियान, लोगों का मिल रहा भारी जन समर्थन

नजफगढ़/शिव कुमार यादव। दिल्ली में निगम चुनाव की आहट के साथ ही नजफगढ़ में नेता समाजसेवी का टैग लगाकर अपनी उम्मीदवारी पक्की करने में जुट गये हैं लेकिन संजय गिरधर ऐसा नाम है जो किसी परिचय का मोहताज नही है। वो ऐसे शख्स है जो अपने संघर्ष काल से ही हमेशा सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे हैं। संजय गिरधर नजफगढ़ में ही सामाजिक संगठनों की मदद नही करते बल्कि पूरे देश में गऊ सेवा व कई सामाजिक संगठनों से भी जुड़े हैं। उनके पास जो भी मदद मांगने आता है वह कभी खाली हाथ नही जाता है। फिर भी संजय गिरधर ने लोगों की परेशानियों को देखते हुए राजनीति से जुड़ने का निर्णय किया और दिल्ली के सीएम केजरीवाल व नजफगढ़ विधायक व परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी में शामिल हो गये हैं। संजय गिरधर आज न केवल आम आदमी पार्टी के सक्रिय सदस्य है और आम आदमी पार्टी की जनहितैषी नीतियों को जन-जन तक पंहुचा रहे है। आज जिस तरफ भी वो जा रहे है उधर ही उनका स्वागत करने के लिए लोगों का जनसमुह उमड़ पड़ता है। वहीं लोगों की माने तो संजय गिरधर ऐसे शख्स है जो लोगों की परेशानियों को दूर कर सकते है। लोग भी अब ऐसे उम्मीदवारों को निगम में देखना चाहते है जो न केवल जनसेवा से जुड़ा हो बल्कि लोगों के काम कराने के लिए भी पूरी तरह से समर्थ हो। नजफगढ़ से संजय गिरधर की दावेदारी को लोगों का भारी समर्थन तो मिल ही रहा है साथ ही लोग सीएम केजरीवाल से भी संजय गिरधर को नजफगढ़ से पार्टी का टिकट देने की अपील कर रहे हैं। लोगों की माने तो संजय गिरधर ने अभी तक सच्चे मन से निस्वार्थ जन सेवा की है और वो हमेशा अपने कार्य के प्रति ईमानदार रहे हैं। नजफगढ़ क्षेत्र के लोग अब आगे बढ़कर संजय गिरधर का स्वागत कर रहे है और अपना समर्थन दे रहे है। लोगों का यह भी कहना है कि इस बार निगम में आम आदमी पार्टी ही आयेगी क्योंकि लोग भाजपा के भ्रष्टाचार से काफी खफा है। लोगों के बीच जाकर पार्टी नीतियों के बारे में जानकारी दे रहे संजय गिरधर से जब समाज सेवा के साथ राजनीति में आने का कारण पूछा तो उन्होने नजफगढ़ मैट्रो न्यूज को बताया कि समाजसेवा में भी कई बार अड़चने आ जाती है। लोगों के उन कामों को पूरा कराने के लिए राजनेताओं की तरफ देखना पड़ता है। फिर अगर वो काम नही होता तो दिल को बुरा लगता है कि मैं लोगों की मदद नही कर पाया। इसी कारण के चलते मैंने राजनीति में शामिल होने का निर्णय लिया ताकि सच्ची जनसेवा कर सकूं। लोग भी चाहते है कि मैं चुनाव लडू और उनकी परेशानियों को दूर करूं। यहां बता दें कि संजय गिरधर पिछले 20 साल से समाजसेवा से जुड़े है और इस समय वह कई संस्थाओं का नेतृत्व भी कर रहे है। जिनमें साई बाबा मंदिर नजफगढ़ के महासचिव, नजफगढ़ पिंजारापोल सोसायटी के तहत चार गौशालाओं दिल्ली गेट, मकसूदाबाद, दिचाऊं कलां व मित्राऊं के महासचिव, पंजाबी बिरादरी सनातन के चेयरमैन, सेहाजधारी गुरूद्वारा साहेब एसडीएम बाजार नजफगढ़ के चेयरमैन, बारातघर सोमबाजार नजफगढ़ के चेयरमैन, झंग समाज यानी पंजाबी समाज के चेयरमैन और रामलीला कमेटी नजफगढ़ के अध्यक्ष है। समाजसेवी संजय गिरधर का कहना है कि राजनीति में आकर वह राजनेता नही बल्कि एक जनसेवक ही बने रहना चाहते है और हमेशा पहले की तरह लोगों की सेवा व सामाजिक कार्यों से जुड़े रहेंगे।

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक शिव कुमार तथा संपादक भावना शर्मा ने नाहरगढ़ प्रिंटिंग प्रेस आर जेड 32 कश्मीरी कॉलोनी खैरा विलेज नजफगढ़ नई दिल्ली 110043 से मुद्रित कर कार्यालय सी 1677 टोडरमल कॉलोनी मेन थाना रोड नई दिल्ली 110043 से प्रकाशित
RNI NO. DELHIN/2009/28409, संपर्क- 9871096636, 9205336006, Email:Nazafgarhmetronews@gmail.com / समाचार पत्र सामग्री या विज्ञापन से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे